HRCLEST USTUSTED THE Gazette of India

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 45]

नई विल्ली, एतिवार, नवम्बर 11, 1978/कार्तिक 20, 1900

No. 451

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER,11 1978/KARTIKA 20, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिसले कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सांविधिक कावेश और ब्रधिसुचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDER

New Delhi, the 16th October, 1978

श्रादेण

नई दिल्ली, 16 अन्त्रुबर, 1978

कार प्राच्या 3184.—निर्धाचन प्रायांग को यह समाधान हो खुका है कि जून, 197; में हुए विधान सभा के लिए साधारण निर्धाचन के लिए हिरप्राणा 78 फतेहाबाद निर्धाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम विधान ग्राम व डाक बाना धालाड़, तहसीन फनेबाद (हिरियाणा) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनिधम, 1951 तथा तब्धीन ग्रनाए गए नियमों इत्तरा निर्याचन व्यथों का लेखा वाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

भीर, उक्त उम्भीदवार ने, उसे सम्यक सूचना विये जाने पर भी, भ्रप्नी इन स्रसफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, भीर, निर्वाचन श्रायोग को यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस श्रसफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं हैं;

ग्रतः श्रव, उनत श्रधिनियम की घारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतव्द्वारा उपत श्री राम दियाल को संसद के किसी भी मदन के या किसी राज्य की विधान-मभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होने के जिए इस श्रादेश की तारीख से तान वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है। S.O. 3184.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Dayal, Village and P. O. Dhangar, Tehsil Fatehabad Via Badopal (Haryana) who was a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly from 78-Fatehabad held in June, 1977 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Dayal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[सं० हरि० वि०स० | 78 | 77]

[No. HN-LA /78/77]

स्रावेश

का॰ आ॰ 3185.—निर्वाचन ध्रायोग को यह समाधान हो जुका है कि जून 1977 में हुए विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए हरियाणा 73-मट्टू निर्वाचन-क्षेत्र-कला से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रिछपाल ग्राम व डाकखाना बडोपाल, तहसील फतेहाबाद (हरियाणा) लोक प्रतिनिध्दल श्रधिनियम, 1951 तथा तब्धीन बनाए गए नियमों द्वारा ध्रपने निर्याचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में ध्रसफल रहे हैं;

श्रीर, उनत उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना विये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, श्रीर, निर्वाचन श्रायोग को यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है;

श्रतः श्रव, उनत श्रधिनियम की धारा 10-क के भ्रनुसरण में निर्धानन श्रीयोग एतद्द्वारः उक्त भी रिछपाल को संसव के किसी भी सबन के या किसी राज्य भी विधान-सभा श्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने श्रीर होते के निए इस श्रादेश भी तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निरहंत घोषित करता है।

[सं० हरि०वि०स० 73 77]

ORDER

S.O. 3185.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Richhpal, Village and P.O. Badopal, Tehsil Fatchabad (Haryana), who was a contesting candidate for general/bye election to the Legislative Assembly from 73-Bhattu Kalan held in June, 1977 has failed to lodge an account of his election expenses, as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Richpal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. HN-LA/73/77]

मादेश

नई दिल्ली, 17 प्रक्तूबर 1978

का श्रात 3186 — निर्वाचन श्रायोग को यह समाधान हो चुका है कि जून, 1977 में हुए विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए हरियाणा के 72-हांसी निर्वाचन केन्न सेन्न से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गिरधारी लाल, मकान नं० 288/18, रूप नगर, हांसी (हरियाणा) लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम, 1951 तथा सद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा श्रुपने निर्वाचन व्ययों का लेखा वाखिल करने में ग्रसफल रहे हैं;

भीर, उकत उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, भ्रमनी इस अक्षणजता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, भीर, निर्वाचन श्रायोग को यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस भ्रमफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोजिस्य नहीं हैं;

अतः अध, उकत अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री गिरधारी लाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विद्यान-संभा घ्रणवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस भावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्साहत धोषित करता है।

[सं हरि वि व न 72 77]

ORDER

New Delhi, the 17th October, 1978

S.O. 3186.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Girdhari Lal, House No. 288/18, Roop Nagar, Hansi (Haryana) who was a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly from 72-Hansi held in June, 1977 has failed to lodge an account of his election expenses, as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Girdharl Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. HN-LA/72/77]

मावेश

का॰ जा॰ 3187.— निर्वाचन आयोग को यह समाधान हो जुका है कि जून, 1977 में हुए विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए हरियाणा के 72-हांसी निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम किशन, ग्राम सुई, तहसील बवानी खेड़ा, जिला भिवानी (हरियाणा) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रपने निर्वाचन स्थयों का लेखा वांखिल करने में असफल रहे हैं;

भौर, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, भपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं विया है भौर, निर्याचन आयोग को यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलतता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यापौचित्य नहीं है;

श्रतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के धनुसरण में निर्वाचन भागोग एतब्द्वारा उक्त श्री राम किणन को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विद्यान-सभा भथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस भादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाविध के लिए निर्राहत घोषित करता है।

> [सं० हरि०वि०स०/72/77] टि० नागरत्नम, सचिव

ORDER

S.O. 3187.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Kishan, Village Sui, Tehsil Bhiwani Khera, District Bhiwani (Haryana) who was a contesting candidate for general election to the Legislative Assembly from 72-Hansi held in June, 1977 has failed to lodge an account of his election expenses, as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Kishan to be disqualified for being chosen as, and tor being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. HN-LA/72/77]

T. NAGARATHNAM, Secy.

विधि, न्याय और कम्पनी कार्यं मंत्रालय

(कस्पनी कार्य विभाग)

नई विल्ली, 25 धक्तूबर, 1978

का॰ आ॰ 3188—एकाधिकार एवं निर्वेधनकारी व्यापार प्रथा धिनियम, 1969 (1969 का 54) की घारा 26 की उपधारा (3) के धनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा मैंसर्स नेशनल इन्सुलेटेड केबिल कम्पनी ग्राफ इन्डिया लि॰ के कथित ग्रिधिनियम के धन्तर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण-पत्न संख्या 832/72) के निरस्तीकरण को ग्रिधिनृचित करती है।

[सं० 2/23/77-एम-2/एम०-1]

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (Department of Company Affairs)

New Delhi, the 25th October, 1978

S.O. 3188.—In pursuance of sub-section (3) of Section 26 to the monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the Registration of The National Insulated Cable Company of India Limited under the said Act (Certificate of Registration No. 832|72).

[F. No. 2/23/77-M. II/ M.I]

का॰ धा॰ 3189—एकाधिकार एवं निबंग्धनकारी व्यापार प्रथा धिक-नियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उप-धारा (3) के धनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा कथित धिक्षिनियम के अन्तर्गत निम्नांकित उपक्रमों के पंजीकरण के निरस्तीकरण को प्रधिसूचिस करती हैं:—

| कम सं० | उपक्रमों का नाम | पंजीकरण संख्या |
|-----------|--|----------------|
| 1. मैं० | सन्तुलिया सास कालरीण लि० | 809/71 |
| 2. #°0 : | पूना इटेड का लरीज लि० | 807/71 |
| з. Ң°о | करम चन्द्र थापर एण्ड सन्स लि० | 799/71 |
| 4. #o | ह्टेग्डर्ड रिफायनरी एण्ड डिस्टिलरी लि० | 793/71 |

[सं॰ 2/35/78-एम-2] बी॰ बी॰ टंडन, उप सचिव

8.0. 3189.—In pursuance of sub-section (3) of section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the Registration under the said Act of the following undertakings:—

| Name of the Undertakings | Registration No. |
|---|------------------|
| 1. M/s, Tentulia Khas Collieries Ltd. | 809/71 |
| 2. M/s. United Collieries Ltd. | 807/71 |
| 3. M/s. Karamchand Thapar & Sons Ltd. | 799/71 |
| 4. M/s. Standard Refinery & Distillery Ltd. | 793/71 |

[F. No. 2/35/78-Μ. Π/M-I]B. B. TANDON, Dy. Secy.

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 2 नवम्बर, 1978

का॰ प्राः 1390.—केन्द्रीय सरकार, सीमा सुरक्षा यल प्रधिनियम 1968 (1968 का 47) की धारा 141 की उपधारा (1) ग्रीर (2) द्वारा भवत गक्तियों का प्रयोग करते हुए, सीमा सुरक्षा बल (वेतन ग्रीर भत्तों से कटौती) नियम, 1978 में संगोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, ग्रयांत :---

- (1) इन नियमों का नाम सीमा सुरक्षा बल (वेतन ग्रीर भत्तों से कटौती) संशोधन नियम, 1978 है!
 - (2) ये राजपत्न में प्रकाशन की तारीख को प्रयुत्त होंगे।
- 2. सीमा सुरक्षा बल (बेतन श्रीर भत्तों से कटीती) नियम, 1978 के नियम 12 में, खंड (2) ग्रीर (3) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, ग्रथति:—
 - "(2) मधिकारियों की दशा में, महानिवेशक।"

[संख्या 1/20/77-सी एल भ्रो/की एस एफ/जी पी ए-1]

च० चक्रवर्ती, निदेशक

MINISTRY OF HOME

New Delhi, the 2nd November, 1978

- S.O. 3190.—In exercise of the powers conferred by subsections (1) and (2) of section 141 of the Border Security Force Act, 1968 (47 of 1968), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Border Security Force (Deductions from Pay & Allowances) Rules, 1978, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Border Security Force (Deductions from Pay and Allowances) Amendment Rules, 1978.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In rule 12 of the Border Security Force (Deductions from Pay and Allowances) Rules, 1978, for Clauses (2) and (3), the following clause shall be substituted, namely:—
 - "(2) Director General, in the case of Officers."

Sd/-

[No. 1/20/77-CLO/BSF/GPA.I]

C. CHAKRABARTY, Director

वित मंत्रालय

(राजस्य विमाग)

नई दिस्ली, 17 जुलाई, 1978

म्राय-कर

का॰ आ॰ 3191---केन्द्रीय सरकार, भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "सर वोरावजी टाटा ट्रस्ट" की निर्धारण वर्ष 1975-76 के लिए भी उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसूचित करती है।

[सं० '2412/फा० सं० 197/66/78-मा० फ (ए I)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi the 17th July, 1978

INCOME-TAX

S.O. 3191.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sir Dorabji Tata Trust" for the purpose of said section for the assessment year 1975-76 also.

[No. 2412/F. No./197/66/78-IT. AI]

धाय-कर

का० आ० 3192 — केन्द्रीय सरकार, ग्राय-कर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रक्ष्म शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "सर रतन टाटा ट्रस्ट" के निर्धारण वर्ष 1975-76 के लिए भी उक्त धारा के प्रयोजनार्थ श्रिधसूचित करती हैं।

[सं० 2413/फा॰ सं० 197/67/78-प्रा॰ फ॰ (ए-1)]

INCOME-TAX

S.O. 3192.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), 'he Central Government hereby notifies "Sir Ratan Tata Trust" for the purpose of the said section for the assessment year 1975-76 also.

[No. 2413/F. No. 197/67/78-IT(AI)]

नई विस्ली, 19 जुलाई, 1978

ध्राय-कर

का॰ आर॰ 3193.— केन्द्रीय सरकार, ग्राय-कर ग्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) ग्रापा प्रवस्त पास्तियों का प्रयोग करते हुए, "टेकनोलाजिकल कन्सल्टेंटस् सेंटर" के निर्धारण वर्ष 1975-76 के लिए ग्रीर से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ ग्रधिसुचित करती है।

[सं० 2423 /फा० सं० 197/50/77-प्रा० क० (ए 1)]

New Delhi, the 19th July, 1978

INCOME-TAX

S.O. 3193.—In exercise of the powers conferred by clause of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Technological Consultants Centre" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1975-76.

[No. 2423/F. No. 197/50/77-IT. AI]

आय-कर

का का 3194.— केन्द्रीय सरकार, ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "दि क्विटिकः ग्रेड्यूल कास्टस एण्ड ग्रेड्यूल ट्राइन्स डेबलपमेंट कार्पोरेशन" के निर्धारण वर्ष 1977-78 के लिए ग्रीर से उक्त धारा के प्रयोजनार्थं ग्रिधि सूर्वत (१ र्

[सं० 2424/फार सं० 197/164/77-फार क (ए 1)]

INCOME-TAX

S.O. 3194.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Karnataka Scheduled Castes and Scheduled Tribes Development Corporation" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1977-78.

[No. 2424/F. No. 197/164/77-IT, AI]

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1978

धाय-कर

का० ग्रा॰ 3195.—केन्द्रीय सरकार, श्राय-कर प्रिक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "कलकत्ता पिजरापोल सोसाइटी" की निर्धारण वर्ष 1975-76 के लिए ग्रौर से उक्त धारा के प्रयोजनार्थं प्रधिस्चित करती है।

[सं० 2434/फा० सं० 197/28/78-प्रा०क० (ए 1)]

New Delhi, the 24th July, 1978 INCOME-TAX

S.O. 3195.—In exercise of the powers conferred by clause (Iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Calcutta Pinirapole Society" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1975-76.

[No. 2434/F. No. 197/28/78-IT. AI]

मई दिल्ली, 24 ग्रगस्त, 1978

ग्राय-कर

भा० आ० 3196.—केन्द्रीय सरकार, भ्राय-कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "क्रुष्णामृति फाउंडेशन, इष्डिया" को निर्धारण वर्ष 1978-79 के लिए भीर से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रधिसुचित करती है।

[सं० 2484/फा० सं० 197/39/78-धा० फ० (ए1)]

New Delhi, the 24th August, 1978

INCOME-TAX

S.O. 3196.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Krishnamurti Foundation, India" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1978-79.

[No. 2484/F. No. 197/39/78-IT. AI]

नई दिल्ली सितम्बर 16, 1978

भाग-कर

का॰ आ॰ 3197.—केन्द्रीय सरकार, ग्राय-कर ध्रिक्षित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "इण्डियन एक्स-सर्विक्षेत्र सीग" को निर्धारण वर्ष 1978-79 के लिए भीर से उक्त धारा के प्रयोजनार्थं मधिलुचित करती है।

[सं० 2505/फा॰ सं० 197/190/77-भा० क० (ए 1)]

New Delhi, the 16th September, 1978

INCOME-TAX

S.O. 3197.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Indian Ex-Services League" for the purpose of the sald section for and from the assessment(s) 1978-79.

[No. 2505/F. No. 197/190/77-IT, AI]

भाय-कर

का॰ धा॰ 3198.—केन्द्रीय सरकार, धाय-कर धाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "क्रेण्ड्स घाँफ मोरल रि-धार्मा-मेंट (इण्डिया)" के निर्घारण वर्ष 1976-77 के लिए धीर से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ धाधिसूचित करती है।

[सं॰ 2506/फा॰ सं॰ 197/98/78-घा॰ फ॰ (ए 1)]

INCOME TAX

S.O. 3198.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Friends of Moral Re-armament (India)" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1976-77.

[No. 2506/F. No. 197/98/78-IT. (AI)]

नई विल्ली, 20 सितम्बर, 1978

श्राय-कर

का॰ आ॰ 3195. — केन्द्रीय सरकार, ध्राय-कर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "चेतना सोसाइटी, राज भवन, हैदराबाद" को निर्धारण वर्ष 1978-79 के लिए ध्रौर से उक्त घारा के प्रयोजनार्थ ध्रधिसुचित करती है।

[सं० 2513/फा॰ सं॰ 197/88/78 आ॰ फ॰ (ए 1)]

New Delhi, the 20th September, 1978 INCOME TAX

S.O. 3199.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies 'Chetna Society, Raj Bhawan, Hyderabad' for the purpose of the said section for and from the assessment year 1978-79.

[No. 2513/F. No. 197/88/78-IT. AI)]

नई विल्ली, 4 प्रकट्खर, 1978

माय-कर

का० ग्रा० 3200 — केन्द्रीय सरकार, ग्राय-कर ग्रिशित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "महात्मा गांधी स्मारक निधि, पुणे" को निर्धारण वर्ष 1977-78 के लिए ग्रीर से उक्त धारा के प्रयोज-नार्थ ग्रिधिपुचित करती है।

[सं० 2533 फा० सं० 197/5/78-मा० फ० (ए 1)]

New Delhi, the 4th October, 1978

INCOME TAX

S.O. 3200.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Mahatma Gandhi Smarak Nidhi, Pune" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1977-78.

[No. 2533/F. No. 197/5/78-IT. (AJ)]

मई विल्ली, 7 प्रस्ट्बर, 1978

याप-कर

का॰ ओ॰ 3201.—केन्द्रीय सरकार, भाय-कर महिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, "फाउंडेशन भागा खाँ" को निर्धारण थयाँ 1979-80 के लिए भीर से उक्त घारा के प्रयोजनार्थ मधि-सुचित करती है।

[सं० 2538/फा० सं० 197/129/78-फा० फ० (ए I)]

New Delhi, the 7th October, 1978

INCOME TAX

S.O. 3201.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies

"Fondation Aga Khan" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1979-80.

[No. 2538/F, No. 197/129/78-IT. (AI)]

नई दिल्ली, 9 प्रकट्बर, 1978

ध्राय-कर

का० घ.० 3202.—केन्द्रीय सरकार, ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (IV) द्वारा प्रवत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए, "ग्रेटर कलकत्ता लेपरोसी ट्रिट-मेंट एण्ड हेल्थ एड्रेकेशन स्कीम (ग्रेकलटेस)" की निर्धारण वर्ष 1979-80 के लिए ग्रीर से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ ग्रिधसुचित करती है।

[सं० 2545 फा॰ सं० 197/59/78-मा॰ क॰ (ए 1)]

New Delhi, the 9th October, 1978

INCOME TAX

S.O. 3202.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Greater Calcutta Leprosy Treatment and Health Education Scheme (GRECATES)" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1979-80.

[No. 2545/F. No. 197/59/78-IT. (AI)]

नई विल्ली, 18 धन्दूबर, 1978

आय-कर

का॰ गा॰ 3203. — केन्द्रीय सरकार, माय-कर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "दि विश्वेश्वराया इंडस्ट्रियल स्यूजियम सोसाइटी ट्रस्ट" को निर्धारण वर्ष 1977-78 के लिए भीर से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ मिधियुचित करती है।

New Delhi, the 18th October, 1978 INCOME TAX

S.O. 3203.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Visvesvaraya Industrial Musuem Society Trust" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1977-78.

[No. 2547/F. No. 197/55/78-IT, (AI)] M. SHASTRI, Under Secy.

नई दिल्ली, 2 धगस्त, 1978

बाय-कर

कां कां 3204—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए मिधसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी मर्थात् भारतीय समाज विज्ञान मनुसंधान परिषद् ने निम्नलिखित संस्था को मायकर मधिनियम, 1961 की घारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित मतौं पर मनुमोदित किया है ।

- (1) यह कि संस्थान द्वारा इस छूट के मधीन संप्रहीत निधियों का उपयोग एकमात समाज विज्ञान के प्रमुसंधान की उपनि के: जिए ही किया जाएगा । 🖑
- (2) यह कि संस्थान इस छूट के झधीन संब्रह की गई निधियों का हिसाब ग्रसन से रखेना।

(3) यह कि संस्थान छूट के अक्षीन एकत्र की गई निधियों का और वह रीति जिसमें उनका उपयोग किया गया है विभिन्न करते हुए एक वार्षिक रिपोर्ट भारतीय समाज विज्ञान प्रनुसंधान परिषद को भेजेगा ।

संस्या

भूमारप्या प्राम स्वराज संस्थान, जैपुर

3076

ग्रह ग्रधिसूचना 1-1-1978 से 31-12-1982 तक 5 वर्ष की प्रविधि तक प्रभावी रहेगी।

(सं॰ 2457/फा॰सं॰ 203/55/78 **माई** टी ए II)]

जे० पी० शर्मा, निदेशक

INCOME-TAX

New Delhi, the 2nd August, 1978

- S.O. 3204.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Social Science Research the prescribed authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, subject to the following conditions:
 - The funds collected by the Institute under this exemption will be utilised exclusively for promotion of research in Social Sciences.
 - The Institute shall maintain separate accounts of the funds collected by them under the exemption.
 - That the Institute will send an annual report to the Indian Council of Social Science Research, New Delhi, showing the funds collected under the exemption and the manner in which the funds were utilised.

INSTITUTION

Kumarappa Institute of Gram-Swaraj Jaipur.

This notification is effective for a period of 5 years from 1-1-1978 to 31-12-1982.

J. P. SHARMA, Director [No. 2547/F. No. 203/55/78-IT. AI]

भावेश

नई विस्ली, 6 नवम्बर, 1978

स्टाम्प

का अपा 3205 — भारतीय स्टाम्प धिवियम, 1899 (1899 का 2) की घारा 9 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतव्द्वारा उस शुस्क से छूट देती हैं, जो मैसूर विधुत् निगम द्वारा वर्ष 1978-79 के दौरान जारी किये गये चौवह करोड़ तीस साख रुपये मूल्य के ऋण पन्नों पर, उक्त धिवियम के ध्वीन प्रभाय हैं।

[सं० 26/78-स्टाम्प फा०सं० 33/52/78-वि०कर]

एम ब्यार व वैधा, भवर स

ORDER

New Delhi, the 6th November, 1978

STAMPS

S.O. 3205.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act,

1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the debentures to the value of fourteen crores and thirty lakhs of rupees, floated by the Mysore Power Corporation during 1978-79, are chargeable under the said Act.

[No. 26/78-Stamps—F. No. 33|52/78-ST]
M. R. VAIDYA, Under Stey.

(व्याधिक कार्यं विमान)

नई दिल्ली, 21 धक्टूबर, 1978 !

वैकिए प्रमान

का॰ आ॰ 3206—वैंककारी विनियमन श्रिधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रयस्त मित्तमों का प्रयोग करते हुए, केस्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व वैंक की सिफारिश पर एसद्व्वारा घोषणा करती है कि उक्त प्रधिनियम की धारा 19 की उपधारा (2) के उपबंध 8 जून, 1980 तक यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक उनका संबंध बैंक द्वारा मैससं लुज इन्नेक्ट्रीकरस प्रा॰ सिमिटेड की शेयरधारिता से है।

[संख्या 15(21)--बी०ओ० III/78] मे० भा० उसगांवकर, भवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 21st October, 1978

(Banking Division)

S.O. 3206.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (2) of section 19 of the said Act shall not apply to United Bank of India upto 8th June, 1980 so far as they relate to its holdings in the shares of M/s. Luz Electricals Pvt. Ltd.

[No. 15(21)-B.O. III/78]

M. B. USGAONKAR, Under Secy.

नई विल्ली, 27 मक्ट्रबर, 1978

कार आ० 3207—वैंक कारी विनियमन प्रधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त पाकियों का प्रयोग करते दूए, केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व वैंक की सिफारिश पर एतद्द्वारा धोषणा करती है कि उक्त प्रधिनियम की धारा 9 के उपबन्ध सत्यमंगलम की-प्रापरेटिव भवेन वैंक लिमिटेड सत्यमंगलम पर इस प्रधिम्यना के सरकारी राजपन में प्रकाशित होने की तारीख से 28 करवरी, 1979 तक, उस सीमा सक लागू नहीं होंगे, जहां तक उनका संबंध मलैयादिप् इर प्राम, सत्यमंगलम तालुक, जिला कोयम्बट्टर, तमिलना में उक्त वैंक द्वारा गैर-वैंकिंग परिसम्पतियों प्रथांत् एस० एफ० 284 न० वाली 0.662/3 एकड़ भूमि की धारिता से है।

[संबग 8-9/78-ए०सी०]

New Delhi, the 27th October, 1978

S.O. 3207.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 9 of the said Act shall not apply to the Satyamangalam Co-operative Urban Bank Ltd., Satyamangalam, in so far as they relate to its holding of non-banking assets viz., 0.662/3 acres of land bearing

S.F. 284 at Malaiyadipudur Village, Satyamangalam Taluk, Coimbatore District, Tamil Nadu from the date of publication of this notification in the official Gazette to 28th February, 1979.

[No. 8-9/78-AC]

का॰ आ॰ 3208.—वैंककारी विनियसन प्रिविनयम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रवत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त प्रिधिनयम की धारा 9 के उपबन्ध सरकारी गजट में इस प्रिधिमूचना के प्रकाशन की तारीख से 31 मार्च 1981 तक सैंद्रल कोधापरेटिय बैंक लिमिटेड, तंजाबूर पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक उनका सम्बन्ध पारूथिकीटट्ई ग्राम, सन्नारगृही तालुक, जिला संजाबूर, तमिलनाडु में इसकी गैर-वैंकिंग परिसम्पत्तियों प्रयत्ति 18 एकड़ भूमि की धारिता से है।

[सं॰ 8-9/78 ए॰सी॰]

S.O. 3208.—In exercise of the powers conferred by section 53 read with section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of section 9 of the said Act shall not apply to the Central Co-operative Bank Ltd., Thanjavur in so far as they relate to its holding of non-banking assets viz., 18 acres of land at Paruthikkottai Village, Mannargudi Taluk, Thanjavur District, Tamil Nadu from the date of publication of this notification in the official Gazette to 31st March, 1981.

[No. 8-9/78-AC]

का॰ आ॰ 3209. — बैंककारी निनियमन प्रधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रवक्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्थ बैंक की सिफारिण पर एत-वृद्धारा धोषणा करती है कि उवत प्रधिनियम की धारा 9 के उपबन्ध सरकारी गजट में इस प्रधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 31 मार्च, 1979 तक की प्रवधि के लिए रायगंज सेंट्रल बैंक लिमिटेड रायगंज पश्चिम बंगाल पर उस सोमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक उनका संबंध इसकी गैर वैंकिंग परिसम्पत्तियों प्रथित प्लाट नं० 187 जे० एल० न० 20, खतियान मं० 16, तोजी नं० 797 प्रतेष की माप मौजा भुईहारा भिक्ताई में 0.66 इसीमल है तथा प्रनंत पुर, जिला रायगंज, पश्चिम बंगाल में प्लाट नं० 1384, जे० एल० नं० 21, खतियान नं० 292 तौंगी नं० 823 जिसकी नाप 0.55 इसीमल है, की धारिता से है।

सिंख्या 8-9/78-ए०सी०**]**

S.O. 3209.—In exercise of the powers conferred by section 53 read with section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendations of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of section 9 of the said Act shall not apply to the Raiganj Central Co-operative Bank Ltd., Raiganj, West Bengal in so far as they relate to its holding non-banking assets viz. plot No. 187, JL No. 20, Khatian No. 16, Touji No. 797 and plot No. 188, JL No. 20, Khatian No. 24, Touji No. 797 each admeasuring 0.66 decimal at Mouza Bhuihara Bhelai and plot No. 1384, JL No. 21, Khatian No. 292, Touji No. 823 admeasuring 0.55 decimal at Anantapur, District Raiganj, West Bengal, for a period from the date of publication of this notification in the official Gazette to 31st March, 1979.

[No. 8-9/78-AC]

का॰ आ॰ 3210.— वैंककारी विनियमन प्रधिनियम, 1949 (1949 का 10) की घारा 56 के साथ पिठत घारा 53 द्वारा प्रदत्त कार्त्तमों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजव वैंक की सिफारिश पर एसद्- श्वारा धोषणा करती है कि उकत प्रधिनियम की घारा 9 के उपमन्ध पुड्कोटटई सेंट्रल को-प्रापरेटिव वैंक लिमिटेड, पुड्कोट्टई पर इस प्रधिस्चना के सरकारी गजट में प्रकाशित होने की तारीख से 1 मार्च, 1979 तक उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक उनका संबंध एलनगुडी प्राम, एलनगुडी लालुक जिला पुडुक्कोटई, तिमलनाडु में इसकी गैर-वैंकिंग परिसम्पत्तियों प्रयत् कम सं० 78/ए1ए2 ग्रीर ए1ए1 के ग्रन्तगैत 2 स्थान जिनकी माप क्रमशः 0.39 सैंट ग्रीर 1.50 सैंट है ग्रीर उसके साथ वाले गोदाम की धारिता से हैं।

[संख्या 8-9/78-ए०सी०] एम०पी० वर्मा, संवर संचिव

S.O. 3210.—In exercise of the powers conferred by section 53 read with section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of section 9 of the said Act shall not apply to the Pudukkottai Central Co-operative Bank Ltd., Pudukkottai in so far as they relate to its holding of non-banking assets viz., 2 sites under S. No. 78/A1-A2 and A1A1 admeasuring 0.39 cents and 1.50 cents respectively with a godown thereon at Alangudi Village, Alangudi Taluk, Pudukkottai District Tamil Nadu from the date of publication of this notification in the official Gazette to 1st March, 1979.

[No. 8-9/78-AC] M. P. VARMA, Under Secy.

बायकर विभाग, केरल

एर्नाकुलम, 26 सितम्बर, 1978

का०का० 3211.—केन्द्र सरकार का श्राधमत है कि ऐसे व्यक्तियों का नाम तथा श्रन्य विवरण प्रकाशित करना श्रावश्यक है और लोकहितामुकूल भी है जिनका धनकर श्राधिनियम 1957 (1957/27) के श्रनुसार, केरल प्रभार I और II में 1977-78 विस्तीय वर्ष में, निम्नलिखित व्यक्तियों (I से सूचित किया है) तथा हिन्दू श्रविभक्त कुटंब (एच०यू०एफ०), जिनका गुद्ध धन 10 लाख रुपये से श्रीष्ठक होने से कर निर्धारित किया गया है। विवरणयों हैं:—

- (i) निर्धारण वर्ष (ii) निर्वाचित धन (iii) निर्धारित धन (iv) कर देय और (v) कर-प्रदरत हैं।
- (I) श्री के०चे० मजहाम, कल्लिबयलिल, पूवरणी, कोट्टयम जिला (1) (i) 74-75; (ii) इ० 756810 (iii) ६० 1104900 (iv) ६० 18147 (v) ६० 18147 (i) 75-76 (ii) ६० 1088320 (iii) ६० 1172200 (iv) ६० 26888 (v) ६० 26888 (i) 76; 77; (ii) ६० 1208750 (iii) ६० 1232600 (iv) 29304 (v) ६० 29304 (2) श्री पी०सी० मजहाम, पंडिजारिस्कार, कोट्टयम; (1) (i) 70-71 (ii) ६० 1027980 (iii) ६० 1111200 (iv) ६० 9774 (v) ६० 9774 (3) श्री एम० ए० मजित प्रसाद जेयिन, मनियमनकोड, कालपेट्टा, (1) (i) 77-78 (ii) ६० 1213971 (iii) ६० 1195300; (iv) ६० 18630; (v) ६० 18630 (4) श्री एम० ए० माहुबलिकुमार, मानियनकोड, कालपेट्टा (1) (i) 76-77 (ii) ६० 988777; (iii) 1007500 (iv) ६० 20300 (v) 20300; (5) श्रीमति देव-यानी मन्मा, जूपिटर काष्यू कडूपनी, कोल्लम (1) (i) 76-77 (ii) ६० 1935200 (iii) ६० 2076800 (iv) 86144; (v) ६० 86144; (6) श्री जोर्ज उम्मन, जूपिटर, तेक्केवीट्टल, पुत्तनकाषम चेंडल्पूर (1);

(i) 76-77 (ii) to 948800; (iii) to 1167200; (iv) र ॰ 26688 (v) र ॰ 26688; (7) जोर्ज पीट्टर, तेक्केबीटिट्ल, पुत्तन-काव-पो०ओ०; चेंडरन्र (1) (i) 76-77 (ii) रू० 969600; (iii) रु॰ 1220340; (iv) रु॰ 27704; (v) रु॰ 27704 (8) श्रीमती ग्लाडिस एस० कोडर, 32, चर्च रोड, कोच्चिन-1 (1) (i) 74-75 (ii) ₹0 730276; (iii) ₹0 1204800 (iV) ₹0 14299 (V) रू० 2790; (9) श्री गोपिनाथन नायर, कोच्चुविलामुख, कोल्लम, (1) (i) 76-77 (ii) To 1483800; (iii) 1898800; (iv) To 71904; (v) ६० 71904; (10) एस० एस० गौरी लक्ष्मी बाई, तिरवनंतपुरम; (1); (i) 68-69 (ii) to 1726400 (iii) to 2221700 (iv) ৰত 32543:; (V) ই০ 32543; (1) 69-70; (ii) ই০ 1790570; (iii) ব০ 2309200; (iv) ব০ 41276; (v) ব০ 41276 (1) 70-71; (ii) to 2322100; (iii) to 2325600; (iv) to 41768; (v) रु० 41768; (ii) श्री ए० एस० गुण षेणाई स्व० श्री ए० एस० श्रीधर षेणाय के लिये, मेसेसं न्यू गुणा षेणाई कंपनी, एरणाकुलम (एख॰ यु॰एफ॰); (1) 70-71; (ii) ६० 554518-; (iii) ६० 2036440; (iv) ব০ 62640; (v) ব০ 62640; (1) 71-72; (ii) ব০ 1047774 (iii) to 2199500; (iv) to 146285; (v) 146285 (12) श्री जेंग्रिस जेंश्रेब, कोव्विन षिप्पिंग कंपनी, कोव्विन-1; (1); (i) 75-76; (ii) to 1611475; (iii) to 1617600; (iv) to 49408; (v) हर 49408; (13) श्री कें जें जोसफ़, किल्लियमलिल, पुनरणी (1); (1) 73-74; (ii) হ০ 916700; (iii) হ০ 1052100; (iv) το 16550; (v) το 13334; (i) 74-75; (ii) 884270; (iii) इ. 1084600; (iv) इ. 16924; (v) 13078; (14) श्री के टी० जोसफ, करिंबनल, कांजिरप्यली, (1) (i) 77-78; (ii) ६० 185800; (iii) ह॰ 1050100; (iv) ह॰ 15001 (v)-- (15) श्रीमती एन॰ राधा धाई, निनोद काष्यू कभीरेषन, कोल्लम, (1) (i) 75-76; (ii) ব০ 215300; (iii) 1306900; (iv) ব০ 32274; (v) ব০ 32274 (1) 76-77 (ii) रु॰ 1150200; (iii) रु॰ 1509500; (iv) 40760; (v) रु० 40760; (16) ट्रावनकोर के एच० एच० सर रामवर्मा, तिचवनंतपुरम (1) (i) 74-75; (ii) ६० 18308200; (iii) খ০ 19644650; (iv) খ০ 1590823; (v) খ০ 1590823; (17) ट्रावनकूर के कनिष्ठ राजा एच० एच० राम बर्मा, सिरुवनंतपुरम (1) (i) 70-71 (ii) to 1673400; (iii) to 1744300; (iv) ৰ**০ 25608; (V) ৰ০ 25608; (i) 74-75; (ii) ৰ০ 17**09200; (iii) ব০ 1803300; (iv) ব০ 54240; (v) ব০ 54240; (1) (i) 75-76; (ii) ব০ 1695300; (iii) 1726200; (iv) ব০ 58096; (V) ኛ 58096; (1) (76-77); (ii) ኛ 1694100; (iii) ব০ 1764100; (iv) ব০ 61128; (v) ব০ 61128; (18) श्रीमती सीतालक्ष्मी, एस० वीरैय्या रेड्यियार, के द्वारा घालप्पी:; (1) (i) 77-78; (ii) to 958870; (iii) to 1023500; (iv) to 14338; (v) इ॰ 12927/ब; (19) श्री एम॰ एम॰ सेधल, सौत इन्डिया कोरपीरेषन, म्रालप्पी, (1); (i) 77-78; (ii) रु॰ 1009398; (iii) रु॰ 1244800; (iv) 19870; (v) रु॰ 10188; (20) द्वावनकर के महारानी एच॰ एच॰ सेतु पावती बाई, तिरुवनंतपुरम; (1); (i) 67-68; (ii) হ০ 10800700; (iii) ৼ০ 10834000; (iv) ৼ০ 247850; (v) ব০ 247850; (i) 75-76 (ii) ব০ 6353000; (iii) ব০ 7351400; (iv) रु 508112; (v) रु 508112; (21) श्री सिस्वेंकिटन वी०; एस० बीरेय्य रेडिडयार, श्रालप्पी के द्वारा (1) (i) 77-78; (ii) ব০ 900400; (iii) ব০ 1078700; (iv) ব০ 15718; (V) इ० 11758; (22) श्री तोसस जेकेव० के० (सीनियर) कोव्यिन विप्पिंग कंपनी, कीच्चित-1 (1) (i) 75-76; (ii) ह० 1623410; (iii) হ০ 1643140; (iv) হ০ 51148; (v) হ০ 511448.

[फा० सं० सि० 188-की० टैक/78-79]

एम० एस० उप्णिनायर, प्रायकर प्रायुक्त, केरल

INCOME-TAX DEPARTMENT KERALA

Ernakulam, the 26th September, 1978

S.O. 3211.—The Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in public interest to publish the names and other particulars relating to the following individuals [indicated by (i)] and Hindu Undivided Family (by "HUF") who have been assessed under the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) on net wealth exceeding Rs. 10 lakhs in the Kerala Charges I & II during the financial year 1977-78. Particulars are (i) assessment year (ii) wealth returned (iii) wealth assessed (iv) tax payable and (v) tax paid.

(1) Sri K. J. Abram, Kallivayalil, Poovarani, Kottayam District (I) (i) 74-75; (ii) Rs. 756810 (iii) Rs. 1104900 (iv) Rs. 18147 (v) Rs. 18147 (i) 75-76 (ii) Rs. 1088320 (iii) Rs. 1172200 (iv) Rs. 26888 (v) 26888 (i) 76-77; (ii) Rs. 1208750 (iii) Rs. 1232600 (iv) 29304 (v) Rs. 29304 (2) Sri P. C. Abraham, Padinjarekkara, Kottayam; (I) (i) 70-71 (ii) Rs. 1027980 (iii) Rs. 1111200 (iv) Rs. 9774 (v) Rs. 9774 (d) Sri M. A. Aiit Prasad Jain Maniankode Kalpetta (7) (ii) Rs. 1027980 (iii) Rs. 1111200 (iv) Rs. 9774 (v) Rs. 9774 (3) Srl M. A. Ajit Prasad Jain, Maniankode, Kalpetta, (I) (i) 77-78 (ii) Rs. 1213971 (iii) Rs. 1195300; (iv) Rs. 18630; (v) Rs. 18630 (4) Sri M. A. Bahubalikumar, Maniankode, Kalpetta (I) (i) 76-77 (ii) 988777; (iii) 1007500 (iv) Rs. 203000 (v) 20300; (5) Smt. Devayani Amma, Jupitor Cashew Co. Quilon (I) (i) 76-77 (ii) Rs. 1935200 (iii) Rs. 2076800 (iv) 86144; (v) 86144; (6) Sri George Oommen, Junior, Thekkeveetil, Puthenkavu, Chenganoor (I); (i) 76-77 (ii) Rs. 948800; (iii) Rs. 1167200; (iv) Rs. 26688 (v) Rs. 26688; (7) George Pater Thekkeveetil, Puthenkavu, P.O. Chenganoor (I), (b) Peter, Thekkeveetil, Puthenkavu P.O., Chenganoor (I) (i) 76-77 (ii) 969600; (iii) Rs. 1220340; (iv) Rs. 27704; (v) Rs. 27704 (8) Mrs. Gladys S. Koder. 32, Church Road, Cochin-1 (I) (i) 74-75 (ii) Rs. 730276; (iii) Rs. 1204800 (iv) Rs. 14299 (v) Rs. 2790; (9) Sri Gopinathan Nair, K. Kochupilamoodu, Quilon, (1) (i) 76-77 (ii) Rs. 1483800; (iii) Rs. 1898800; (iv) Rs. 71904; (v) Rs. 71904; (10) H. H. Gouri Laxmi Bai Trivandrum; (I); (i) 68-69 (ii) Rs. 1726400; (ili) Rs. 2221700 (iv) Rs. 32543; (v) Rs. 32543; (i) 69-70; (ii) Rs. 1790570; (iii) Rs. 2309200; (iv) Rs. 41276; (v) Rs. 41276 (i) 70-71; (ii) Rs. 2322100; (iii) Rs. 2325600; (iv) 41768; (v) Rs. 41768 (11) Sri A. S. Guna Shenoy, for late Sri A. L. Sreedhara Shenoy, M/s. New Gund Shenoy Co., Ernakulam (HUF); (i) 70-71; (ii) Rs. 554518; (iii) Rs. 2036440; (iv) Rs. 62640; (v) Rs. 62640; (i) 71-72; (ii) Rs. 2036440; (iv) Rs. 62640; (v) Rs. 62640; (i) 71-72 (ii) Rs. 1047774; (iii) Rs. 2199500; (iv) Rs. 146285; (v) Rs. 1462'85 (12) Sri James Jacob, Cochin Shipping Co., Cochin-1 (I); (i) 75-76; (ii) Rs. 1611475; (iii) Rs. 1617600; (iv) Rs. 49408; (v) Rs. 49408; (13) Sri K. J. Joseph, Kallivayalil, Poovarani (I); (i) 73-74; (ii) Rs. 916700; (iii) Rs. 1052100; (iv) Rs. 16550; (v) Rs. 13334; (i) 74-75; (ii) Rs. 884270; (iii) Rs. 1064600; (iv) Rs. 16924; (v) Rs. 13078; (14) Sri K. T. Joseph, Karimbanal, Kanjirappally, (I) (i) 77-78; (ii) Rs. 185800; (iii) Rs. 1050100; (iv) Rs. 15001 (v)--- (15) Smt. N. Radha Bai, Vinod Cashew Corporation, Quilon, (I) (i) 75-76; (ii) Rs. 215300; (iii) 1306900; (iv) Rs. 32274; (v) Rs. 32274; (i) 76-77 (ii) Rs. 1150200; (iii) Rs. 1509500; (iv) Rs. 40760; (v) Rs. 40760; (16) H. H. Sir Rama Varma of Travancore, Trivandrum (1) (i) 74-75; (ii) Rs. 18308200; (iii) Rs. 19644650; (iv) Rs. 1590823; (v) Rs. 1590823; (17) H. H. Rama Varma Ist Prince of Travancore, Trivandrum (I) (i) 70-71 (ii) Rs. 1673400; (iii) Rs. 1744300; (iv) Rs. 25608; (v) Rs. 25608; (i) 74-75; (ii) Rs. 1709200; (iii) Rs. 1803300; (iv) Rs. 54240; (v) Rs. 54240; (i) 75-76; (ii) Rs 1695300; (iii) 1726200; (iv) Rs. 58096; (v) Rs. 58096; (i) 76-77; (ii) Rs. 1694100; (iii) Rs. 1764100; (iv) Rs. 61128; (v) Rs. 61128; (18) Smt. Seehtalakshmy, C/o. S. Veeraiah Reddiar Alleppey; (I) (i) 77-78; (ii) 958870; (iii) Rs. 1023500; (iv) Rg. 14338; (v) 12927 (19) Sri M. M. Seghal, South India Corporation, Alleppey; (I); (i) 77-78; (ii) Rs. 1009398; (iii) Rs. 1244800; (iv) Rs. 19,870; (v) Rs. 10188; (20) H. H. Sethu Parvathi Bai, Maharani of Travancore, Trivandrum; (I); (i) 67-68; (ii) Rs. 10800700; (iii) Rs. 10834000; (iv) Rs. 247850; (v) Rs. 247850; (i) 75-76 (ii) Rs. 6353000; (iii) Rs. 73.51,400; (iv) Rs. 508112; (v) Rs. 508112; (21) Sri Thirruvenkitan, V. C/o. S. Veeraiah Reddiar, Alleppey (I) (i) 77-78; (ii) Rs. 900400; (iii) Rs. 1078700; (iv) Rs. 15718; (v) Rs. 11758; (22) Sri Thomas Jacob, K. (Sr.) Cochin Shipping Co., Cochin-1 (I) (i) 75-76; (ii) Rs. 16,23,410; (iii) Rs. 16,43,140; (iv) Rs. 51448; (v) Rs. 51448.

[File C. No. 188. B. Tech/78-79]

M. S. UNNINAYAR, Commissioner of Income-tax,

Kerala-I

धायकर आयुक्त का कार्यालय, केरल-II

कोचीन, 18 प्रगस्त 1978,

ग्रायकर

का का 3212 मायकर मिश्रिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 287 की उप-धारा (i) और भारत सरकार, विस्त मंत्रालय (राजस्व तथा बीमा विभाग) के मार्तेण एफ 683/108/69-ऐ 69-ऐ 61), दिनांक 26-12-1970 के मनुसरण में, मैं एतद्व्वारा ऐसे करवाताओं का नाम प्रकाणन करता हूं जिनसे विस्तीय वर्ष 1977-78 में एक लाख रुपये से मिश्रिक देंय कर बट्टे खाते में लिखे गये हैं। करवाताओं का नाम संलग्न धनुसूबी I में विया गया है।

मनुसूची-I

ऐसे करदाताओं का नाम, जिनसे केरल प्रभार-II में, विस्तीय वर्ष 1977-78 में एक लाख रुपये से मिश्रिक दैयकर बट्टे खाते में लिखे गये हैं।

| कम करदाताका पद सं∘ नामतथापता | निर्धारण वर्ष | बट्टे खाते में डालीं हुई रकम | द्यपनेखन का कारण संश्रेप में |
|---------------------------------|---------------|------------------------------------|------------------------------------|
| 1. मेसेसं सतेण व्यक्तियों का | 1964-65 | Ęο | करवाता के |
| बीप सी फिशिंग संगम (को- | से 1967- | 276802 | विष्य कार- |
| को-भापरेटिव भापरेटीव | 68 तक | | वाई करने, |
| सोसेटी लिमि- सोसेटी) | | | इनके पास |
| टे न, मं० ६ -30] | | | कोई चल या |
| कोचीन-2 | | | भवल सम्पत्ति |
| | | | नहीं है) |

टिप्पणी:— "एक व्यक्ति से प्राप्य कर बट्टे खाते में डाला गया है, इसका धर्म सिर्फ यह है कि ग्रायकर विभाग की राय में इस प्रकाशन की तारीख तक करवाताओं के विदित ग्रास्तियों से बसूल नहीं किया जा सकता है। प्रकाशन से यह ग्राथय नहीं है कि कानून के ग्रनुसार यह रक्ष्म ग्राशोध्य है या करवाता उक्त रक्षम खुकाने के उत्तरवायिस्य से उनमुक्त किया गया है।"

[सी० सं० 42/टी०न्नार०/74-75] सी० जे० चाक्को, न्नायकर मायुक्त, केरल-II

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX, KERALA-II

Cochin, the 18th August, 1978

INCOME TAX

S.O. 3212.—In pursuance of sub section(1) of section 287 of the Income Tax Act, 1961(43 of 1961) and in pursuance of order F.NO 83/108/69-IT(B) dt: 26th December, 1970 of the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance), Government of India, I hereby publish the names of assessees in whose case tax dues exceeding Rs. 1 lakh have been written off during the financial year 1977-78 as per Schedule I appended hereto:—

SCHEDULE I Names of Assessees in Whose Cases Tax Dues Over Rs. 1 lakh Have been written off durin the Year 1977-78 in Kerala Charge-II

| SI. No. | Name & address of the assessee | Status | Asst. year | The amounts written off | Brief reasons for write off |
|------------|--|---|----------------|-------------------------|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| | s. Southern Deep Sea Fishing Co-operative Society Ltd., p. E-30, Cochin-2. | Association of persons (Co-operative Society) | 64-65 to 67-68 | Rs. 276802 | The assessee owns neither any movable nor any immov able property to be proceeded against. |

Note:— The statement that the tax due from a person has been written off only means that in the opinion of the Income Tax Department it cannot on the date of publication be realised from the known assets of the assessee. The publication does not imply that the amount is irrecoverable in law or that the assessee is discharged from his liability to pay the amount in question.

[C. No. 42 (TR)/74-75]

(सीमा शुरुक एंव केश्वीय उत्पादन शुरुक समाहर्तालय)

महमदाबाद, 31 जुलाई, 1978

का० धा० 3213.—सीमा शुस्क प्रधिनयम 1962 की धारा 8 द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, के० श्रीनिशासन, समाहतीं, सीमा शुस्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुस्क, ग्रहमदाबाद, गुजरात राज्य के पोरबन्दर बन्दरगाह के इसके साथ संजग्न सारणी में बताए गए स्थानों को जहाज पर माल लादने श्रीर उतारने के स्थानों के रूप में धनुमोदन करता हूं श्रीर उक्त सारणी में बताए गए धनुसार उनकी सीमाएं निर्धारित करता हूं।

| . • | | | सारखी | |
|----------------------|-----------------|--------------------------------|--------------------------------------|--|
| ऋम ब न सं० | दरगाह का नाम | माल उतरने का स्थान | क्षेत्र | सीमाएं |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| ा. पोरु | बन्दर | गहरा जल अन्दरगाह | 8.5मी० घौ 8 मी० ×8.5मी० | उत्तर: समृद्ध (बन्दरगाह र तरफ) पूर्व:यथोपरि दक्षिण: ब्रेक बाटर संरचना से घिरा समृद्ध पश्चिम: ब्रेक बाटर संरचना के 'ली' की तरफ भाल रखने का खुला |
| 2. पोर | ब न्द र | माल रखने का खुला स्थान । | 202 मी० × 100 मी० | उत्तर: ब्रेकनाटर संरचना पूर्व: लंगरगाह दक्षिण: ब्रेकनाटर संरचना से घिरा समुन्द्र पश्चिम: ब्रेकवाटर संरचना |
| 3. पोर | ान्दर | | 31.70 मी∘ × 1524 मी∘ | उत्तरः समुन्त्र पूर्वः खुला समुन्द्र विभागः समुन्द्र पश्चिम ब्रेकजाटर रोड |
| | | | | [सीमाशस्क : 5/1978] |

[सीमाशुस्क : 5/1978] के० श्रीनिबासन, समाहता

(Customs & Central Excise Collectorate)

Ahmedabad, 31st July, 1978

S. O. 3213.—In exercise of the powers conferred by Section 8 of the Customs Act, 1972, I, K. Srinivasan, Collector of Customs & Central Excise, Ahmedabad approve the places described in the table annexed hereto as places for landing and shipment of goods at the Port of porbandar in the state of Gujarat and specify the limits thereof as stated in the table.

TABLE

| Sr. N No. | lame of Port | Landii place | ng Area | Limits |
|--------------|-----------------|-------------------------|--|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. Po | rbandar | Deep Water Berth, | 237 mt. X 8.5 nt. and preabet- ment of 8 mt. X 8.5 mt. | North: Sea (Harbour-Side). East: Sea (Harbour-Side). South: Sea. bounded by break water structure. West: Open stacking area on lee side of Break water structure. |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|----|------------|--|-----------------------------|---|
| 2. | Porbandar, | Open- stacking Area. | 202 mt. X 100 mt. | North : Breakwater structure. East : Berth. |
| | | Tilca. | | South: Sea bounded by break water struc- ture. |
| | | | | West: Break water structure. |
| 3, | Porbandar. | Jetty on Break water site on lee of the Break water. | 31.70 mt. X 15.24 mt. | North: Sea. East: Open Sea. South: Open Sea. West: Break water road. |

[Custom: 3/1978]. K. SRINIVASAN, Collector.

(सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुरक समाहर्ती का कार्यालय : बंलीर)

बंगलीर, 5, प्रस्तुबर, 1978

सीमाशुल्क

का० था। 3214.—सीमाशुल्क प्रधिनियम 1962 की धारा (1962 का 52) 9 द्वारा प्रवत्त तथा भारत सरकार, वित्त मन्त्रालय की तारीख, 18 जुलाई, 1975 की प्रधिसुचना संख्या 79/सीमाशुल्क फा० सं 473/2/75 सीमाशुल्क—VII द्वारा प्रत्यायोजित शक्तियों का प्रयोग करते हुए में आर० एन० शुक्ला, समाहर्ता सीमाशुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क बंगलीर कर्नाटक समाहर्तालय, एसद्दारा कर्नाटक राज्य के धारवाड जिले के रानेबेन्नूर तालुक का 'करूर प्राम' को 'भांडागार केन्द्र' घोषित करता हैं।

[प्रधिसूचना संख्या 4/78/सी० सं०-TIII 40/2/78 सीमागुल्क] प्रार० एन० गुक्ला, समाहर्सी

(Office of the Collector of Central Excise, Bangalore) Bangalore, the 5th October, 1978

CUSTOMS

S.O. 3214.—In exercise of the powers conferred by section 9 of the Customs Act, 1962, (52 of 1962), read with Notification No. 79/Customs/F. No. 473/2/75 Cus. VII dated 18-7-1975 of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue). I, R. N. Shukla, Collector of Customs and Central Excise, Bangalore, Karnataka Collectorate hereby declare "Karur Village" of Ranebennur Taluk, Dharwar District, in the State of Karnataka, to be a warehousing station.

R. N. SHUKLA, Collector [Notification No. 4/78/C. No. 1JII/40/2/78 Cus.]

वाणिज्य नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रासय

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 1978

का० धार..... — केन्द्रीय सरकार निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण भौर निरोक्षण) भिवनियम, 1963(1963 का 22) की आरा 7 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतवृद्वारा खनिज तथा लवण के निरीक्षण के लिए मैं वेशी एण्ड फंव, 112/1-ए-11 कास मालेशवरम्, बैंगलूर-3 को एक वर्ष की भवधि के लिए प्रशिकरण के रूप में मान्यता वेती है।

[सं॰ 5(2)/78 नि॰ नि॰ तथा नि॰ उ॰]

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

New Delhi, the 11th November, 1978

S.O. 3215.—In exercise of the powers conferred by Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government hereby recognises for a period of one year M/s. Devi & Co., 12/1-A, 11th Cross Malleswaram, Bangalore-3 as an agency for the inspection of Minerals and Ores.

(No. 5(2)/78-EI&EP1

का॰ आ॰ 3216.—केन्द्रीय सरकार निर्मात (क्वालिटी निर्मातण और निरोक्षण) भिक्षिनियम, 1963 (1963 का 22) की भारा 7 द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा खिनज तथा ध्रयस्क के निरोक्षण के लिए मैं० जनरल इन्सपेक्शन एण्ड सर्वे कं० (इण्डिया) प्रा० लि॰ 8/1 सी, बायमण्ड हारबर रोड, कलकत्ता-700027 को ध्रभिकरण के रूप में मान्यता देती है।

[सं॰ 5(8)/76-नि॰ नि॰ तथा नि॰ उ०]

S.O. 3216.—In exercise of the powers conferred by Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1962) the Central Government hereby recognises for a period of one year M/s. General Inspection and Survey Co. (India) Pvt. Ltd., 8/1C, Diamond Harbour Road, Calcutta-700027 as an agency for the inspection of Minerals and Ores.

[No. 5(8)/76-EI&EP]

मादेश

भई विएली, 11 नवम्बर, 1978

का० घा० 3217.— केन्द्रीय सरकार की राय है, कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक तथा समीचीन है, कि निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण तथा निरीक्षण) घिधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, घगव-सज्जा और जीनसाजी के सामान को निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंक्षण धौर निरीक्षण के घिन किया जाए;

भौर केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्विष्ट प्रस्ताय तैयार किए हैं तथा उन्हें निर्मात (क्वालिटी नियंद्रण भौर निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप-नियम (2) की भपेक्षानुसार निर्मात निरीक्षण परिषद् को भेज विया है;

भतः, भव केन्द्रीय सरकार, उक्त उप-नियम के भ्रनुसरण में, उक्त प्रस्तायों को, उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है;

2. सूचना की जाती है यदि कोई व्यक्ति उक्त प्रस्तायों के बारे में कोई झाक्षेप या सुझाय देना चाहे तो वह उन्हें इस झावेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से पैतालीस विनों के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद् 'वरूढे ट्रेड सेन्टर' 14/1-बी, एजरा स्ट्रीट (झाठवीं संजिल) कलकत्ता-709001 को मेज सकेगा।

प्रस्ताव :

- (1) यह प्रधिस्चित करना कि प्रश्व-सङ्जा घोर जीनसाजी का सामान निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण तथा निरीक्षण के प्रधीन होगा;
- (2) इस ध्रावेश के उपाबंध 1 में दिए गए प्रश्व-सज्जा भीर जीन-साजी के सामान के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1978 के प्रारूप के ध्रमु-सार निरीक्षण के प्रकार को क्यालटी नियंत्रण तथा निरीक्षण के ऐसे प्रकार के रूप में विनिर्विष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसे भ्राश्व-सज्जा धौर जीनासाजी के सामान को लागू किया जाएगा;
- (3) निर्यात संविदा में अनुबन्धित विनिर्देशों या केता द्वारा अनुमोवित नमूनों को, यथास्थिति, निर्यातकर्ता द्वारा की गई घोषणा के अनुसार मान्यता वेना:
- (4) धन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के बौरान ध्राय-सज्जा और जीनसाजी के सामान के निर्यात को तब तक प्रतिधिद्ध करना जब तक कि उसके साथ निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण तथा निरीक्षण) घ्रिधिनयम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के ध्रधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापित निर्यात निरीक्षण भ्रमिकरणों में से किसी एक द्वारा विया गया इस ग्राणय का प्रमाण-पन्न न हो कि ध्रायत-सज्जा धौर जीनसाओं के ऐसे सामान का परेषण इस लागू मानक विनिर्देशों के ध्रनुख्य है धौर निर्यात योग्य है।
- इस झापेश में श्रश्य-मज्जा और जीनसाजी के सामान से सभी प्रकार के श्रश्य-मज्जा और जीनसाजी के सामान श्रभिप्रेत हैं।
- 3. इस श्रादेश की कोई बात भावी केताओं को यल, जल या वायु मार्ग द्वारा श्रश्व-सज्जा श्रौर जीनसाजी के सामान के उन नमूनों के निर्मात को लागू नहीं होगी जिसका पोत-पर्यन्त निःशुल्क मूख्य 125 रपए से श्रधिक नहीं हो।

उपाबन्ध- 1

निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) प्रक्षिनियम, 1963 की घारा 17 के भक्षीन बनाए जाने वाले प्रस्तावित नियमों का प्रारूप संक्षिप्त नाम संधा प्रारम्भ:

- (1) इन नियमों का नाम श्रम्थ-सज्जा भौर जीनसाजी के समान का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण भौर निरीक्षण) नियम, 1978 है।
 - (2) में को प्रवृत्त होंगे।
- 2. परिभाषाएँ :--इन नियमों में, जब तक कि संवर्ष से अन्यवा अपेक्षित न हो--
- (क) "प्रधिनियम" से निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) प्रधिनियम, 1963 (1963 का 22) प्रभिन्नेत हैं;
- (ख) "ग्रभिकरण" से निर्यात (श्वालिटी नियंत्रण भीर निरीक्षण) ग्राधिनियम, 1963 (1963 का 22) भी धारा 7 के ग्राधीन मुस्बई, कलकत्ता, कोचीन, दिल्ली भीर महास में केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापित निर्यात निरीक्षण ग्रभिकरणों में से कोई एक ग्रभिकरण ग्रभिन्नेत है।
- (ग) "प्रश्व-सज्जा ग्रीर जीनसाजी के सामान" से सभी प्रकार के भाष्य-सज्जा ग्रीर जीनसाजी के सामान श्रीमप्रेत हैं।
- 3. निरीक्षण का श्राधार :-- प्रश्व-सण्जा धौर जीनसाजी के सामान निरीक्षण यह देखने के विचार से किया जाएगा कि वे निर्यात-कर्ता द्वारा निर्यात संविदा में धनुवंधित विनिर्देशों या यथास्थिति केता द्वारा धनुमोदित नमूनों के धनुक्ष्य हैं।

- (2) यदि निर्यात संविदा में प्रनुवद्ध विनिर्देश केता द्वारा धनुमोदि नमूने के रूप में है तो निर्यात-कर्ता तदनुसार धनुमोदित नमूने तथा उसकी विशेषताओं सहित एक घोषणा पन्न धिकरण को देगा।
- (3) उप-नियम (1) के प्रधीन प्रत्येक सूचना या उपनियम (2) के प्रधीन घोषित नमूना पोतलवान की प्रनुमानित नारीख से कम से कम सात दिन पहले दिया जाएगा।
- (4) उपनियम (3) में निर्दिष्ट सूचना तथा घोषणा प्राप्त होने पर प्रशिकरण, इस संबंध में निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों के प्रमुशार प्रश्व-सण्जा और जीनसाजी के सामान के परेषण का निरीक्षण यह देखने के विचार से करेगा कि वह उक्त नियम ा में निर्विष्ट विनिर्देशों के प्रमुख्य है। निर्यात-कर्ता प्रभिकरण को समस्त प्रावश्यक सुविधाएं देगा जिससे यह ऐसा निरीक्षण कर सके।
- (5) निरीक्षण की समाप्ति के पत्र्वात् यदि प्रशिकरण का समाधान ही जाता है कि निर्यात किए जाने वाले प्राय-सज्जा ग्रीर जीनसाजी के समान का परेषण नियम 3 की ग्रंपेकाशों के भनुरूप है तो वह अथास्थित, उपनियम (3) के ग्रंप्तीन विनिर्देशों की सूचना तथा घोषणा या प्रनुमोदिस नमूना प्राप्त होने के सात दिनों के भीतर, परेषण को निर्यात योग्य दोषित करते हुए निर्यात-कर्ता की प्रमाण-पत्न जारी कर देगा।

परन्तु जहां प्रभिकरण का इस प्रकार का समाधान नहीं होता वहां वह उक्त सात दिनों की प्रविध के भीतर ऐसा प्रमाण-पन्न देने से इंकार कर देगा तथा ऐसे इंकार की सूचना कारण बताते हुए लिखित रूप में निर्यातकर्ता को देगा।

- 5. निरीक्षण का स्थान :— इन नियमों के प्रयोजन के लिए ध्रयत-सज्जा भीर जीनसाजी के सामान का निरीक्षण या तो (क) विनिर्माता के परिसर पर या (ख) निर्यात-कर्ता के उन परिसरों पर किया जाएगा जहाँ इस प्रयोजन के लिए पर्याप्त मुशिधाएं विद्यमान हों।
- 6. निरीक्षण फीस :—-प्रत्येक परेषण के लिए पनास रुपए की न्युनतम सीमा में रहते हुए पोत पर्यन्त निः शुल्क मूर्य के प्रत्येक से रुपए या उसके मंश के लिए एक रुपए की दर से फीस निरीक्षण फीस के रूप में निर्यात-कर्ती द्वारा अधिकरण को दी जाएगी।
- 7. भ्रापील: (1) नियम 4 के उपनियम (5) के प्रधीन प्रिमिकरण द्वारा प्रमाण-पक्ष देने के इंकार से व्यक्ति कीई व्यक्ति उसके द्वारा ऐसे इंकार की सूचना प्राप्त होने के दस बिन के भीतर इस प्रयोजन के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त ऐसे विशेषकों के पैनल को भ्रापील कर सकेगा जिसमें कम से कम तीन और भ्राधिक से प्रधिक सात विशेषका होंगे।
- (2) पैनल में निशोषजों के पैनल की कुल सदस्य संख्या के कम से कम यो-तिहाई सदस्य गैर-सरकारी होंगे।
 - (4) पैनल की गणपूर्ति तीन की होगी।
 - (4) अपील प्राप्त होने के परदृह विनों के भीतर निपटा दी जाएगी।
 - (5) ऐसी धपील पर वैनल का निर्णय प्रन्तिम होगा।

[सं० 6(5) 78-निब्निब्तया निब्जिं। सीव्योज मुकरेती, संयुक्त निवेशक ।

ORDER

New Delhi, the 11th November, 1978

S.O. 3217.—Whereas the Central Government of opinion that it is necessary or expedient so to do for the development of the export trade of India, that in exercise of the powers conferred by Section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), harness and saddlery goods should be subject to quality control and inspection prior to export.

And whereas the Central Government has formulated certain proposals specified below for the said purpose and has

forwarded the same to the Export Inspection Council, as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964.

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government, hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date of publication of this Order in the Official Gazette to the Export Inspection Council, World Trade Centre, 14/1B, Ezra Street, (7th floor), Calcutta-700001.

PROPOSALS:

- 1. (1) To notify that harness and saddlery goods shall be subject to quality control and inspection prior to export;
- (2) To specify the type of inspection in accordance with the draft Export of Harness and Saddlery Goods (Inspection) Rules, 1976 set out in Annexure-I to this Order, as the type of quality control and inspection which shall be applied to such harness and saddlery goods prior to export;
- (3) To recognise the specifications as stipulated in the Export contract or the sample approved by the buyer, as the case may be, as declared by the Exporter;
- (4) To prohibit the export in the course of international trade of such harness and saddlery goods unless the same are accompanied by a certificate issued by one of the Export Inspection Agencies established by the Central Government under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) to the effect that the consignment of such harness and saddlery goods conforms to standard specifications applicable to it and it exportworthy.
- 2. In this Order, "harness and saddlery goods" mean all types of harness and saddlery goods.
- 3. Nothing in this Order shall apply to export by land, sea, or air of samples of harness and saddlery goods to the prospective buyers, the value of which does not exceed Rupees one hundred and twenty five in F.O.B. value.

ANNEXURE-I

Draft rules proposed to be made under section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963.

- 1. Short title and commencement: (1) These rules may be called the Export of Harness and Saddlery Goods (Quality Control and Inspection) Rules, 1978.
 - (2) They shall come into force on —
- 2. Definitions—In these rules, the context otherwise requires,—
 - (a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).
 - (b) "agency" means any one of the Export Inspection Agencies established by the Central Government at Bombay, Calcutta, Cochin, Delhi and Madras under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).
 - (c) "harness and saddlery goods" means all types of harness and saddlery goods.
- 3. Basis of Inspection—Inspection of harness and saddlery goods shall be carried out with a view to seeing that the same conform to the specifications stipulated in the export contract or the sample approved by the buyer, as the case may be, as declared by the exporter.
- 4. Procedure of Inspection: (1) An exporter intending to export harness and saddlery goods shall give intimation, in writing, of his intention to do so in the prescribed proforma and submit alongwith such intimation a declaration of the specifications stipulated in the export contract relating to such export, to any one of the agencies to enable it to carry out the inspection in accordance with rule 3.

- (2) In case the specifications stipulated in the export contract are in the form of a sample approved by the buyer, the exporter shall submit accordingly a declaration alongwith the approved sample and its characteristics to the agency.
- (3) Every intimation under sub-rule (1) or the sample declared under sub-rule (2) shall be submitted not less than seven days before the expected date of shipment.
- (4) On receipt of intimation and declaration referred to in sub-rule (3) the agency shall inspect the consignment of harness and saddlery goods as per the instructions issued by the Export Inspection Council from time to time, with a view to seeing that the same conforms to the specifications referred to in rule 3 above. The exporter shall provide all necessary facilities to the agency to enable it to carry out such inspection.
- (5) If, after inspection, the agency is satisfied that the consignment of harness and saddlery goods to be exported complies with the requirements of rule 3, it shall within seven days of the receipt of the intimation and declaration of the specifications or the approved sample, as the case may be, under sub-rule (3), issue a certificate to the exporter declaring the consignment as exportworthy.

Provided that where the agency is not so satisfied, it shall within the said period of seven days, refuse to issue such certificate and communicate such refusal in writing to the exporter stating the reasons therefor.

- 5. Place of Inspection.—Inspection of harness and saddlery goods for the purpose of this rule shall be carried out either (a) at the premises of the manufacturer, or (b) at the premises of the exporter provided adequate facilities for the purpose exist therein.
- 6. Inspection Fee.—Subject to a minimum of rupees fifty for each consignment, a fee at the rate of one rupee for every one hundred rupees or a fraction thereof of the F.O.B. value shall be paid by the exporter to the agency as inspection fee.
- 7. Appeal.—(1) Any person aggrieved by the refusal of the agency to issue a certificate under sub-rule (5) of rule 4 may within ten days of the receipt of the communication of such refusal by him prefer an appeal to a Panel of Experts consisting of not less than three but not more than seven persons, as may be appointed for the purpose by the Central Government.
- (2) At least two-thirds of the total membership of the Panel of Experts shall consist of non-officials,
 - (3) The quorum for the panel shall be three.
- (4) The appeal shall be disposed of within fifteen days of the receipt.
- . (5) The decision of the panel on such appeal shall be

[No. 6(5)/78-EI&EP]

C. B. KUKRETI, Jt. Director

(काफी नियम्बण)

मर्च बिस्सी, 30 अस्तुबर, 1978

कार थार 3218.—काफी तियम 1942 (1942 का 7) की धारा 9 की उपधारा (1) के मन्तर्गत केन्द्रीय सरकार ने श्री एस० एस० मीनाक्षी कुन्दरम, शाई० ए० एस० की, श्री बी० कृष्णामूर्ति के स्थान पर, जो श्रक्षिबंधिता पर सैवा निवृत्त हो गये, 30 जून, 1978 के प्रपराह्न से काफी बार्ब, बंगलौर में मुख्य काफी विषयान सक्षिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

[फा॰ सं॰ १ (13) / 78- प्लाट (बी)]

श्रीमती कोमल भानन्व उपसचिव।

(Coffee Control)

New Delhi, the 30th October, 1978

s.O. 3218.—In exercise of the powers conferred under sub-section (1) of section 9 of the Coffee Act, 1942 (7 of 1942) the Central Government has appointed Shri S. S. Meenakshi Sundaram, I.A.S., as the Chief Coffee Marketing Officer, Coffee Board, Bangalore, with effect from the afternoon of the 30th June 1978, vice Shri B. Krishnamurthy, who retired on superannuation.

[F. No. 9(13)78-Plant(B)]

MRS. KOMAL ANAND, Dy. Secy.

(मागरिक पूर्ति भौर सहकारिता विभाग)

नयी विरुली, 13 प्रक्तूबर, 1978

कां बा 3219.—के द्वीय सरकार, प्रश्निम संविवा (विनियमन) प्रधिनियम 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के प्रधीन कानपुर कमोडिटी एक्सवेंज लिं , कानपुर द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए धानेवन पर वायवा बाजार प्रायोग के परामर्थ से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, एतद्दारा उक्त प्रधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रवक्त पाकितयों का प्रयोग करते हुए उक्त एक्सवेंज को मलसी की प्रश्निम संविवाओं के बारे में, 27 नवम्बर, 1978 से 26 नवम्बर, 1979 तक (जिसमें ये बोनों विन भी सम्मिलत हैं) की एक वर्ष की प्रतिरिक्त कालावधि के लिए मान्यता प्रवान करती है।

2. एतद्कारा प्रदत्त भान्यता इस शर्त के ध्रधीन है कि उक्त एक्सचेंज ऐसे निदेशों का ध्रनुपालन करेगा जो वायवा बाजार ध्रायोग द्वारा समय-समय पर विए जाएं।

[फा॰ सं॰ 12(16)-माई॰टी॰/78]

के० एस० मैध्यू, उप सचिव

(Department of Civil Supplies and Cooperation)

New Delhi, the 13th October, 1978

- S.O. 3219.—The Central Government, having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act 1952 (74 of 1952) by the Kanpur Commodity Exchange Ltd., Kanpur, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Exchange for a further period of one year from the 27th November, 1978 to the 26th November, 1979 both days inclusive, in respect of forward contracts in linseed.
- 2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(16)-IT/78]

K. S. MATHEW, Dy. Secy.

नारतीय नानक संस्था

नई दिल्ली, 13 शक्तूबर, 1978

का॰ आ॰ 3220. — समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार मानक संस्था द्वारा अधिलूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या सीएम/एल-6817 जिसके न्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, फर्म के अपने अनुरोध पर विनांक 3 जुन 1978 से रह करविया गया है।

| | | | धनु श्चा | |
|--------------|------------------------------|---|---|---|
| कम संख्या | लाइसेंस संख्या ग्रीर तिथि | लाइसेंसघारी का नाम भौर पता | रह किए हुए लाइसेंस के ग्रधीन वस्तु/प्रक्रिया | तत्सम्बन्धी भारतीय मामक |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
| | म/एस-6817 ≀8-02-28 | सर्वश्री एपीजे स्टील्स प्रा० लि०, सम्मुख कन्या महाविद्यालय,टाँडा रोड़,जलंघर शहर (पंजाब) | लड़दार एलुमिनियम चालक झौर एलुमिनियम चालक जस्तीकृत इस- प्रवक्षित | IS: 398 (भाग 1)—1976 भिरोपरि पावर प्रेषण कार्यों के लिए एलुमिनियम चालकों की विशिष्ट; भाग 1 सब्बार एलुमिनियम चालक (दूसरापुनरीक्षण) 15: 398 (भाग 2)—1976 भिरोपरि पावर प्रेषण कार्यों के लिए एलुमिनियम चालकों की विशिष्टि; भाग 2 अस्तीकृत इस्पालप्रविलत (दूसरापुनरीक्षण) |

[संख्या सीएमबी/55: 6817] बाई ० एस ० वेंकटेश्वरम्, महानिवेधक

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 13th October, 1978

S.O. 3220.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that Licence No. CM/L-6817 particulars of which are given below has been cancelled with effect from 3 June 1978 at the firm's request.

SCHEDULE

| Si. No. | Licence No. and Date | Name & Address of the Licensec | Article/Process Covered by the Licensees Cancelled | Relevant Indian Standards |
|------------|----------------------|---|--|--|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
| 1. C | M/L-6817 1978-02-28 | M/s. Apeejay Steels Pvt. Ltd., Opposite Kanya Maha Vidya- laya, Tanda Road, Jullundur City (Punjab). | Aluminium stranded conductors and aluminium conductors galvanized steel reinforced | IS: 398 (Part I)-1976 Specification for aluminium conductors for overhead transmission purposes: Part I-Aluminium stranded conductors (Second Revision) IS: 398 (Part II)—1976 Specification for aluminium conductors for overhead transmission purposes: Part II Aluminium conductors, galvanized steel reinforced (Second Revision) |

[CMD/55: 6817]

| पेष्ट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय | 1 | 2 | 3 | 4 | |
|--|---------|-------------|---|----|----|
| (पेट्रोलियम विभाग) | | 156 | 0 | 08 | 00 |
| नई दिल्ली, 20 सन्तूबर, 1978 | | 154 | 0 | 14 | 40 |
| • | | 153 | 0 | 00 | 10 |
| भावमा 2421.—यतः पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार | | 152 | 0 | 14 | 40 |
| का मर्जन) मधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा | | 150 | 0 | 12 | 80 |
| (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम रसायन और उर्वरक मंत्रालय | | 176/5 | 0 | 19 | 48 |
| (पेट्रोलियम विभाग) की मधिसूचना का० मा० सं० 1142 तारीख 22-4-78 | | 176/2 | 0 | 00 | 10 |
| क्षारा केन्द्रीय सरकार ने उस भ्रधिसूचना से संलग्न भ्रनुसूची में विनिर्विष्ट | | 176/6 | 0 | 05 | 60 |
| भूमियों के उपयोग के भ्रधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के प्रयोजन | | 175/2 | 0 | 16 | 48 |
| के लिए मर्जित करने का मपना माशय घोषित कर दिया या। | | 179 | 0 | 11 | 20 |
| और यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है। | | 182 | 0 | 38 | 72 |
| और ग्रागे, यतः केन्द्रीय सरकार नै उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के | वालवांश | 19 | 0 | 17 | 92 |
| परचात् इस ग्राधिसूचना से संलग्न ग्रनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग | | 20/1 | O | 00 | 32 |
| का मधिकार मजित करने का विनिश्चय किया है। | | 20/2 | 0 | 05 | 62 |
| • | | 20/3 | 0 | 05 | 62 |
| मन, प्रतः उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा | | 21 | 0 | 18 | 72 |
| प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतवृद्धारा घोषित करती | | 69 6 | 0 | 11 | 20 |
| है कि इस प्रश्निमूचना से संलग्न प्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में | | 695 | 0 | 14 | 88 |
| जपयोग का मधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतवृद्वारा मजित किया जाता है। | | 694 | 0 | 02 | 72 |
| भाजत किया जाता हु। | | 691 | 0 | 05 | 12 |

[12020/9/76-मी०]

17

0

92

धनुसूची

और, मार्ग उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का

प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेश वेती हैं कि उक्त भूमियों में उपयोग का ग्राधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाए भारतीय तेल निगम

लि॰ में सभी संबक्तों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस

तारीच को निहित होगा।

| तालुका : सिद्धपुर | जिला : महसाणा | | गुजरात | राज्य |
|-------------------|---------------|----|--------|---------------------------|
| गोब | सर्वेद्धण सं० | ₹° | भारे | क्षेत्रफल वर्ग मीटर |
| फनेसरा . | . 275 | 0 | 03 | 68 |
| | 232/1 | 0 | 15 | 20 |
| | 231 | 0 | 17 | 12 |
| | 232 | 0 | 02 | 40 |
| | 235 | 0 | 22 | 72 |
| | 236/1 | 0 | 09 | 60 |
| | 225/3 | 0 | 04 | 32 |
| | 225/4 | 0 | 14 | 08 |
| | 225/2 | 0 | 0.3 | 52 |
| | 237/3 | 0 | 00 | 20 |
| | 224 | 0 | 10 | 72 |
| | 223/1 | 0 | 03 | 36 |
| | 223 | 0 | 0.0 | 96 |
| | 217 | 0 | 03 | 20 |
| | 218 | 0 | 13 | 92 |
| | 221 | 0 | 15 | 5 2 |
| खली . | . 127 | 0 | 08 | 80 |
| | 158 | 0 | 04 | 3 2 |
| | 157 | 0 | 12 | 80 |
| | 159 | 0 | 02 | 56 |

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS

690

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 20th October, 1978

S.O. 3221.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S. O. 1142 Dated 22-4-78 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines:

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has after considering the said report decided to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the Right of User in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines:

And further in exercise of the power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the Right of User in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on the date of the publication of this declaration in the Indian Oil Corporation Limited free from all encumberances.

| | SCHEDULE | | | |
|------------------|----------------|--------|----------------|-----------|
| Taluka : Sidhpur | District: M | chsana | Gujar Stato | at |
| Village | Survey No. | Н. | Extent A. | Sq. M. |
| Kanesara | 275 | 0 | 03 | 68 |
| | 232/1 | 0 | 15 | 20 |
| | 231 | 0 | 17 | 12 |
| | 232 | 0 | 02 | 40 |
| | 235 | 0 | 22 | 72 |
| | 236/1 225/3 | 0 | 09 04 | 60 32 |
| | 225/4 | 0 | 14 | 08 |
| | 225/2 | 0 | 03 | 52 |
| | 237/3 | 0 | 00 | 20 |
| | 224 | 0 | 10 | 72 |
| | 223/1 | 0 | 03 | 36 |
| | 223 | 0 | 00 | 96 |
| | 217 | 0 | 03 | 20 |
| | 218 | 0 | 13 | 92 |
| | 221 | 0 | 15 | 52 |
| Khali | 127 | 0 | 08 | 80 |
| | 158 | 0 | 04 | 32 |
| | 157 | 0 | 12 | 80 |
| | 159 | 0 | 02 | 56 |
| | 156 | 0 | 08 | 00 |
| | 154 | 0 | 14 | 40 |
| | 153 | 0 | 00 | 10 |
| | 152 | 0 | 14 | 40 |
| | 150 | 0 | 12 | 80 |
| | 176/5 | 0 | 19 | 48 |
| | 176/2 | 0 | 00 | 10 |
| | 176/6 | 0 | 05 | 60 |
| | 175/2 | 0 | 16 | 48 |
| | 179 | 0 | 11 | 20 |
| | 182 | 0 | 38 | 72 |
| Kholvada | 19 | 0 | 17 | 92 |
| iknoivada | 20/1 | 0 | 00 | 32 |
| | 20/2 | 0 | 05 | 62 |
| | 20/3 | 0 | 05 | 62 |
| | 21 | 0 | 18 | 72 |
| | 696 | 0 | 11 | 20 |
| | 695 | 0 | 14 | 88 |
| | 694 | 0 | 02 | 72 |
| | 691 | 0 | 05 | 12 |
| | 690 | 0 | 17 | 92 |
| | UZU | v | 17 | 74 |

[No. 12020/9/76-Prod.]

मई दिल्ली, 25 ग्रन्तुबर, 78

का० वा० 3222.—यतः पेट्रोलियम घीर खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के घोषकार घर्जन) धोधनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के घोधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंझालय (पेट्रोलियम) विभाग की घोधमुखना का० बा० सं० 1394 तारीख

18-4-77 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस धिधसूचना से संलग्न धनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों की बिछाने के प्रयोजन के लिए धर्जित करने का अपना आगय घोषित कर दिया था।

श्रीर यतः सक्षम प्राधिकारी के उंक्त श्राधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपार्ट देवी हैं।

ष्मीर भ्रागे, यतः केन्द्रीय सरकार के उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस भ्रष्ठिसूचना में संलग्न अनुसूची में विभिद्धिष्ट भूमियो में उपयोग का श्रष्ठिकार भ्रोजत करने का विनिष्चयां किया है।

श्रव, श्रतः उपत अधिनियम की धारों 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते द्वुए केन्द्रीय संरकार एतव्द्वारा घोषित करती हैं कि इस श्रिधसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिदिष्ट उनत भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विस्तान के प्रयोजन के लिये एतद्वारा श्रीजत किया जाता है।

भीर भागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल भीर प्राकृतिक गैस भ्रायोग में, सभी संबंहों से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस सारीख की निहित, होगा।

ब्रम्सूचा कूप नं०ए०एन० के०-Q से सी० जी०एस० - V

| राज्यगु | ,गराल | ાળભા | - मरुज तालुका | अकलक्षर | | |
|---------|-------|------|---------------|-------------|-----|------------|
| सरथाण | | | 143/3 | 0 | 0.5 | 20 |
| | | | 142/2/ए | . 0 | 07 | 80 |
| | | | | | | <u>:</u> _ |

[सं॰ 12016/3/77-प्री]

New Delhi, the 25th October, 1978

S.O. 3222.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer, S.O. No. 1394 dated 18-4-1977 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report decided to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the Right of User in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquire for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the Right of User in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Acquisition of right of user for laying pipeline from well No. ANK-Q to GGS-V

| State: Gujarat | District : Broach | Taluka : Ankleshvar | | |
|----------------|--------------------|-----------------------------|--|--|
| Village | Survey No. | Hec- Are Cen- tare tiare | | |
| Sarthan . | . 143/3 142/2/A | 0 05 20 0 07 80 | | |

[No. 12016/3/77-Prod.]

कां आरं 3223.—पतः वेट्रोलियम और खिनज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार अर्जन) प्रशितियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार, के वेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (वेट्रोलियम विभाग) की अधिमुचना कां आं कं 262/तारीख 28-7-77 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमुचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्धिक्य भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों की बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आग्रय योधित कर दिया था।

भीरयतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के श्रधीन सरकार को रिपोर्ट वेदी हैं।

श्रीर भागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रीधकार भजित करने का विनिश्चय किया है।

भव, भनः उक्त अधिनियम की भारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त भक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस मध्यसूचना से संलग्न प्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइंप लाइम बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा भ्रजित किया जाता है।

श्रीर श्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राक्तिक गैस श्रायोग में, सभी संयंत्रों से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

श्चनुसूची

कूप नं० एस० क्वी० एच० से जी० जी० एस० - 1

राज्य----गुजरात जिला श्वीर तालुका---मेहसाणा

| गांव | फ्लॉट नं० | हेक्टर | एआरई | सेटीग्रर |
|--------|-----------|--------|------|----------|
| हेपुवा | . 168 | 0 | 06 | 7 2 |

सिं॰ 12016/4/77- प्रो**ः**]

S.O. 3223.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer, S.O. No. 2621 dated 28-7-1977 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now therefore in exercise of the power conferred by subsection (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquire for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Acquisition of right of user from well no. SDH to GGS-I

| State : Gujarat | District & Taluka: Mei | | | | |
|-----------------|------------------------|--------------|-----|---------------|--|
| Village | Block No. | Hcc- tare | Are | Cen- tiare | |
| Hebuva | . 168 | 0 | 05 | 72 | |

[No. 12016/4/77-Prod.]

का० ग्रा० 3224.— प्रतः पेट्रोलियम और खिन पाइपलाइन (सूमि के उपयोग के ग्रिथिकार श्रम) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के ग्रिथीन भारत सरकार, के पेट्रोलियम और रसा-यन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की ग्रिधिस्चना का० ग्रा० स० 2622 तारीख 28-7-77 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रिधस्चना से संलग्न अनुसूची में बिनिविष्ट भूमियों के उपयोग के ग्रिथिकार की पाइप लाइनों की खिछाने के प्रयोजन के लिए ग्रिजित करने का ग्रथना ग्राणय घोषित कर दिया था।

ग्रीर यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा

(।) के प्रधीन सरकार की रिपीर्ट देवी है।

श्रीर झाने, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्वात् इस यक्षिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

श्रव, अतः जनत प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) ब्रारा प्रवक्त शिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूजी में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

स्रोर स्रागे उप धारा को उनवारा (4) द्वारा प्रवत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का सधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के सजाय तेल स्रीर प्राकृतिक गैस स्रायोग में सभी संयंत्रों से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख को निहित होगा।

घनुसूची

कूप नं० एस० डी० क्यू० से जी० जी० एस० कम सी० टो० एक० सोनासन तक पाइप लाइन विख्याने के लिए ।

| राज्य : गुजरात | जिलाः मेहसाना | तालुकाः मेहसाना | | |
|----------------|---------------|-----------------|---------|------------|
| गांक | হস্থাক নৃত্ | हेक्टर एड | गरई सेप | ग्टीयर |
| 1 | · 2 | 3 | 4 _ | 5 |
| | . 188 | 0 | 03 | 60 |
| Ž | 183 | 0 | 05 | 40 |
| | काट द्रेक | 0 | 00 | 60 |
| | 176 | 0 | 04 | 20 |
| | 177 | 0 | 03 | 24 |
| | | | | |

| I | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|-----|---|----|----|
| | 181 | 0 | 03 | 84 |
| | 180 | 0 | 05 | 50 |
| | 145 | 0 | 04 | 20 |
| | 137 | 0 | 10 | 20 |

[सं॰ 12016/4/ 77-प्रो॰]

S.O. 3224.—Whereas, by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer, S.O. No. 2622 dated 28-7-1977 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conterred by subsection (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquire for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Acquisition of right of user for laying pipeline from well No. SDQ to GGS-CUM-CTF Sobhasan

| State: Gujarat. | District : Mehsana | | Taluka : Mehsana. | | |
|-----------------|--------------------|------------|-------------------|-----|---------------|
| Village | | Block No. | Hec- tare | Are | Con- tlare |
| Punasan | | 188 | 0 | 03 | 60 |
| | | 183 | 0 | 05 | 40 |
| | | Cart-track | 0 | 00 | 60 |
| | | 176 | 0 | 04 | 20 |
| | | 177 | 0 | 03 | 24 |
| | | 181 | 0 | 03 | 84 |
| | | 180 | 0 | 05 | 50 |
| | | 145 | 0 | 04 | 20 |
| | | 137 | 0 | 10 | 20 |

[No. 12016/4/77-Prod.]

का० आ० 3225.—यतः पेट्रौलियम भीर खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के भ्रधिकार मर्जन) भ्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के भ्रधीन भारत सरकार, के पेट्रोलियम भीर रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की भ्रधिसूचना का० भ्रा० सं० 3139 तारीख 27-9-77 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस भ्रधिसूचना से संलग्न भ्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के श्रधिकार की पाइप लाइनों की विछाने के प्रयोजन के लिए भ्राजिस करने का भ्रपना भ्राक्षय घोषित कर दिया था।

ग्रीर यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त ग्राधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के ग्राधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है।

ग्रीर ग्रागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस ग्रीधसूचना से संशयन ग्रानुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का ग्रीधकार ग्राजित करने का विनिश्चय किया है। भव, मतः उनत म्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त पाक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित करती है कि इस म्रधिसूचना से संलग्न मनुसूची में विनिविष्ट उनत भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतव्दारा अजित किया जाता है।

भीर आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रमांग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी संयंत्रों से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

श्रनुस्ची कूपनं०एन०के०ए०एस० से एन० के०ए०यू० से डब्ल्लू० एच० शाई• कडी-25 तक पाइप लाइन बाळाने के लिए

| राज्य : गुजरात | जिला : ग्रहमदाबाद | सालुकाः विर | | मगाम | |
|----------------|-------------------|-------------|------------------------|----------|--|
| गांव | सर्वे नं ० | हेक्टर | ए अ ःर ई | सेन्टीयर | |
| बाल सासन | 374/2 | 0 | 04 | 00 | |
| | 374/1 | 0 | 18 | 70 | |
| | 371/2 | 0 | 10 | 80 | |
| | 371/1 | 0 | 14 | 52 | |
| | 366/3 | 0 | 08 | 60 | |
| | 365/3 | 0 | 02 | 64 | |
| | 365/8 | 0 | 04 | 50 | |
| | कार्ट ट्रेक | 0 | 01 | 08 | |
| | 412/1 | 0 | 05 | 75 | |
| | 413 | 0 | 14 | 40 | |
| | 414/1 | 0 | 17 | 00 | |
| | 410/1 | 0 | 0.6 | 60 | |
| | 408 | 0 | 12 | 60 | |
| | 429 | 0 | 10 | 80 | |
| सूरजपुरा | 80 | 0 | 0.0 | 84 | |
| तेजाणी | 233 | 0 | 13 | 20 | |
| | 236/6 | 0 | 56 | 64 | |
| | कार्ट ट्रेक | 0 | 00 | 72 | |
| | 226/5/9 | 0 | 03 | 24 | |
| | 226 5 12 | 0 | 03 | 24 | |

[सं॰ 12016/1/78-प्री॰-**II**]

S.O. 3225.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer, S.O. No. 3139 dated 27-9-1977 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by subsection (1) of the section 6 of the said Act. the Central

Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquire for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conterred by subsection (4) of that section, the Central Government direction that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Laying pipeline from well No. Nkas to Nkaks to Whi Kadi-25 State: Gujarat District: Ahmedabad Taluka: Viramgam

| Village | | Survey No | o. Hec- tare | Are | Cen- tiare |
|----------|------|------------|-----------------|-----|---------------|
| Balsasan | | . 374/2 | 0 | 04 | 00 |
| | | 374/1 | 0 | 18 | 70 |
| | | 371/2 | 0 | 10 | 80 |
| | | 371/1 | 0 | 14 | 52 |
| | | 366/3 | 0 | 06 | 60 |
| | | 365/3 | 0 | 02 | 64 |
| | | 365/8 | 0 | 04 | 50 |
| | | Cart-track | ς 0 | 01 | 08 |
| | | 412/1 | 0 | 05 | 75 |
| | | 413 | 0 | 14 | 40 |
| | | 414/1 | 0 | 17 | 00 |
| | | 410/1 | 0 | 06 | 60 |
| | | 408 | 0 | 12 | 60 |
| | | 429 | 0 | 10 | 80 |
| Sujpura | | . 80 | 0 | 00 | 84 |
| Telavi | | . 233 | 0 | 13 | 20 |
| | | 236/6 | 0 | 56 | 64 |
| | | Cart-traci | k 0 | 00 | 72 |
| | | 226/5/9 | 0 | 03 | 24 |
| | | 226/5/12 | 0 | 03 | 24 |

[No. 12016/1/77-Prod. II]

का॰ ग्रा॰ 3226, व्यतः पेट्रोलियम ग्रीर खनिज पाइपलाईन (भूमि के उपयोग के प्रधिकार धर्जन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के ग्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम ग्रीर रसायन मंक्षालय (पेट्रोलियम विभाग) की ग्रधिसूचना का॰ ग्रा॰ सं० 2563 तारीख 28-7-77 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस ग्रधिसूचना से संलग्न ग्रनुसूची में विनिधिण्ट भूमियों के उपयोग के ग्रधिकार की पाइप लाइनों की बिछाने के प्रजिन के लिये ग्रजित करने का ग्रपना ग्राणय शोधित कर दिया था।

भौर यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट वें वी है।

भीर भागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस प्रधिसूचना से संलग्न प्रनुसूची में विनिक्टिंट भूमियों में उपयोग का प्रधिकार प्रजित करने का विनिश्चय किया है।

भ्रव, भ्रतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) धारा प्रवत्त माक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतत् द्वारा भोषित करती है कि इस प्रधिसूचना से संलग्न मनुसूची में विनिधिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का मधिकार पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिये एततब् द्वारा भजित किया जाता है।

श्रीर माने उस घारा की उपघारा (4) द्वारा प्रवक्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेश वेती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में बिहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस मायोग में सभी संयंकों से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

प्रनुसूची

कूप नं० बलोल--4 से संथाल--6 तक पाइप लाईन बिछाने के लिए र.ण्य: गजरात जिला व तालका: मेहसाना

| र.ज्य : गुजरात | | ाजलाव ता | लुकाः म | हसाना |
|----------------|-------------|----------|---------|----------|
| गौव | सर्वे नं ० | हेक्टेयर | ए भारई | सेन्टीयर |
| कसल पुरा | 524/2 | 0 | 08 | 00 |
| | 503 | 0 | 05 | 16 |
| | कार्ट ट्रेक | 0 | 12 | 00 |
| | 453 | 0 | 09 | 62 |
| | 452 | 0 | 05 | 88 |
| | 449/2 | 0 | 02 | 50 |
| | 449/1 | 0 | 02 | 75 |
| | 446/2 | 0 | 04 | 20 |
| | 447 | 0 | 05 | 88 |
| | 441 | 0 | 09 | 25 |
| | 442 | 0 | 11 | 16 |
| | 437/2 | 0 | 03 | 36 |
| | 437/1 | 0 | 08 | 16 |
| | 431 | 0 | 14 | 36 |
| | 423/1 | 0 | 10 | 08 |
| | कार्ट द्रेक | 0 | 00 | 50 |
| र्घ पाल | 412 | 0 | 04 | 20 |
| | ट्रेक | 0 | 00 | 50 |
| | 413 | 0 | 09 | 96 |
| | 414 | 0 | 03 | 60 |
| | 418 | 0 | 09 | 48 |
| | 421 | 0 | 02 | 64 |
| | ट्रेक | 0 | 06 | 36 |
| | 351 | 0 | 01 | 92 |
| | 352/1 | 0 | 08 | 38 |
| | 353 | 0 | 10 | 56 |
| | 354 | 0 | 06 | 36 |
| | 355 | 0 | 00 | 60 |
| | 356 | 0 | 02 | 88 |
| | 359/1 | 0 | 10 | 20 |
| | 364 | 0 | 13 | 44 |
| | 367/3 | 0 | 05 | 25 |
| | 367/2 | 0 | 05 | 64 |
| | 367/1 | σ | 03 | 60 |
| | 373 | 0 | 05 | 25 |
| | 374/2 | 0 | 05 | 88 |
| | 374/1 | 0 | 02 | 04 |

[सं० 12016/1/77-प्रो.]

S.O. 3226.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer, S.O. No. 2563 dated 28-7-1977 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conterred by subsection (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquire for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Acquisition of right of user for well No. Balol-4 to Santhal-6 State: Gujarat District & Taluka: Mehsana

| State . Ottjaru: | | . 101010 | | |
|------------------|-------------|--------------|------|---------------|
| Village . | Survey Nos. | Hec- tare | Arc | Cen- tiare |
| Kasalpura | . 524/2 | 0 | 08 | 00 |
| . | 503 | 0 | 05 | 16 |
| | 492 | 0 | 01 | 20 |
| | Cart-track | 0 | 12 | 00 |
| | 453 | 0 | 09 | 62 |
| | 452 | 0 | 05 | 88 |
| | 449/2 | 0 | 02 | 50 |
| | 449/1 | 0 | 02 | 75 |
| | 448/2 | 0 | 04 | 20 |
| | 447 | 0 | 05 | 88 |
| | 441 | 0 | 09 | 23 |
| | 442 | 0 | 11 | 10 |
| | 437/2 | 0 | 03 | 30 |
| | 437/1 | 0 | 08 | 10 |
| | 431 | 0 | 14 | 36 |
| | 423/1 | 0 | 10 | 0 |
| | Cart-track | 0 | 00 | 50 |
| Santhal | . 412 | 0 | 04 | 20 |
| | Track | 0 | | |
| | 413 | 0 | | 9 |
| | 414 | 0 | | 6 |
| | 418 | 0 | | 4 |
| | 421 | 0 | | 6- |
| | Track | 0 | | 3 |
| | 351 | 0 | 01 | 9. |
| | 352/1 | 0 | | 8 |
| | 353 | 0 | | 5 |
| | 354 | 0 | 06 | 3 |
| | 35 5 | 0 | | 6 |
| | 356 | 0 | 02 | 8 |
| | 359/1 | 0 | 10 | 2 |
| | 364 | 0 | 13 | 4 |
| | 367/3 | 0 | 05 | 2 |
| | 367/2 | 0 | 05 | 6 |
| | 367/1 | . 0 | . 03 | 6 |
| | 373 | ? | 05 | 2 |
| | 374/2 | 0 | | |
| | 374/1 | 0 | 02 | 0 |

[No. 12016/1/77-Prod.]

का० गा० 3227. यतः पेट्रोलियम भीर खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के प्रधिकार प्रजंन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप धारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम भीर रसायन मजालय (पेट्रोलियम विभाग) की प्रधिमुचना का० गा० सं० 2616

तारील 28-7-77 हारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रभिसूचना से संलब्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अजित करने का अपना आश्य घोषित कर विया था। और यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

भीर भागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विभार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिध्चय किया है।

श्रव, अतः उक्त धिधितयम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त सिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित करती है कि इस प्रधिसूचना से संलग्न प्रनुसूची में विनिर्देश्ट उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वारा प्रजित किया जाता है।

ग्रौर भागे उस धारा की उपधार। (4) द्वारा प्रक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल भीर प्राइतिक गैस घायोग में, सभी संयंक्षी से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

चनुसूची

कूप नं ० — कौसंबा 10 से 12

| राज्यगुजरात | जिला−–सॄरत | तालुका—मांगरोक | | | |
|-------------|----------------|----------------|-------|---------------|--|
| गौव | सर्वेक्षण नं ० | हेक्टर ए | मार ई | — से टीय र | |
| तरसाड़ी | 583 | 0 | 02 | 08 | |
| | 589 | 0 | 03 | 90 | |
| | 614/615 | 0 | 07 | 02 | |
| | 616 | 0 | 04 | 55 | |
| | 616/पी | 0 | 03 | 90 | |
| | 617 | 0 | 03 | 90 | |
| | 618 | 0 | 03 | 90 | |
| | 637 | 0 | 21 | 71 | |
| | 624 | 0 | 01 | 95 | |
| | 62,8 | O | 05 | 72 | |
| | 629 | 0 | 06 | 37 | |
| | 774 | 0 | 06 | 63 | |

[सं॰ 12016/3/77-प्रो॰-III]

S.O. 3227.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 2619 dated 28-7-1977 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by subsection (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the

said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquire for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Acquisition of right of user for laying pipeline from Well No. Kosamba-10 to 12

| State: Gujarat | District : Surat | Taluk | a : M | angrol |
|----------------|------------------|--------------|-------|--------|
| Village | Survey No. | Hec- tare | | |
| Tarsadi . | . 583 | . 0 | 02 | 08 |
| | 589 | 0 | 03 | 90 |
| | 614/615 | 0 | 07 | 02 |
| | 616 | 0 | 04 | 55 |
| | 616/P | 0 | 03 | 90 |
| | 617 | 0 | 03 | 90 |
| | 618 | 0 | 03 | 90 |
| | 637 | 0 | 21 | 71 |
| | 624 | 0 | 01 | 95 |
| | 628 | 0 | 05 | 72 |
| | 629 | 0 | 06 | 37 |
| | 77 4 | 0 | 06 | 63 |

[No. 12016/3/77-Prod. II]

का॰ आ॰ 3228. — मतः पेट्रोलियम धौरु खनिज पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के ग्रधिकार प्रजंन) श्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप धारा (1) के भ्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम धौर रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम बिभाग) की श्रधिसूचना का॰ ग्रा॰ सं॰ 3544 तारीख 24-10-77 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग के श्रधिकार की पाइप लाइनों की बिछाने के प्रयोजन के लिए श्रजित करने का श्रपना भाग्रय घोषित कर विया था।

स्रोर यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त स्रधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के स्रधीन सरकार को रिपोर्ट देदी है।

भीर आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विकार करने के पश्चात् इस आध्रसूचना से संलग्न अनुसूचों में विनिधिन्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार प्रजित करने का विनिध्चय किया है।

श्रम, ग्रसः उक्त ग्रिशिनयम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वाराप्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा थोषित करती है कि इस ग्रिधसूचना से संलग्न अनुसूची में जिनिविष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का ग्रिशिकार पाइप नाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदद्वारा ग्रिजित किया जाता है।

भीर माने उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवल मांकतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का मधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के अजाय तेल भीर प्राकृतिक गैस भायोग में, सभी संयंत्रों से मुक्त रूप में, भोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

ग्रनुसुची

कूप नं ० ८९ से जी ॰ जी ॰ एस ॰ III तक पाइप लाइन बिछाने के लिये

राज्य : गुजरात जिला : खेडा तालका : मातर

| गाँव | सर्वेक्षण नं ० | हेक्टर | मेरीआई | सेन्टयर |
|--------|----------------|--------|--------|---------|
| पनसीली | 209 | 0 | 08 | 40 |
| | 221 | 0 | 06 | 45 |
| | 222 | 0 | 09 | 80 |
| | 224/2 | 0 | 02 | 70 |
| | 223 | 0 | 01 | 0.0 |
| | 244/2 | 0 | 04 | 13 |
| | 244/1 | 0 | 10 | 35 |
| | 245 | 0 | 00 | 35 |

[सं॰ 12016/3/77-मो०-II]

S.O. 3228.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer, S.O. No. 3544 dated 24-10-1977 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the rehedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by subsection (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquire for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE
Pipeline from Well No. 89 to GGS-III

| State: Gujarat | District : Kaira | Taluka : Matar | | | |
|----------------|------------------|----------------|-----|----------|--|
| Village | Survey No. | Hec- tare | Агө | Are Cen- | |
| Pansoli | . 209 | 0 | 08 | 40 | |
| | 221 | .0 | 06 | 45 | |
| | 222 | 0 . | 09 | 80 | |
| | 224/2 | 0 | 02 | 70 | |
| | 223 | o o | 01 | 00 | |
| | 244/2 | 0 | 04 | 13 | |
| | 244/1 | 0 | 10 | 35 | |
| | 245 | 0, | 00 | 35 | |

[No. 12016/3/77-Prod. II]

राज्य : गुजरात

का॰ आ॰ 3229.—यतः पेट्रोलियम और खितिज पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के श्रीक्षकार धर्जन) श्रीवित्यम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के श्रीवित्यम गरत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की श्रीवसूचना का॰ श्रा॰ सं॰ 2618 तारीख 28-7-77 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रीक्सूचना से संलग्न धनुस्त्री में विनिविष्ट भूमियों के उपयोग के श्रीकार की पाइप लाइनों की श्रिष्ठाने के प्रयोजन के लिये श्रीजित करने का श्रपना श्राणय घोषित कर दिया या।

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के भ्रधीन सरकार को रिपोर्ट देदी है।

भीर भागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने जक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस भक्षिमूचना से संलग्न भनुभूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का भक्षिकार भक्ति करने का विनिश्चय किया है।

मस, मतः उक्त मिधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त मिस्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतवृद्वारा मोषित करती है कि इस मिधिसूचना से संलग्न अनुसूची में जिनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का मिधकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतवृद्वारा भजित किया जाता है।

भीर भागे उस धारा की उपधारा (4) हारा प्रवत्त मिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी संयंत्रों से मृक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

श्रमुस्ची कपनं० 207 से जी० जी० एस-V

तालुका: ग्रंकलेक्टर

जिला: भड़ी

| र्णाव | सर्वेक्षण नं ० | हेक्टर | में री मई | - सेन्टीयर |
|-------|----------------|--------|-----------|---------------|
| सरथाण | 1 2 2/A | 0 | 12 | 74 |
| तेलवा | 45 | 0 | 01 | 30 |
| | 44 | 0 | 05 | 46 |
| | 43 | 0 | 04 | 94 |
| | 42 | 0 | 10 | 79 |

[सं॰ 12016/3/77-प्रो॰-II]

S.O. 3229.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer, S.O. No. 2618 dated 28-7-1977 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by subsection (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquire for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Acquisition of right of user for laying pipeline from Well No. 207 to GGS-V.

| State : Gujarat | | District : Broach | | Taluka : A | Ankle | shvar | |
|-----------------|---|-------------------|--|------------|--------------|-------|---------------|
| Villages | | | | Survey No. | Hec- tare | Are | Cen- tiare |
| Sarthan | · | | | 122/A | 0 | 12 | 74 |
| Telwa . | | | | 45 | 0 | 01 | 30 |
| | | | | 41 | 0 | 05 | 46 |
| | | | | 43 | 0 | 04 | 94 |
| | | | | 42 | 0 | 10 | 7 9 |

[No. 12016/3/77-Prod. II]

का॰ थां० 3230.—यतः पेट्रोलियम धौर बनिज पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार धर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम धौर रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का॰ धा॰ सं॰ 1395 लारीख 18-4-77 धारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में जिनिविष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अजित करने का प्रपना आध्य घोषित कर दिवाथा।

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त मिधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) के मधीन सरकार को रिपोर्ट वे वी है।

न्नौर माने, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चास् इस प्रधिसूचना से संजग्न मनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का मधिकार मुजित करने का विनिध्यय किया है।

मन, मतः उन्त भिधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव् द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोजन के लिये एतव्द्वारा अजित किया जाता है।

प्रौर प्रांगे उस धारा की उपधारा (4) हारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में बिहित होने के बजाय तेल धोर प्राकृतिक गैस भायोग में, सभी संयंत्रों से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को गिहित होगा ।

अनुमूची
कूप नंश्येस पी०2 सेजीजीग्रेस-5
राज्य गजरात जिला: भंगोच नालका : संकलेश्वर

| | Clou . I secur | (4)4(1) 4(4) | angre en r | 444 | |
|-------|----------------|---------------|------------|--------------------|----|
| गौव | | सर्वेक्षण नं० | हेक्टर | मे रीम! सेंटीयर | |
| सरथाण | | 85/2 | 0 | 05 | 20 |
| | | 88 | 0 | 09 | 36 |
| ···· | | | | | |

[सं॰ 12016/3/77-6 प्रो॰ **V**I]

S.O. 3230.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 1395 dated 18-4-1977 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by subsection (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this lotification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

For laying pipeline from Well No. SP-2 to GGS-V State: Gujarat District: Broach Taluka: Ankleshvar

| Village | | Survey No. | Hec- tare | Are | Cen- tiare |
|---------|---|------------|--------------|-----|---------------|
| Sarthan | , | 85/2 | 0 | 05 | 20 |
| | | 88 | 0 | 09 | 36 |

[No. 12016/3/77-Prod. VI]

का बा 3231. — पतः पेट्रोलियम श्रीर खिनज पाइप लाइन (सूमि के उपयोग के श्रीधकार श्रजीन) श्रीधिनियम, 1962 (1962 का 50) की श्राप्ता 3 की उपधारा (1) के श्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम धौर रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की श्रीधसूचना का० धा० सं० 2123 तारीख 10-6-77 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रीधसूचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के श्रीधकार को पाइप लाइनों को बिछाने के श्रयोजन के लिए श्राजित करने का श्रयना श्राचय भोषित कर विया था।

भौर यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

श्रीर धाने, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस श्रक्षिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग का श्रीक्षकार श्राणित करने का विनिश्चय किया है।

प्रज, प्रतः उक्त श्रक्षिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते द्वुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस श्रधिसूचना से संलग्न प्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा ग्रजित किया जाता है।

श्रौर श्रामे उस घारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के अजाय तेल धौर प्राकृतिक गैस शायोग में, सभी संयंत्रों से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशम की इस तारीख को निहित होगा।

ग्रमुमूजी अरुप नं० ९ (जी जी ग्रोस-1) से मीटबाण-1

| राज्य : गुजरात | जिला : भडोच | तालुका | : संकलेण | द र |
|----------------|----------------|--------|----------|------------|
| गौव | सर्वेक्षण नं० | हेक्टर | भेरोमई | सेंटीयर |
| सरपाण | 68 | 0 | 07 | 28 |
| | 70/4 | 0 | 05 | 72 |
| | 70/5 | o | 04 | 94 |
| | 70/6 | 0 | 07 | 93 |
| | 70/7 | 0 | 04 | 55 |
| | 70/8 | 0 | 08 | € 4 |
| | 70/9 | 0 | 18 | 07 |
| | 70/10 | 0 | 15 | 60 |
| | 98/2 | 0 | 03 | 12 |
| | 105 | 0 | 01 | 69 |
| मोटवाण | 63 | 0 | 03 | 64 |
| | 71/1 | 0 | 14 | 17 |
| | 70/1+2 | 0 | 17 | 42 |
| | 68/1 | 0 | 08 | 84 |
| | 68/2/1 | 0 | 0 5 | 20 |
| | 68/2/2 | 0 | 06 | 50 |
| | 65/1वी | o | 02 | 60 |
| | 6 5/2 ए | 0 | 26 | 00 |
| | 54 | 0 | 06 | 89 |
| | 5 5 | 0 | 15 | 21 |
| | 56/1 | 0 | 1 4 | 43 |
| | 5 B /1 | 0 | 06 | 76 |
| | 58/2 | 0 | 14 | 30 |
| | 50/12 | 0 | 03 | 12 |
| | 50/14 | 0 | 09 | 7 5 |

[सं॰ 12016/3/77-प्रो॰-IV]

एस० एम० बाई० नवीम, प्रवरसचिव

S.O. 3231.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 2123 dated 10-6-1977 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under subsection (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by subsection (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Acquisition of R.O.U. for Laying Pipeline from Well No. 9 (GGS-1) to Motwan-1.

| S tate : Gujarat | District : Broach | Taluka | : Ankle | eshvar |
|-------------------------|-------------------|--------------|---------|---------------|
| Villages | Survey No. | Hec- tare | Are | Cen- tiare |
| Sarthan | 68 | 0 | 07 | 28 |
| | 70/4 | 0 | 05 | 72 |
| | 70/5 | 0 | 04 | 94 |
| | 70/6 | 0 | 07 | 93 |
| | 70/7 | 0 | 04 | 55 |
| | 70/8 | 0 | 08 | 84 |
| | 70/9 | 0 | 18 | 07 |
| | 70/10 | 0 | 15 | 60 |
| | 98/2 | 0 | 03 | 12 |
| | 105 | 0 | 01 | 69 |
| Motwan | 63 | 0 | 03 | 64 |
| | 71/1 | 0 | 14 | 17 |
| | 70/1 + 2 | 0 | 17 | 42 |
| | 68/1 | 0 | 08 | 84 |
| | 68/2/1 | 0 | 05 | 20 |
| | 68/2/2 | 0 | 06 | 50 |
| | 65/1B | 0 | 02 | 60 |
| | 6Š/2A | 0 | 26 | 00 |
| | 54 | 0 | 06 | 89 |
| | 55 | 0 | 15 | 21 |
| | 56/1 | 0 | 14 | 43 |
| | 58/1 | 0 | 06 | 76 |
| | 58/2 | 0 | 14 | 30 |
| | 50/12 | ŏ | 03 | 12 |
| | 50/14 | 0 | 09 | 75 |

[No 12016/3/77-Prod. IV] S. M. Y. NADEEM, Under Secy.

इस्पात और जान मंत्रालय

(इस्पात विमाग)

नई विल्ली, 30 ध्रमतुबर 1978

का॰ मा (० 3232. -- इंडियन भ्रायरन एण्ड स्टील कंपनी (शेयरों का प्रधियहण) प्रधिनियम, 1976 (1976 का 89) की धारा 5 की ंउपधारा (2) धारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकर एतदद्वारा श्री एस०के० हाजरा, क्षेत्रीय लोहा श्रीर इस्पात नियंत्रक, कलकता को, श्री पी०के० घोष, भूतपूर्व क्षेत्रीय लोहा ग्रीर इस्मात नियंत्रक, कलकत्ता के स्थान पर, 17 भक्तूबर, 1978 से भ्रपने कार्यों के साथ-साथ भगतान आयुक्त की सहायता करने के लिये नियुक्त करती है।

> [मि॰सं॰ 8(108)/76-के॰ माई॰] ते० बा० नायर, उप-सचित्र

MINISTRY OF STEEL AND MINES (Department of Steel)

New Delhi, the 30th October, 1978

S.O. 3232.—In exercise of the powers conferred by subsection (2) of section 5 of the Indian Iron and Steel Company (Aquisition of Shares) Act, 1976 (89 of 1976), the Central Government hereby appoints with effect from the 17th October, 1978 Shri S.K. Hazra, Regional Iron and Steel Controller. Calcutta to assist the Commissioner of Payments, in addition to his duties in place of Shri P.K. Ghosh, formerly Regional Iron and Steel Controller, Calcutta.

> [File No.8(108)/76-K.I.] T. V. NAYAR, Dy. Secy.

ऊर्जी मंद्रालय

(विद्युत विकाम)

नई दिल्ली, 25 ग्रन्तुबर, 1978

का॰ ब्रा॰ 3233.--केन्द्रीय सरकार, भारतीय विद्युत नियम, 1956 के नियम 4क द्वारा प्रवत्त मितयों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के ऊर्जा मन्त्रालय (विश्वत विभाग) की प्रधिसूचना सं ० ई-1-11-4(5)/ 73, तारीख 6 दिसम्बर, 1976 के प्रधिकमण में, केन्द्रीय विद्युत प्राधि-करण के निम्नलिखित श्रधिफारियों को भारतीय विश्वत श्रधिनियम, 1910 (1910 का 9) की घारा 36 के मधीन नियक्त केन्द्रीय विश्वत निरीक्षक की सहायता करने वाले अधिकारियों के रूप में नियुक्त करती है, अर्थात्:---

| क्रम प्रधिकारीकानाम सं० | पषनाम' |
|---------------------------------------|------------------------------------|
| ा. श्री सी०ए ल० दुग्गल | उप मिदेशक |
| 2. श्री बी० एम० रेड्डी | n |
| 3. श्रीजे०एम० लाल | " |
| 4. श्रीएम० साई० नायकवादी | *) |
| 5. श्रीएच०एस०सम्मी | सहायकः निदेशकः |
| श्रीएन० रामलिंगम् | ,, |
| 7. श्री रिवन्द्र पाल | श्रतिरिक्त सहायक निदेशक ् |
| 8. श्रीएस० श्रीनियासन | " |
| 9. श्रीपी०एस० मथारू | " |
| | Îm - ri- salovino îta I |

[फा०सं० 37/24/78-डोस्क 1]

एस० गणेशन, डेस्क मधिकारी

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Power)

New Delhi, the 25th October, 1978

S.O. 3233.—In exercise of the powers conferred by rule 4A of the Indian Electricity Rules, 1956, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Power), No. El.II-4(5)/73, dated the 6th December, 1976, the Central Government hereby appoints the following officers of the Central Electricity Authority to be the officers to assist the Central Electrical Inspector appointed under section 36 of the Indian Electricity Act, 1910 (9 of 1910), namely:-

| Sl. Name of Officer No. | Designation | | |
|----------------------------|--------------------------|--|--|
| 1. Shri C.L. Duggal | Deputy Director | | |
| 2. Shri B.M. Reddy | Deputy Director | | |
| 3. Shri J.M. Laul | Deputy Director | | |
| 4. Shri M.I. Naikwadi | Deputy Director | | |
| 5, Shri H.S. Sammi | Assistant Director | | |
| 6. Shri N. Ramalingam | Assistant Director | | |
| 7. Shri Ravindra Paul | Extra Assistant Director | | |
| 8. Shri S. Srinivasan | Extra Assistant Director | | |
| 9. Shri P.S. Matharu | Extra Assistant Director | | |

[File No. 37/24/78-Desk-I]

S. GANESAN, Desk Officer.

(कोयला विभाग)

मई विल्ली, 25 अक्तूबर, 1978

का॰ आ॰ 3234.—कोककर कोयला खान (राष्ट्रीयकरण) प्रधिनियम, 1972 (1972 का 36) की घारा 20 की उपधारा (2) के प्रधीन प्रदेत गिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार, एतव्हारा 18 सितस्यर, 1978 के पूर्वाह्म से श्री राजेश्वर सिंह को सहायक भुगतान श्रायुक्त नियुक्त करती है।

[सं० 11024/13/78-सी॰ए०] जी॰की॰जी॰ रामन, उप-सिचा

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 25th October, 1978

S.O. 3234.—In exercise of the powers conferred under Sub-section (2 of Section 20 of the Coking Coal Mines (Nationalisation Act, 1972 (3 of 1972), the Central Govt. hereby appoints Shri Raeshwar Singh, as Asstt. Commissioner of Payments with egect from the fore-noon of the 18th Sept. 1978.

[No. 11024/13/78-CA] G. V. G. RAMAN, Dy. Secy.

स्वास्थ्य व परिवार करूपाण ग्रंबालय

नई दिल्ली, 24 अक्तूबर 1978

का० ग्रा॰ 3235.—-होम्योपेथी केन्द्रीय परिषद् ग्रधिनियम, 1973 (1973 का 59) की घारा 13 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, होम्योपेथी की केन्द्रीय परिषद से परामर्श करने के पश्चात्, एतद्द्रारा उक्त ग्रधिनियम की दूसरी अनुसूची में निम्नलिखित संगोधन करती है प्रयात :---

उक्त अनुसूची में पश्चिम बंगाल राज्य से संबंधित मद संख्या 26 तथा उस से संबंधित प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित मद तथा प्रविष्टियों भोड़ी जायेंगी अर्थात्:----

"29-राष्ट्रीय होम्योपैयी राष्ट्रीय होम्योपैयी एन० ग्राई० भ्रवसूबर, 1979 संस्थान, कलकला संस्थान का एच० से ग्रागे । हिस्लोमा। हिस्लोमा।

> [सं० बी०-17031/12/77-होम्यो०] एन० एस० बक्शी, उप सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 24th October, 1978

S.O. 3235.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 13 of the Homoeopathy Central Council Act' 1973 (59 of 1973), the Central Government, after consulting the Central Council of Homoeopathy, hereby makes, the following amendment in the Second Schedule to the said Act, namely:

In the said Schedule, after item 28 relating to the State of West Bengal, and entries relating thereto, the following item and entries shall be inserted, namely:—

"29. National Institute of National Institut

[No. V. 27031/12/77-Homoco.] N. S. BAKSHI, Dv. Secv.

वर्षटन और नागर विभानन मंत्रालय

शुद्धिपदा

मई दिल्ली, 2 नवम्बर, 1978

का॰ ग्रा॰ 3236.—भारत के राजपन्न, माग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii), तारीख 9 प्रक्तूबर, 1976 के पृष्ट 3388 से 3391 में प्रकाशित, भारत सरकार के पर्यटन ग्रीर नागर विमानन मंत्रालय की ग्रीधसूषना, सं॰ का॰ ग्रा॰ 3562, तारीख 29 सितम्बर, 1976 के पृष्ट 3388 में प्रथम अनुसूचि में, स्तम्भ 1 में की "निरीक्षण कार्यालय का भारसाधक वागुगाम निरीक्षक" ग्रीर "वायुयान निरीक्षक" प्रविष्टियों के सामने, कमगाः स्तम्भ 2 में की तरसंबंधी प्रविष्टियों में, "20,000 किलोग्राम" के स्थान पर "2,000 किलोग्राम" पढ़ ।

[फा॰ सं॰ वि॰ 11012/14/76-ए]

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION ERRATUM

New Delhi, the 2nd November, 1978

S.O. 3236.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Tourism and Civil Aviation, S.O. 3562, dated the 29th September, 1976, published at pages 3388 to 3391 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 9th October, 1976, at page 3388, in the First Schedule against the entries 'Aircraft Inspector Incharge of Inspection Office' and 'Aircraft Inspector' respectively in column 1, in the corresponding entries in Column 2, for "20,000 Kgs" read "2,000 Kgs".

[F. No. Av. 11012/14/76-A]

का० ग्रा० 3237.—केन्द्रीय सरकार, वासुयान नियम, 1937 के नियम 3 के उपनियम (2-क) के अनुसरण में, ज्येष्ठ तकनीकी प्रधिकारी, वैमानिक निरीक्षण निदेणालय को भारत सरकार के पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय की अधिसूचना सं०, का० ग्रा० 3563, तारीख 29 सितम्बर, 1976 से उपावद्य द्वितीय धनुसूची की कम सं० 10, 28, 2, 31, 34, 35 और 59 में विनिर्दिष्ट शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है और यह निदेश करती है कि उक्त अधिसूचना में, प्रथम धनुसूची में, अंत में निम्निलिखित प्रविष्टि शक्तःस्थापित की जाएगी, प्रथातः—

| 1 | 2 |
|---|---------------------------|
| _{अयेष्ठ} तकनीकी भ्रधिकारी (वैमानिक | 10, 28, 29, 31, 34, 35 और |
| निरीक्षण निदेशालय) | 591 |

[फा॰ सं॰ वि॰-11012/14/76-ए/एभार 1937(3)1978]

S.O. 3237—In pursuance of sub-rule (2A) of rule 3 of the Aircraft Rules, 1937, the Central Government hereby authorises the Senior Technical Officer in the Aeronautical Inspection Directorate to exercise the powers specified at S. Nos. 10, 28, 29, 31, 34, 35 and 59 of the Second Schedule annexed to the notification of the Government of India in the Ministry of Tourism and Civil Aviation, No. S.O. 3563, dated the 29th September, 1976, and directs that in the said notification in the First Schedule, the following entry shall be inserted at the end, namely:—

| Senior Technical Officer (Aeronautical Inspection Directorate) | |
|--|--|

1

[F. No. Av. 11012/14/76-A/AR/ 1937(3)/1978]

का॰ आ॰ 3238—केन्द्रीय सरकार, वायुयान नियस, 1937 के नियम 3 के उपनियम (2-क) के ध्रनुसरण में, ज्येष्ठ तकतीकी ध्रधिकारी, वैमानिक निरीक्षण निवेणालय की भारत सरकार के पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय की प्रधिसूचना सं० का॰ ध्रा॰ 3562, तारीख 29 सितम्बर, 1976 से उपावद दितीय ध्रनुसूची की कम सं० 15, 19, 20, 21, 32, 44, 57 और 62 में विनिर्विष्ट शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है और यह निवेश करती है कि उक्त ध्रधिसूचना में, प्रथम ध्रनुसूची में, अत में निम्नलिखित प्रविष्टि ध्रन्तःस्थापित की जाएगी, ध्रयानः—

1 2

ज्येष्ठ तकनीकी अधिकारी (वैमानिक 15, 19, 20, 21, 32, 44, 57, मिरीक्षण निदेशालय) और 62।

[फा॰ स॰ वि॰ 11012/14/76-ए/ए म्रार/1937(2)1978] एस॰ एकाम्बरम, उप सचिव

S.O. 3238.—In pursuance, of sub-rule (2-A) of rule 3 of the Aircraft Rules, 1937, the Central Government hereby authorises the Senior Technical Officer in the Aeronautical Inspection Directorate to exercise the powers specified at Serial Nos. 15, 19, 20, 21, 32, 44, 57 and 62 of the Second Schedule annexed to the notification of the Government of India in the Ministry of Tourism and Civil Avlation, No. S.O. 3562, dated the 29th September, 1976, and directs that in the said notification, in the First Schedule, the following entry shall be inserted at the end, namely:—

1

Senior Technical Officer (Aero- 15, 19, 20, 21, 32, 44, 57 and 62 nautical Inspection Directorate)

[F. No. Av. 11012/14/76-A/AR/1937(2) 1978]S. EKAMBARAM, Dy. Secy.

निर्माण और आवास मंत्रालय (विल्ली प्रभाग)

मई दिल्ली, 23 धक्तूबर, 1978

का झां 3339—यतः केन्द्रीय सरकार का दिल्ली की बृह्त योजना में उल्लिखित क्षेत्रों के बारे में कुछ समोधन करने का प्रस्ताव है सथा दिल्ली विकास मधिनियम, 1957 (1957 का 61) की धारा 44 के उपबन्धों के मनुसार 22 जुलाई, 1978 की मधिसूचना संख्या एक 3 (156) 71 एम वी व.रा उक्त मधिनियम की धारा 11-क की उप-धारा (3) में अपेक्षित नोटिस की कारीख से 30 दिन के मीसर भाक्षेपों/सुझाबों को आमंत्रित करने के लिए प्रकाशित किया गया था;

भीर यतः, उपर्युक्त सणीधन के सबध में कोई भाक्षेप भ्रयवा सुझाव प्र.प्त महीं हुए तो केन्द्रीय सरकार ने दिल्ली की बृहत योजना में संशोधन करने का निश्चय किया है ।

शस यतः, उक्त प्रधिनियम की धारा 11-क की उप-धारा (2) के इ.रा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा दिल्ली की बृहत योजना में उस तारीख से निम्निर्णित संगोधन करती है जिस तारीख को यह अधिसुबना भारत के राजपन्न में छपेगी, नामत :

संशोधन :

"15.78 हैक्टेयर (39 एकड़) के द्याकार का क्षेत्र, जो इंजीनिय-रिंग कालेज (इण्डियन इंस्टीट्यूट ग्राफ टेक्नालाजी, महरौली रोड) के दक्षिण में स्थित है तथा जो बृहत योजना 'में विशेष उद्योगों' के लिए निर्धारित हैं, को 'विशेष सस्यानों' में परिवर्तित किया जाता है।"

[संख्या के०-10011/10/77 यूव की I(v)] एक० म्राप्त गोयस, मानर सचिव

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

(Delhl Division)

New Delhi, the 23rd October, 1978

S. O. 3239.—Whereas certain notification, which the Central Government proposes to make in the Master Plan for Delhi regarding the areas mentioned hereunder, was published with Notice No. F. 3(156)/71-M.P., dated the 22nd July. 1978 in accordance with the provisions of section 44 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957) inviting objections/suggestions, as required by sub-section (3) of section 11-A of the said Act, within thirty days from the date of the said notice:

And whereas no objections or suggestions have been received with regard to the aforesaid modification; the Central Government has decided to modify the Master Plan for Delhi;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (2) of section 11-A of the said Act, the Central Government hereby makes the following modification in the said Master Plan for Delhi with effect from the date of publication of this notification in the Gazette of India, namely:

MODIFICATION

"The land use of an area measuring 15.78 hectares (39 acres) located in the south of Engineering College (Indian Institute of Technology, Mehrauli Road) and earmarked for 'Special Industries' in the Master Plan, is changed to 'Special Institutions'.

[No. K-13011/10/77-UDI(A)] H. R. GOEL, Under Secy.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 16 ग्रम्तूबर, 1978

कां ग्रां 3240 — चलिन्न प्रिवित्यम, 1952 की धारा 5(1) भीर चलिन्न (सेंसर) नियमानती, 1958 के नियम 9 के उप-नियम (1) के माथ पठित नियम 8 के उप-नियम (3) के द्वारा प्रकल ग्रधिकारों का प्रयोग करते द्वुए तथा सूचना भीर प्रसारण मंत्रालय की श्रधिस्त्रना सख्या एफ 11/9/77 एफ सींग, विनांक 24 फरवरी, 1978 में संशोधन करते हुए, केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड से परामर्थ करने के बाद, एतव्दारा निम्नलखित व्यक्तियों की सत्काल से भ्रमले श्रादेश तक, उक्त बोर्ड के कलकत्ता सलाहकार पैनल का सदम्य नियुक्त करती के

- 1. श्री शरत मिश्र
- 2. डा॰ गौरी शकर भट्टाचार्जी
- 3. श्री बागेएवर भा
- 4. श्रीमती भारती टेगोर
- 5. श्रीमती कुष्ण। घोष
- श्री प्रफुल्ल राय
- 7. श्री मनीन्द्र राय
- श्री राणाजय कालेकर
- 9. श्री तरुण राय
- 10. श्रीमती श्ररोती श्रीमाल
- 11. श्री ग्रमिताव चौधरी
- 12. श्री प्रशांत सन्नयाल
- 13. श्री विनय सरकार
- 14. प्रा०के०एम० लोधा
- 15. हा० ज्योतिर्मय घोष

[फाइल संख्या 11/9/77 एफ॰ मी॰] सुरेन्द्र कुमार शर्मी, उप संचिव

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

New Delhi, the 16th October, 1978

S.O. 3240.—In exercise of the powers conferred by Section 5 (1) of the Cinematograph Act, 1952 and sub-rule (3) of Rule 8 read with sub-rule (1) of Rule 9 of the Cinematograph (Censorship) Rules, 1958 and in modification of the Notification No. F. 11/9/77-FC, dated the 24th February, 1978 of the Ministry of Information and Broadcasting, the Central Government hereby appoints the following persons, after consultation with the Central Board of Film Censors, as members of the Advisory Panel of the said Board at Calcutta with immediate effect until further orders:—

- 1. Shri Sarat Mishra
- 2. Dr. Gauri Shankar Bhattacherjee
- 3. Shri Bageswar Jha
- 4. Smt. Arti Tagore

- 5. Smt. Krishna Ghosh
- 6. Shri Prafulla Roy
- 7. Shri Manindra Roy
- 8. Shri Ranajoy Kalekar
- 9. Shri Tarun Roy
- 10. Smt. Aroti Srimal
- 11. Shri Amitave Chowdhury
- 12. Shri Prasanta Sannyal
- 13. Shri Benoy Sarkar
- 14. Prof. K. M. Lodha
- 15, Dr. Jyotirmoy Ghosh

[F. No. 11/9/77-FC]

S. K. Sharma, Dy. Secy.

मादेश

नई दिल्ली, 27 मन्तूबर, 1978

फा॰ आर॰ 3240. → मारत तरकार के सूबता और प्रसारण मंत्रालय के आदेश, संखार एस० थ्रो॰ 3792, विनांक 2 विसम्बर, 1966 की प्रथम धनुसूची में निर्धारित प्रत्येक अधिनियम के उपबन्ध के अंतर्गत जारी किए गए निदेशों के धनुसार, केन्द्रीय सरकार, फिल्म सलाहकार बोर्ड, बम्बई की सिफारिकों पर विचार करने के बाद एतद्द्रारा इसके साथ लगी अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्मों को, उनके सभी भारतीय भाषाओं के रुपान्तरों सहित, जिनका विवरण प्रत्येक के सामने उक्त अनुसूची के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है।

बनुसूची

| क्रम सं∘ | फिल्म का नाम | फिल्म की लम्बाई (भीटरों में) | श्रावेदक का नाम | निमति। का ने।म | क्या बैज्ञानिक फिल्म है या शिक्षा सं ठेत्री फिल्म है या समाचार घोर सामयिक घटनाम्रों की फिल्म है या डाकु- मेंट्री फिल्म है |
|-------------|--|---------------------------------|---|----------------|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1. | भारतीय समाचार चित्र संख्या 1546 | 198.00 | फिल्म प्रभाग, 24,पैडर रोड़, बम्बई-26 | | 'समाचार ग्रीर सामग्रिक घटनाश्रों' की फिल्म । |
| 2. | भारतीय समाचार चित्र संख्या 1546 (पश्चिमी संस्करण) | 299.00 | ⊷तथैय- | | 'समाचार ग्रौर सामयिक घटनाग्रों' की फिल्म (पश्चिमी क्षेत्र में प्रवर्शनके लिए)। |
| 3. | भारतीय समाचार चित्र संख्या 1547 | 254.00 | –त थै च– | | 'सामचार श्रीर सामयिक घटनाझों' की फिल्म। |
| 4 | भारतीय समाचार चिस्न संख्या 1547 (उत्तरी संस्करण) | 301.00 | –तथैव∽ | | 'समाचार ग्रौर सामयिक घटनाग्रो' क्षीफिल्म (उत्तरीकोस में प्रदर्शन केलिए)। |
| 5. | भारतीय समाचार चित्र संख्या 1548 | 211.00 | –स धैव- | | 'समाचार भौर सामयिक घटनाद्यों' की फिल्म। |
| 6. | भारतीय समाचार चित्र संख्या 1548 (पूर्वी संस्करण) | 298.00 | ∽तर्यंग ⊸ | | 'समाचार भ्रौर सामयिक घटनाघों' की फिल्म (पूर्वी क्षेत्र में प्रदर्शन के लिए)। |
| 7. | भारतीय समाचार चित्र संख्या 1549 | 251.00 | –स थैप – | | 'समाचार धौर सामग्रिक घटनाधों' की फिल्म। |
| 8. | एच ० घाई ० | 294.00 | –तथैव | | 'डाकुमेंट्री' फिल्म । |
| | भारतीय समाचार चिश्च संख्या 1549 (दक्षिण संस्करण) | 297.00 | –तथैब– | | 'समाचार ग्रौर सामयिक घटनाद्यों' की फिल्म (घक्षिण क्षेत्र में प्रदर्शन के सिए)। |
| 10. | भारतीय समाचार चित्र संख्या 1550 | 223.00 | तथैव | | 'समाजार ग्रौर सामयिक घटनामो' की फिल्म। |
| 11. | भारतीय समाचार चित्र संख्या 1550 (पश्चिमी संस्करण) | 287.00 | –राथैव– | | 'समाचार ध्रौर सामयिक घटनाध्यों' की:फिल्म (पश्चिमीक्षेत्र में प्रदर्शन केलिए)। |

| 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|----------------|---|---|--|
| 2. भारतीय समाचार चित्र | 231.00 | फिल्म प्रभाग, 24,पैडर रोड़, | - | 'समाचार भ्रौर तामयिक घटनामों' |
| संख्या 1551 | | बम्बई-26 | | क़ी फिल्म। |
| अभागतीय समाचार चित्र | 303.00 | –तथैव– | | 'समाचार मीर साम यक घटनामी' |
| संख्या 1551 (उत्तरी संस्करण) | | | | की फिल्म (उत्तरी क्षेत्र में प्रदर्शन के:लए /। |
| । 4. भारतीय समाचार चित्र संख्या 1552 | 208.00 | ÷तथैय≔ | | 'समाचार भौर स⊦मयिक घटनाम्मो' की फिल्म। |
| 15. भारतीय समाचार चित्र संख्या 1552 (पूर्वी संस्करण) | 292.00 | –तथैव⊷ | | 'समाचार ग्रीर सःमधिक घटनःग्री' की फिल्म (पूर्वी क्षेत्र में प्रदर्शन केलिए)। |
| 16. भारतीय समाचार चित्र संख्या 1553 हे | 238.00 | – त र्थव – | | 'समाचार भीर सामयिक घटनाभी' की फिल्म। |
| १७४१ १ ३५५ । १७. भारतीय समाचार चित्र | 301.00 | -त धैव- - | | 'समाचार भौ र सामयिक घटनाश्रो |
| संख्या 1553 (विक्षणी संस्करण) | 5 51.00 | *** | | की फिल्म (विकाण क्षेत्र में प्रदर्शन' के लिए)। |
| डेस्टीनेशन कलक्ता | 451.00 | –तथैव− | | 'बाकुमेंद्री' फिल्म। |
| .9. मिरर झाफ इंडिया-झान्ध्र प्रदेश | 376.43 | | | 'डाकुमेंट्री' फिल्म । |
| | | द्वाज फिल्म, 344, सारवेव. वस्वर्ष-34 | | |
| 20. भ्रपनी धरती भ्रपना गांव | 284.36 | षी ० प्रभाकर, मार्फत ब म्ब ई फिल्म | | 'बाभुमेंट्री' फिल्म (उत्तर प्रदेश स कि ट |
| | | लेब ०, 149, भार० वी ० एस० के ०, रोड़, दादर, सम्बद्द-28 | | में प्रवर्शन के लिए) ≜ |
| | | (2) सूचना ग्रीर जन सम्पर्क | | |
| | | (४) भूषण आर अससम्बन्धः निदेशक, उत्तर प्रवेश सरकार, | | |
| | | लखनऊ। | | |
| 1. महाराष्ट्र समाचार संख्या 315 | 246.00 | सूचना ग्रीप जन-संपर्क महानि- वेशालय, महाराष्ट्र सरकार, 68,तारवेव रोड, बम्बई-34 | | 'समाचार ग्रीर सामयिक घटनाग्री' की फिल्म (महाराष्ट्र सर्किट में प्रदर्शन के लिए)। |
| 2.2. जमगोदपुर | 466.34 | जसमाइन फिल्म्स (प्रा०) लि०, 305, युसुफ मेंहवी रोड़, बम्सई। | | 'बाकुमेंद्री' फिल्म । |
| मतैत मुश्ररसैरफ | 299.00 | फिल्म प्रभाग, 24, पैंडर रोड़, बम्बई-26। | | शिक्षा सम्बन्धी ['] फिल्म । |
| 2.4. माहिती चित्र संख्या 2.80 | 228 .60 | सूचना सहायक निवेशक, गुजरात सरकार, यम्बई । | | 'समाचार और सामयिक घटनाश्रों की फिल्म (गुजरात सर्किट में प्रदर्शन के लिए)। |
| 2.5. वालको कम्स माफ ऐज | 473.00 | षीफ मार्केटिंग एक विवेलपर्मेट मैनेजर, भारत एल्यूमिनियम क ० लि ०, 'पुंज हाऊस' 18, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली। (2) श्री भाई ० सी ० पाण्डेय, | | 'बाकुमेंट्री फिल्म'। |
| | | भैसर्स टबंटीफोरफेम्स मोशन फिल्म प्रोडक्शन, डी-11, पंचरील एनक्लेब, नई दिल्ली। | | |
| 2 ह. मान्ध्र प्रदेश-वि होम भाफ हैंबलून्स | 282.00 | प्रबंध निदेशक, श्रांध्र प्रदेश, राज्य फिल्म विकास निगम लि०, पुहकल्प, एम ० जे० रोड़,हैदराबाद। | | 'डाकुमेंट्री' फिल्म । |
| | | (2) श्रीसी०वी०वी०धार० प्रसाद, निर्माता-निर्देशक, सिने | | |
| | | फिल्म्स, हाऊस नं ० 6-3-628/8 खैरताबाद, है वराबाद। | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 6 |
|--------------|--|--------|---|--|
| 27. | हरित छात्रा | 301.75 | महानिदेशक, सूचना धौर जन सम्पर्क महाराष्ट्र सरकार, फिल्म सेंटर, 68, तारदेव रोड, बम्बई-३4। | 'डाकुमेंट्री' फिल्म । |
| 28. | नई मंजिलें | 298.00 | सहायक निदेशक, सूचना धौर जन सम्पर्क, मध्य प्रदेश सरकार,भोपाल। | 'डाकुमेंट्री' फिल्म (मध्य प्रदेश सर्किट में प्रदर्शन के लिए) । |
| 29. | हम भी बनाते हैं | 290.00 | फिल्म प्रभाग, 24, पैंडर रोड, बम्बर्ट- 26 । | 'डाकुमेंट्री' फिल्म । |
| 30. | गान्ति भौ र मिन्नता के लिए | 582.00 | ⊸त्तदेव– | 'डाफुमेंद्री' फिल्म । |
| 31. | माहिती चित्रं संख्या 281 | 243.84 | सूचना सहायक निदेशक (आई), गुजरात सरकार, धनराज महल, ग्रांडंब फ्लौर, छन्नपति मिवाजी महाराज मार्ग, बम्बई-39 । | 'समाचार ग्रीर सामयिक घटनाग्रो' की फिल्म (गुजरात में प्रदर्शन केलिए)। |
| 32. | माहिती चित्र संख्या 282 | 274.32 | —त चेव — | 'समाचार झीर सामयिक घटनाझों' की फिल्म (गुजरात में प्रदर्शन के लिए)। |
| 33. | महाराष्ट्र समाचार सं ब ्या 316 | 290.00 | सूचना ग्रीर जन सम्पर्क भहा- निदेशालय, महाराष्ट्र सरकार, फिल्म सेंटर, 68, तार- देव रोड, यस्यई-34। | 'समाचार ग्रौरसामयिक घटनाग्रो' की फिल्म (महाराष्ट्र में प्रदर्शन के लिए)। |
| 34. | युगान्तर (संगोधित) | 292.61 | निवेशक, सूचना मौर अन सम्पर्कविभाग, उत्तर प्रवेश, लखनऊ। | 'शिक्षा सम्बन्धी' फिल्म (उत्तर प्रदेश में प्रदर्शन के लिए) । |
| 35. | मुर्गी घौर अण्डे | 338.00 | फिल्म प्रभाग, 24, पैंडर रोड, बम्बई-26। | 'बाकुमेंद्री' फिल्म । |
| 3 6. | महाराष्ट्र समाचार संख्या 317 | 165.00 | सूचना ग्रौर जन सम्पर्क महा- निदेशासय, महाराष्ट्र सरकार, फिल्म सेंटर, 68 सारवेश रोड, बम्बई-34 । | 'समाचार घौर सामयिक घटनाझों' की फिल्म (महाराष्ट्र में प्रदर्शन के लिए) । |
| 3 7 . | वि घनग्रेटफुल मैन | 346.00 | फिल्म प्रभाग, 24, पैंडर रोड, बम्बई-26 । | 'डाकुमेंट्री' फिल्म । |
| 38. | सेव भान टैक्स | 2.0.00 | तवेथ | 'शिक्षा सम्बन्धी' फिल्म । |
| 39. | संत रामदास | 304.80 | एन०एस० गुप्त, समाचार कोन्नाय- रेटिव हाऊर्सिग सोसायटी, सेनापति बापट रोड, दादर-28 | 'डाकुमेंट्रो' फिल्म |
| 40. | सागा माफ वास्ये द्वार्ष | 457.00 | फिल्म प्रभाग, 24, पैकर रोड, । बम्बई-26 । | 'बाकुमेंट्री' फिल्म । |
| | सूरवास | 452.00 | ⊷तवेत्र— | 'बाक्नुमेंट्री' फिल्म । |
| 42. | माई एक्सपीरियन्स | 357.00 | मैसर्से प्रकाण एसोसियेट्स, तीसरातल, नघासारीचैम्बर्स, पी०टी० मार्ग,फोर्ट,वम्बर्६-1 । | ' बाकुमेंट्री' फिल्म । |
| 43. | ्भारतीय समाचार चित्र | 223.00 | फिल्म प्रभाग, 24, पैंडर रोड, | 'समाचार श्रौर सामयिक घटनाश्रो' |
| | संख्या 1554 | | बम्बई-26 । | की फिल्म। |
| 44. | भारतीय समाचार चित्र संख्या 1554 (पश्चिमी संस्करण) | 302.00 | फिल्म प्रभाग, 24,पैंडर रोड, सम्बई-26। | 'समाचार श्रौर सामग्रिक घटनाग्रों' की फिल्म । (पश्चिमी क्षेत्र में प्रदर्शन के लिए) । |
| 45. | भारतीय समाचार चित्र संख्या 1555 | 151.00 | −तदे य − | 'समाचार श्रीर सामयिक घटनाग्री' की फिल्म । |
| 46. | . भारतीय समाचार चित्र संख्या 1556 | 147.00 | –तदेव | —तवे य ⊸ |

| 1 2 | 3 | 4 | 5 | в |
|--|--------|---|---|---|
| 47. उत्तरप्रदेश समाचार संख्या 52 | 278.88 | बी० प्रभाकर, मैसर्स बम्बई फिल्म लैव०, सूचमा निवेशक, वादर । | | 'समाचार ग्रीर सामयिक घटनाश्रों की फिल्म (उत्तर प्रदेश सर्किट में प्रदर्शन के लिए) । |
| 48 उत्तर प्रवेश समाचार संख्या 53 | 281.93 | ⊷त्तवेष– | | ⊶तदेव— |
| 49. माहिती चित्र संख्या 283 | 182.88 | सहायक सूचना निवेशक (टी), गुजरात सरकार, धनराज महल, ग्राउंड फ्लौर, छन्नपति शिवाजी महाराज मार्ग, बम्बई-39। | | 'समाचार ग्रौर सामयिक घटनाभ्रों की फिल्म (गुजरात सर्किट में प्रदर्शन के लिए) । |
| 50. एडस्ट एजुकेशन फार बैटर सिविंग | 366.00 | श्री भ्ररविंद म <u>ट्टाचन्द्र प्रोडन्थान,</u> 71/1, राय ः वीः रोड, कलकत्ता-34 । | | 'डाकुमेंट्री' फिल्म । |
| 51. ऐन एनकाउंटर विव फेसिज | 566,00 | फिल्म प्रभाग, 24, पैंबर शोब, सम्बद्द-26। | | 'डाकुमेंट्री' फिल्म । |
| 5 2. इण्डिया | 315,00 | ⊷तवेद ⊸ | | त वैव- |
| 53. जरूरत की पूर्ति | 335,27 | चिवानन्द वास गुप्त, सी-10, कालिन्दी कालोनी, नई विल्ली-110014 । | | 'डाकुमेंट्री' फिल्म (धर्म-शहरं। धौर ग्रामीण क्षेत्रों में प्रदर्शन के लिए)। |
| 54. डोमेस्टिक इलेक्ट्रिकल्स ग्राफ इण्डि या | 404.00 | फिल्म प्रभाग, 24, पैंडर रोड, जम्बई। | | 'बाकुमेंद्री' फिल्म । |
| 5.5. संत गाडगे महाराज | 518.16 | सूचना और जन सम्पर्क महा- निवेशालय, महाराष्ट्र सरकार, फिल्म सेंटर, 68 तारदेव रोड, सम्बद्द-34 । | | 'डाकुमेंट्री' फिल्म (महाराष्ट्र सर्किट में प्रदर्शन के लिए)। |
| 5 6. स्विमिंग टूं स क्सै स | 504.00 | त वेव | | तदेव |

[फाइल संख्या 315/1/78-एफ (पी)] अर्गन देव मल्कि, डेस्क प्रधिकारी,

ORDER

New Delhi, the 27th October, 1978

S.O. 3241.—In pursuance of the directions issued under the provision of each of the enactments specified in the First Schedule to the order of the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting No. S.O. 3792 dated the 2nd December 1966, the Central Government after considering the recommendations of the Film Advisory Board, Bombay hereby approves the films specified in column 2 of the Schedule annexed hereto in all its/their language versions to be of the descriptions specified against it/each in column 6 of the said Schedule.

SCHEDULE

| SI. No. | Title of the film | | Length of film (in n | | e of the cant | Name of the Producer | Brief whether a synopsis scientifing or for educational purpose or a film dealing with new current event or documentar films. |
|------------|----------------------------|---|----------------------|-----|-----------------------|-------------------------|---|
| 1 | 2 | | 3 | J | 4 | 5 | 6 |
| 1. I | NR 1546 | | . 198. | | Division, nbay-25. | 24-Peddar Ro | oad, 'News & Current Events'. |
| 2. I | NR 1546 (Western Edition) | • | . 299. | 00 | -do- | | release in Western region, New & Current Events. |
| 3. I | NR 1547 | | . 254. | .00 | -do- | | 'Nows & Current Events' |
| 4. I | NR 1547 (Northern Edition) | • | . 301. | | Division, nbay-26. | 24-Peddar Ro | oad, release in Northern region, 'Ne and Current Events'. |
| 5. T | NR 1548 | | . 211. | 00 | -do- | | 'News & Current Events'. |
| | NR 1548 (Eastern Edition) | | . 298.0 | 00 | -do- | | 'News & Current Events' releas in Eastern region. |

| 1 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|-----------|--|---|---|
| 7. INR 1549 | 251.00 | Films Division, 24-P Bombay-26, | eddar Road, | 'News & Current Events'. |
| 8.1+1 7 | 294.00 | -do- | | 'Documentary'. |
| 9. INR 1549 (Southern edition) | 297.00 | -do- | | release in Southern region 'News & Current Events'. |
| 10. INR 1550 | 223.00 | -do- | | 'News & Current Events'. |
| 11. INR 1550 (Western Edition) | 287.00 | -do- | | release in Western region 'News & Current Events'. |
| 12. INR 1551 | 231.00 | -do- | | 'News & Current Events.' |
| 13. INR 1551 (Northern Edition) . | 303.00 | -do- | | release in Northern region 'News & Current Events.' |
| 14. INR 1552 | 208.00 | - do- | | 'News & Current Events.' |
| 15. INR 1552 (Eastern Edition) | 292.00 | -do- | | release in Eastern region, 'News & Current Events.' |
| 16. INR 1553 | 238.00 | -do- | | 'News & Current Events'. |
| 17. INR 1553 (Southern Edition) | 301.00 | - do- | | release in southern region, 'New & Current Events.' |
| 18. Destination Calcutta | 451.00 | Films Division, 24-1 Bombay-26. | Peddar Road, | 'Documentary'. |
| 19. Mirror of India-Andhra Pradesh . | 376.43 | Shri G.L. Bhardwa Film 341, Tardeo l | · · | 'Documentary'. |
| 20. Apni Dharti Apna Gaon | . 284.36 | V. Prabhakar, C/o. Lab., 149 R.B. S.I. Bombay-28. (2) The Director of I. Public relation, C. Lucknow. | K. Rd. Dadar, Information & | |
| 21. Maharashtra News No. 315 | . 246.00 | Directorate General tion & Public Re of Maharashtra Road, Bombay-34 | lations, Govt. 68-Tardco | |
| 22. Jamshedpur | . 466.34 | Jasmine Films (P) L Mehandi Road, I | | Documentary'. |
| 23. Assess Yourself | . 299,00 | Films Division, 24- Bombay-26. | Peddar Road | , 'Educational'. |
| 24. Mahiti Chitra No. 280 | . 228,60 | Asstt. Director of Govt. of Gujarat | | , release in Gujarat Circuit, 'New & Current Events.' |
| 25. Balco Comes of Age | . 473,00 | Chief Marketing & Bharat Aluminiu 'Punj House' 18, N. Delhi. (2) Shri I. C. Pande ty Fore Frames Production D-11 Enclave. New D | m Co. Ltd. Nehru Place y, M/s. Twen Motion Film , Panch Sheel | ·, |
| 26. Andhra Pradesh The Home of Handloor | ns 282.00 | Managing Director Film Developmer Hyderabad 'Gre Road. (2) Srl C.V.V.R. Pre Director Cine F. 6-3-628/8, Khai rabad. | at Corpn. Ltd. nhakalpa, M.J asad, Producer ilms, H. No | • · · · · · · · · · · · · · · · · · · · |

3102

| | | | 3 | 4 5 | 6 |
|--------------------------------|---|---|--------|---|---|
| 27. Harit Chhatra | | | 301.75 | Director General of Information & Public Relations, Govt. of Maharashtra Film Centre, 68- Tardeo Road, Bombay-34. | |
| 28. Nai Manzilen | | | 298.00 | Asstt. Director, Information & Publicity, Govt. of Madhya Pradesh, Bhopal. | release in Madhya Pradesh circuit "Documentary". |
| 29. We Build Our Own . | | • | 290.00 | Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-26. | "Documentary". |
| 30. For Peace and Friendship | | | 582.00 | -do- | "Documentary". |
| 31. Mahiti Chitra No. 281 . | | • | 243.84 | Asstt. Director of Information (I) Govt. of Gujarat. Dhanaraj Mahal, Ground Floor, Chhatra- pati Shivaji Maharaj Marg, Bombay-39. | release in Gujarat "News & Current Events". |
| 32. Mahiti Chitra No. 282 . | | • | 274.32 | -do- | release in Gujarat "News & Current Events". |
| 33. Maharashtra News No. 316 | | • | 290.00 | Directorate General of Informa- tion & Public Relations, Govt. of Maharashtra, Film Centre, 68-Tardeo Road, Bombay-34. | release in Maharashtra "News & Current Events". |
| 34. Ugantar (Revised) | • | | 292.61 | Director, Information & Public Relations Deptt., U.P., Lucknow. | release in Uttar Pradesh "Educa- tional". |
| 35. Chicken And Eggs | | | 338,00 | Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-26. | "Documentary". |
| 36. Maharashtra News No. 317 | | | 165.00 | Directorate, General of Informa- tion & Public Relations, Govt. of Maha. Film Centre, 68-Tar- deo, Bombay-34. | release in Maharashtra Circuit, "News & Current Events". |
| 37. The Ungrateful Man . | | • | 346.00 | Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-26. | "Documentary". |
| 38. Save On Tax | | | 280.00 | -do- | "Educational". |
| 39. Sant Ramdas | | • | 304.80 | N.S. Gupta, Samadhar Co-op. Housing Society, Senapati Bapa Road, Dadar-28 | |
| 40. Saga of Bombay High | | | 457.00 | Films Division, 24-Peddar Road Bombay-26. | "Documentary". |
| 41. Surdas | | • | 452,00 | -do- | "Documentary". |
| 42. My Experience | | • | 357.00 | M/s. Prakash Associates, 3rd floor, Navasarl Chambers, P.T. Marg, Fort, Bombay-1. | "Documentary". |
| 43. INR 1554 | | | 223.00 | Films Division, 24-Peddar Road, Bombay. | "News & Current Events". |
| 44. INR 1554 (Western edition) | | • | 302.00 | -do- | release in Western region and classified as News & Current Event. |
| 45. INR 1555 | | | 151.00 | -do- | "News & Current Events". |
| • | | | 147,00 | -do- | "News & Current Events". |

| 1 2 | | | | 3 | 4 | 5 | 6 |
|--------------------------|---------------------|---|---|--------|--|------------------------|---|
| 47. Uttar Pradesh Samac | har No. 52 | | | 278,88 | V. Prabhakar, M/s. Bom Lah. Director of Inf Dadar. | | release in U.P. circuit as 'News & Current Events'. |
| 48. Uttar Pradesh Samac | har No. 53 | | | 281.93 | -do- | | -do- |
| 49. Mahitichitra No. 283 | | • | | 182.88 | Asstt. Director of Inf. (T) Gujarat, Dhanaraj Ma und floor, Chatrapath Marg, Bombay-39. | hal, Gro- | release in Gujarat circuit, 'News & Current Events'. |
| 50. Adult Education for | better living | • | | 366,00 | Sr. Aurobindo Bhatta Productions, 7/1 Rai Calcutta 34. | | 'Documentary'. |
| 51. An Encounter With I | ac e s . | - | • | 566.00 | Films Division, 24-Pedda Bombay | ar Road, | 'Documentary'. |
| 52. India | | | | 315,00 | -do- | | 'Documentary'. |
| 53. Zaroorat Ki Poorti | • | | | 335.27 | Chidanad Das Gupta C-l di Colony, New Delh | | release in semi-urban and rural areas, 'Documentary'. |
| 54. Domestic Electricals | of India | • | • | 404.00 | Films Division, 24-Pedd Bombay. | ar Road, | 'Documentary'. |
| 55. Sant Gadage Mahara | j | - | - | 518.16 | Directorate General of tion & Public Relatio of Maharashtra, Filn 68-Tardeo Road, Bomb | ns, Govt. n Centre, | release in Maharashtra circuit, 'Documentary'. |
| 56. Swimming To Succes | s | | | 504.00 | - do- | | -do- |

[File No. 315/1/78-F(P)]

A. D. MALIK, Desk Officer

संचार मंत्रालय

(डाक तार बोर्ड)

मई दिल्ली, 24 अक्तूबर, 1978

का० ग्रा० 3242—स्थायी घादेण सख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 454 के खण्ड III के पैरा (क) के श्रनुसार डाक तार महानिदेणक ने योकानेर टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-12-78 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-27/78-पीए**चर्या** आर०सी०कटारिया, सहायक महानिदेशक (पी० एच० बी०)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS (P & T Board)

New Delhi, the 24th October, 1978

S.O. 3242.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S. O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, 757 GI/78—5

Posts and Telegraphs, hereby specifies the 1-12-1978 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Wankaner Telephone Exchange, Gujarat Circle.

[No. 5-27/78-PHB] R. C. KATARIA, Asstt. Director Gen. (PHB)

पूर्ति और पूनर्वास मंत्रालय

(पुनर्वास विभाग)

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1978

कां० ग्राठ 3243.— विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) ग्राध-नियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा पुनर्वास विभाग में सहायक बंदोबस्त आयुक्त के रूप में कार्य कर रहे श्री एच० जे० एल० गोस्थामी को, उक्त अधिनियम की धारा 22 के अधीन बंदो-बस्त आयुक्त को सौंपे गए कार्यों का निष्पादन करने के लिए, बंदोबस्त गामुक्त के रूप में नियुक्त करती है।

इससे ग्रधिसूचना सं० 1(15) विशेष सैल 78 एस II(vii) विनांक 3-8-1977 का ग्रधिश्रमण किया जाता है ।

[सं॰ 1(15) विशेष सैल/78 एस॰ एस II]

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION (Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 25th September, 1978

s.O. 3243.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 3 of the Displayed Persons (Compensation & Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1944), the Central Government hereby appoints Shri H. J. L. Goswami, Assistant Settlement Commissioner, Department of Rehabilitation, as Settlement Commissioner for the purpose of performing the functions assigned to a Settlement Commissioner under Section 22 of the said Act.

This supersedes notification No. 1 (15) / Spf. Cell/78-SS-II (vii) dated 3-8-1978.

[No. 1(15)/Spl. Cell/78-SS.II]

का० आ१० 3244. — बिस्थापित घ्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) प्रिधिन्तियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उप धारा (1) द्वारा प्रवत्त पक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा, पुनर्वास विभाग में सहायक बंदोबस्त श्रायुक्त के रूप में कार्य कर रहे श्री एव० जे० एल० गोस्वामी को उनत श्रधिनियम की धारा 9(ख) के अधीन बंदोंबस्त आयुक्त को सौंपें गए कार्यों का निष्पादन करने तथा 20 हजार रुपये से श्रधिक सत्यापित दावों के मामले के विवादों के संबन्ध में कार्यश्रीक करने के लिए, बंदोबस्त श्रायुक्त के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या-1(15) विशेष सैल 78-एस० एस०-II]

S.O. 3244.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby appoints Shri H. J. L. Goswami, Assistant Settlement Commissioner Department of Rehabilitation, as Settlement Commissioner for the purpose of performing the functions assigned to a Settlement Commissioner, under Section 9(b) of the said Act, in respect of any dispute where the value of the verified claim exceeds twenty thousand rupees.

[No. 1(15)/Spl. Cel1/78-SS.II]

का० आ० 3245.— निष्कांत सम्पत्ति प्रशासन श्रीधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा पुनर्वास विभाग में सहायक बंदोबस्त आयुक्त के रूप में कार्य कर रहे श्री एष० जे० एल० गोस्वामी को, उक्त अधिनियम या उसके अंतर्गत अमिरक्षक को मींपे गए कार्यों का निष्पादन करने के लिए, संघ शासित क्षेत्र दिल्ली के लिए, अभिरक्षक, निष्कांत सम्पत्ति के रूप में नियुक्त करती है।

इससे म्रिध्रमूचना सं०-1(15) विशेष सैल 78-एस० एस०-II(vi) दिलांक 3-8-78 का भ्रिक्षमण किया जाता है।

[सं॰ 1(15) विशोष सैल 78-एस॰ एस॰-II(vi)]

S.O. 3245.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 6 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), Central Government hereby appoints Shri H.J.L. Goswami, Assistant Settlement Commissioner in the Department of Rehabilitation as the Custodian of Evacuee Property for the Union Territory of Delhi for the purpose of discharging the duties imposed on the Custodian by or under the said Act.

This supersedes notification No. 1(15)/Spl. Cell/78-SSII(vl) dated 3-8-78.

[No. 1(15)/Spl. Cell/78-SS.II(vi)]

नई दिल्ली, 23 अन्तूबर, 1976

का॰ घा॰ 3246. — विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकार तथा पुनर्वास) प्रधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 34 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा निदेश देती है कि इसके द्वारा जिन्त प्रधिनियम की धारा 24 की उपधारा (4) के प्रधीन प्रयोग की जाने वाली शक्तियों का महाराष्ट्र सरकार के राजस्व तथा वन विभाग के सिचव द्वारा धपने सामान्य कार्यभार के प्रसावा उस राज्य में 'मुआवजा पूल' की सम्पत्तियों तथा भूमियों के बारे में प्रयोग किया जाएगा।

[सं० 1(24)/विणेष सैल/76-एस० एस०-]] दीना नाथ असीजा, संयुक्त निवेणक

New Delhi, the 23rd October, 1978

S.O. 3246.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 34 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby directs that the powers exercisable by it under sub-section (4) of Section 24 of the said Act shall be exercisable also by the Secretary to the Government of Maharashtra, Revenue and Forests Department, in addition to his own duties in respect of the lands and properties within that State and forming part of the 'Compensation Pool'.

[No. 1(24)/Spl. Cell/78-SS.II] DINA NATH ASIJA, Jt. Director

नई विल्ली, 20 धम्सूबर, 1978

का॰ आ॰ 3247.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) प्रधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 34 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए, मुख्य बंदोबस्त धायुक्त, इसके द्वारा, उत्तर प्रदेश सरकार के भूमि सुधार आयुक्त, राजस्य बोर्ड, जो बंदोबस्त धायुक्त की शिक्तयों का प्रयोग कर रहे हैं, को उत्तर प्रवेश राज्य सरकार को प्रधास निक तथा वित्तीय व्यवस्था के प्रधीन हस्तान्तरित मुधायजा पूल की सभी आर्जित निष्कान्त सम्पत्तियों के निपटान के लिए उक्त प्रधिनियम के प्रधीन बनाए गए नियम 87, 88, 90(1)(क), 90(1)(ख), 90(11), 90(12) तथा 101 के धन्तर्गत प्रपनी शिक्तयौ सौंपते हैं।

[संख्या 1 (22) / विशेष सैल / 78-एस० एस-2] कौशल कुमार, मुख्य घंदोबस्त भागुक्त

New Delhi, the 20th October, 1978

S.O. 3247.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 34 of the Displaced Persons (Compensation & Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Chief Settlement Commissioner hereby delegates to the Land Reforms Commissioner, Board of Revenue, Government of Uttar Pradesh exercising the powers of the Settlement Commissioner, his powers under rules 87, 88, 90(1)(a), 90(1)(b), 90(11), 90(12) and 101 framed under the said Act, for the purpose of disposal of all acquired evacuee properties forming part of the Compensation pool, transferred to the State Government of Uttar Pradesh, under administrative and financial arrangements.

[No. 1(22)/Spl. Cell/78-SS.II] KAUSHAL KUMAR, Chief Settlement Commissioner.

अम मंतालय

नई दिल्ली, 26 धम्दूबर, 1978

का० आ० 3248. — केन्द्रीय सरकार, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 (1948 का 11) की धारा 27 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिनियम की अनुसूची के भाग 1 में रोडोक्शाइड माइन्स में रोजगर जोड़ती है, जिसके ऐसा करने के आशाय की मूचना भारत के राजपन्न, तारीख 18 फरवरी, 1978 में पृष्ठ 499 पर प्रकाशित भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की श्रिधमूचना सं० का० ग्रा० 460, तारीख 30 जनवरी, द्वारा पहले ही दी जा चुकी है।

[सं॰ एस-32017(1) 74-अब्लू सी (एम अब्लू)]

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 26th October, 1978

S.O. 3248.—In exercise of the powers conferred by section 27 of the Minimum Wages Act, 1948 (11 of 1948) the Central Government hereby adds to Part I of the Schedule to that Act the employment in redoxide mines, notice of its intention to do so having already been given by the notification of Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 460 dated the 30th January published at page 499 of the Official Gazette dated 18th February, 1978.

[S. 32017(1)/74-WC(MW)]

नई दिल्ली, 30 प्रश्तूबर, 1978

का॰ आ॰ 3249. — भूपेन्द्र स्टेट प्रेंस, पटियाला (जिसे इसमें इसके पश्चाल् उक्त प्रेंस कहा गया है) ने कर्मेचारी भविष्य निधि एवं प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा (1क) के अधीन कर्मेचारी कुटुम्ब पेंगन स्कीम, 1971 से छूट के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार की राय में उक्त प्रेस के कर्मचारियों द्वारा अंगीकृत की गई तथा उन पर लागू पंजाब सिविल सेवा नियमों के प्रधीन बनाए गए पंजाब राज्य सरकार कुटुम्ब पेंगन नियम, 1964 के प्रधीन कुटुम्ब पेंगन के रूप में ऐसे कर्मचारियों को प्राप्य कायदे उन कायदों से कम नहीं हैं जो उक्त प्रधिनियम और कर्मचारी पेंगन स्कीम, 1971 के प्रधीन उसी प्रकार के किसी प्रन्य स्थापन के कर्मचारियों के लिए उपवन्धित किए गए हैं।

मतः भव केन्द्रीय सरकार, उक्त मधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1क) द्वारा प्रवत्त मिनतयों का प्रयोग करते हुए और यहां नीचे की विनिद्धिष्ट सतों के मधीन रहते हुए उक्त प्रैस को कर्मचारी कुटुम्ब पेंशन स्कीम, 1971 के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है; सर्ते:

- (1) उक्त प्रैस छूट के पश्चात् किसी समय केन्द्रीय सरकार की इजाजत के बिना कुटुम्ब पेंशन के रूप में प्राप्त फायवों की माक्षा को घटा नहीं सकेगा।
- (2) नियोजक ऐसे लेखा रखेंगे, ऐसे विवरण प्रस्तुत करेंगे और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाए वेंगे जिसका निर्देश केन्द्रीय सरकार समय-समय पर वे ।
- (3) उक्त प्रैस की कुटुम्ब पेंशन स्कीम के संचालन के सारे ब्याय जिसमें लेखा रखना, लेखा और विवरण प्रस्तुत करना, लेखाओं का धन्तरण भी घाता है, नियोजक को वहन करना होगा।
- (4) नियोजक जिसमें उक्त प्रैस की कुटुम्ब पेंशन स्कीम से नियमों की एक प्रति जैसे कि केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रनुमोदित हो

सारे सशोधन सहित, यदि कोई हो, स्थापन के सूचना पट्ट पर, मुख्य विशेषताओं के कर्मचारियों के बहुसख्यक की समझ में ग्राने वाली भाषा में श्रमुक्षाद के साथ, प्रवर्शित करेगा।

(5) केन्द्रीय पिवष्य निधि प्रायुक्त के पूर्व प्रनुमोदन के बिना पंजाब सिविल सेवा नियम के अधीन बनाए गए पंजाब सरकार कुटुम्ब पेंगन हकीम, 1964 के कुटुम्ब पेंगन स्कीम के नियमों में कोई संशोधन नहीं किया जाएगा। जहां संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां केन्द्रीय भविष्य निधि प्रायुक्त अपना अनुमोदन वेने से पहले कर्मचारियों को अपना बृष्टिकीण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा। [संख्या एस-35014/8/78-एफ० पी० जी०]

ग्रशोक नारायण, उप सचिव

New Delhi, the 30th October, 1978

S.O. 3249.—Whereas the Bhupindra State Press, Patiala (hereinafter referred to as the said Press) has applied for exemption from Employees' Family Pension Scheme, 1971 under sub-section (1A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952);

And whereas, in the opinion of the Central Government the benefits in the nature of family pension under the Punjab State Government Family Pension Rules, 1964 framed under the Punjab Civil Service Rules, applicable to the employees of the said Press are on the whole not less favourable to such employees than the benefits provided under the said Act, and the Employees' Family Pension Scheme, 1971 to employees in any other establishment of a similar character.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by subsection (1A) of Section 17 of the said Act, and subject to the conditions specified hereunder, the Central Government hereby exempts the said Press from the operation of all the provisions of the Employees' Family Pension Scheme, 1971.

Conditions

- (i) The said Press shall not, at any time after exemption without the leave of the Central Government, reduce the quantum of benefits in the nature of Family Pension.
- (ii) The employer shall maintain such accounts, submit such returns and provide for such facility for inspection as the Central Government may from time to time direct.
- (iii) All expenses involved in the administration of the family pension scheme of the said Press including maintenance of accounts, submission of accounts and return, transfer of accounts, shall be borne by the employer.
- (iv) The employer shall display on the notice board of the said Press a copy of the rules incorporating therein all amendments, if any of the family pension scheme of the said Press as approved by the Central Government along with a translation of the salient feature thereof in a language understood by the majority of the employees.
- (v) No amendment of the rules, of the family pension scheme of the Punjab Government Family Pension Scheme, 1964 framed under Punjab Civil Service Rules shall be made without the previous approval of the Central Provident Fund Commissioner. Where any amendment is likely to affect adversely the said interests of the employees, the Central Provident Fund Commissioner shall, before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

[File No. S. 35014/8/78-FPG] ASHOK NARAYAN, Dy. Secy.

New Deihi the 23rd October, 1978

S.O. 3250.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the Management of M/s S. Kantilal and Company (Private) Limited, Margao (Goa), and their workmen, which was received by the Central Government on the 13th October, 1978.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL No. 2, BOMBAY CAMP: MERMUGAO

Reference No. CGIT-2/6 of 1976

PARTIES:

Employers in Relation to the Management of Messrs S. Kantilal and Company (Private) Limited, Margao (Goa)

AND

Their Workman Shri Gurji Pal Arvodkar

APPEARANCES:

For the Employers:

No appearance

For the Workman:

No appearance Iron Ore Mining

Industry: State:

Goa, Daman and Diu

AWARD

- 1. The Government of India, in the Ministry of Labour, in exercise of their powers under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 14 of 1947 have referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication by their order No. L-26012(2)/76-D-IV(B) dated 20-2-1976:—
 - "Whether the action of the management of Messrs. S. Kantilal and Company (Private) Limited, Margao (Goa) in dismissing Shri Gujri Pai Arvodkar Garage Incharge of their Sencorda Iron Ore Mine, with effect from 23-10-1975, is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?"
- 2. The workman in his statement of claim stated that he had put in 17 years of honest service in Messrs S. Kantilal and Company (Private) Limited, Margao (hereinafter referred to as the company) as a garage incharge. The company dismissed him from service with effect from 23-10-1975 for alleged misappropriation of funds and gross-negligence in the performance of duties resulting in damage to their Michigan shovel to the tune of Rs. 45,000 approximately. Regarding the charge of misapptopriation he submits that on 25-6-1957 he was given a sum of Rs. 910 to be paid to Western India Tyre and Rubber Products, Ponda. He says he paid Rs. 700 the same day and with the permission of that Rubber Production company he retained the balance of Rs. 210 for personal use. He claims to have repaid that amount to M/s. Western India Tyre and Rubber Products on 4-9-75. Regarding the other charge he says that the said Michigan Shovel was sent from Sancorde Mine garage to Amona loading plot on 6-6-1975. After it was used for 3 or 4 days it broke down for want of oil in the differential. The workman submits that when he handed over the vehicle to be taken to Amona it was in good condition. On account of the reckless handling by the workman at Amone plot it got damaged. He says that he is not responsible for causing the admission of guilt was taken from him by false promises. For these reasons he submits the order of dismissal may be set aside and he may be reinstated in the company's service with full back wages and continuity of service.
- 3. The company in their written statement dated 28-4-1976 submits that on 6-6-1975 the Michigan Shovel was sent to Amona plot from Sancorde Mine garage. When it was operated on 9-6-1975 the Crown pinion of the machine got damaged for want of oil in the differential. The replacement of the damaged part would cost Rs. 45,000 approximately and the same has to be imported from abroad. Besides this the workman temporarily misappropriated Rs. 910 entrusted to him on 25-6-1975 to be paid to the Western India Tyres and Rubber Products, Ponda on behalf of the company. Only on 4-9-1975 the said amount was paid to that company. This conduct on the part of the workman has adversely affected the reputation of this company in

the matter of prompt settlement of their dues. They say that on these two charges two separate enquiries were held after giving due notice to the workman. They say that the workman had participated in this enquiry. The enquiry is said to have been conducted in accordance with the provisions of law and the principles of natural justice. The Enquiry Officer found the workman guilty of both charges, Thereafter the competent authority passed the order of dismissal. They say that the workman is not entitled to the relief of reinstatement.

- 4. Originally the cause of the workman was espoused by the Goa Mine Workers' Union, Vasco-da-Gama. On 30-1-78, Shri Prabhakar Dhende Secretary of the Union reported no instructions for the workman. Thereafter a notice was sent to the workman calling upon him to file him claim statement, in response to which he filed a statement of claim dated 3-3-1978. For the hearing date 19-5-1978 notice was sent to the workman by ordinary post. He did not appear. For the hearing date 25-9-1978 notices were sent to his residential address as well as to the address of the company where the workman is now said to be employed. Both the notices were served on the addressee on 9-9-1978 as can be seen from the postal acknowledgements. The workman has not cared to appear before the Court in response to these notices. Till the 28th September, 1978 the matter was adjourned to see if the workman would attend the Court. On 28-8-1978 he was set ex parte.
- 5. The points that arise for consideration on the above pleadings are :—
 - (i) Whether the enquiry was properly conducted in accordance with the participles of natural justice?
 - (ii) Whether the findings of the Enquiry Officer are based on proper evidence?
 - (iii) Whether the punishment imposed by the management is disproportionate to the misconduct with which the workman is charged?
 - (iv) To what relief?

Point 1:

6. I am satisfied that both the enquiries were conducted according to law and after giving the workman sufficient opportunity to place his case.

Point i held against the workman.

Point ii :

7. The workman herein during the relevant period was working as Garage incharge at the Sancorde Mine Garage of the company. The first allegation against the workman is that he failed to make prompt payment of a sum of Rs. 910 entrusted to him on 25-6-1975 to be paid to Messrs Western India Tyres and Rubber Products, Ponda. Only on 4-9-1975 the said amount appears to have been paid to that company. For this offence of temporary misappropriation, the workman was proceeded against departmentally. In support of the case of the Department one Shri Rebello was examined. He deposed that Messrs Western India Tyres and Rubber Products complained that a sum Rs. 910 due to them by way of retreading charges was not paid to them. The company protested saying that as per their ledger the said amount was sent on 25-6-1975 through the workman herein. Thereafter the workman was called upon to say whether the said amount was actually paid to the company or not. So the workman in his letter submitted that Rs. 700 were paid on the very next day and the baance of Rs. 210, was on 4-9-1975. Shri Rebello further deposed that the said statement of the workman could not be true in view of the letter from Messrs Western India Tyres and Rubber Products to the egect that the entire amount was paid on 4-9-1975 and that no part payment was received prior to that date. The workman did not choose to cross-examine this witness He also submitted that he had no witness or documents to produce by way of defence. Then the workman was generally questioned by the Enquiry Officer regarding the fact of the present case. During this statement the workman maintained that he paid Rs. 700 soon after the receipt of payment and the remaining Rs. 210 on 4-9-1975. On this evidence the Enquiry Officer found the workman guilty of misappropriation. The present version set out in the

statement of claim for the first time that with the permission of Western India Tyres and Rubber Products he retained R₈. 210 for the personal use cannot be accepted. I hold that the finding of the Enquiry Officer is based on proper evidence.

8. Regarding the second charge relating to gross-negligence of the workman herein in the maintenance of Michigan Shovel resulting in serious damage to that machine the facts are that the workman herein was employed as Garage incharge at Sancorda Mine of the Company. From that garage the said Shovel had to be sent to Amona Plot on 6-6-1975 for the purpose of loading barges. The workman handed over the Shovel to be taken to Amona Plot without checking the level of the oil in the differential within a short time after it started working on 9-6-1975, it got damaged for want of oil in the differential. The cost of replacement of Crown Pinion and other parts would be approximately Rs. 45,000/-. It is also said that the damaged parts had to be imported from U.S.A. or U.K. The case against the workman is that before handing over the Michigan Shovel he should have checked the oil levels viz., engine oil, transmission oil, lift oil and differential oil. Because he did not carry out this function the want of oil in the differential was not noticed when the Shovel was operated on 9-6-1975 as a result of which the Crown Pinion and certain other valuable parts estimated to cost Rs. 45,000/- were damaged. The company issued a chargesheet against the workman herein, the cleaner and several other persons that handled the machnie at the time of the break-down. The workman himself admitted during the course of his statement before the Enquiry Officer that it was the duty of the Garage in-charge to see that all the oils of the Shovel were at proper level. To the same effect were the statements of the other persons charged along with the workman herein. In the letter submitted by the workman on 16-10-75 he admitted that on account of his over-sight and mistake the company had suffered great loss. On the basis of this evidence the Enquiry Officer found the workman guilty of this misconduct. The finding of the Enquiry Officer was accepted by the Competent authority viz. the Director who imposed the punishment of dismissal from servic

Point II found against the workman.

Point III

9. It cannot be said that the punishment of dismissal imposed by the management is disproportionate to the gravity of the offence with which the woman is charged. The two items of misconduct are sufficiently serious to warrant the punishment in question.

Point IV:

10. In the result this reference is answered as follows:— The action of the management of Messrs. S. Kantilal and Company (Private) Limited, Margao (Goa) in dismissing Shri Gurji Pai Arvodkar the workman herein is justified.

P. RAMAKRISHNA, Presiding Officer

Dated the 30th September, 1978.

[No. L-26012/2/76-DIV/B] R. KUNJITHAPADAM, Under Secy.

प्रावेश

नई दिल्ली, 21 भन्तूबर, 1978

कां आ 03251. — केन्द्रीय सरकार की राग है कि इससे उपावत अनुसूची में विनिर्देश्ट विषयों के बारे में कारपोरेशन बैंक लिमिटेड, मंग-लौर के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

भौर केन्द्रीय सरकार, उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन करने के लिए निर्देशित करना बांछनीय समझती है;

मतः प्रव, भौद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के साथ पठित धारा 7क द्वारा प्रदेस गांक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक मौद्योगिक मिश्वकरण गठित करती है जिसके पीठासीन मिश्वकरी श्री एफ॰ एल॰ एफ॰ मिलवैरेस होंगे, जिनका मुख्यालय बंगलीर में होगा भीर उक्त विवाद को उक्त केन्द्रीय सरकार भौद्योगिक मिश्वकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

ब्रनुसूची

"क्या कारपारेशन बैंक लिमिटेड के प्रबंधतंत्र की बंगलौर स्थित बैंक की एवेन्यू रोड शाखा में चरिष्ठतम लिपिक, श्री के० के० किनी की, पर्यंवेक्षक स्टाफ, जो फरवरी, 1977 से छुट्टी पर गए थे, के स्थान पर पर्यवेक्षी ड्यूटी करने का भवसर न बेने की कार्यंशही न्यायोचित है? यदि नहीं, तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?"

[फा॰ सं॰ एल-12011/94/78-श्री॰ 2(ए)]

ORDER

New Delhi, the 21st October, 1978

S.O. 3251.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Corporation Bank Ltd., Mangalore and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7-A read with clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal the Presiding Officer of which shall be Shri F. L. F. Alvares with headquarters at Bangalore and refers the said dispute for adjudication to the said Central Government Industrial Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of the Corporation Bank Ltd. in not giving opportunity to Shrl K. K. Kirl, Scniormost Clerk in the Avenue Road Branch of the Bank at Bangalore to perform supervisory duties vice Supervisory Staff proceeding on leave since February, 1977 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

[F. No. L-12011/94/78-D. II. A.]

बावेश

नई विल्ली, 23 मन्तुबर, 1978

कार घार 3252. — केन्द्रीय सरकार की राथ है कि इससे उपाधक अनुसूची में विनिदिष्ट विषयों के बारे में आन्ध्र बैंक लिसिटेड, केन्द्रीय कार्यालय, हैवराबाद के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों घौर उनके कर्म-कारों के बीच एक शौधोगिक विवाद विद्यमान है;

भौर केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्दे-शित करना बांछनीय समझतो है ;

यत; प्रव, श्रीद्योगिक विवाद प्रिक्षितियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (ध) के साथ पढ़ित धारा 7क द्वारा प्रवत यक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक धौद्योगिक प्रधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन धिक्षकारी श्री सी० एल० नरसिन्ह राव होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा धौर उक्त विवाद को उक्त केन्द्रीय सरकार घौद्योगिक धिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्वेणित करती है।

प्रनुसूची

"क्या प्रान्ध्य बैंक लिमिटेड, हैवराबाव के प्रबंधतंत्र की, परिवीक्षा के प्रधीन सर्वश्री टी० प्रकाश राव, ई० सिवांक्षिणस तथा ए० राजेश्वर राव, लिपिकों को, श्रनुशासनिक कार्यवाही समाप्त होने से पूर्व, सितम्बर, 1975 में चपरासी के रूप में रिक्ट करने की कार्यवाही वैध तथा न्या-यौचित हैं ? यवि नहीं, तो ये कर्मकार किस प्रमुतोष के हकदार होंगे ?

[सं० एल-12011/43/77-की० 2(ए)]

ORDER

New Delhi, the 23rd October, 1978

S.O. 3232.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Andhra Bank Limited, Central Office, Hyderabad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7-A read with clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal the Presiding Officer of which shall be Shri C. L. Narasimha Rao with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Central Government Industrial Tribunal.

THE SCHEDULE

"Whether the action of the management of the Andhra Bank Ltd., Hyderabad in reverting S/Shri T. Prakash Rao, E. Sivalingam and A. Rajeswara Rao, Clerks on probation as Peons in September, 75 pending conclusion of disciplinary proceedings against them is legal and justified? If not, to what relief are these workmen entitled?"

[No. L-12011/43/77-D. II. A.]

भादेश

नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्तूबर, 1978

कां बार 3253.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपावत धनुसूची में जिनिजिब्द विषयों के बारे में बैंक घाफ बड़ौदा के प्रबन्धसंस से सम्बद्ध नियोजकों चौर उनके कर्मकारों के बीच एक घौद्योगिक विवाद विद्यमान हैं;

ग्रौर केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद की न्यायनिर्णयन के लिए िर्वेशित करना वांछनीय समझती है ;

मत: मब, भौगोगिक विवाद प्रधितियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (प) के साथ पठित धारा 7 के बारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक प्रौद्योगिक प्रधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन प्रधिकारी श्री प्रार० सी० इसरानी होंगे, जिनका मुख्यालय प्रहमदाबाद में होगा भीर उक्त विधाद को उक्त केन्द्रीय सरकार प्रौद्योगिक अधिकरण, प्रहमदाबाद को स्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

यनु सूची

"क्या बैंक आफ बहाँदा, गांधी रोड़, जिला क्लोस, मेहसाना की, बैंक की कलोल शाखा के प्रधान रोकड़िया, श्री की० के० पारीख की सेवा को 1-4-77 से समाप्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं, तो संबंधित कर्मेकार किस अनतीय का हकदार है?

[संख्या एस॰ 12012/120/77-की॰ (2ए)]

ORDER

New Delhi, the 24th October, 1978

S.O. 3253.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Bank of Baroda and their workman in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government consider it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7-A read with clause (d)) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal, the Presiding Officer of which shall be Shri R. C. Israni with headquarters at Ahmedabad and refers the said dispute for adjudication to the said Central Government Industrial Tribunal, Ahmedabad.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Bank of Baroda, Gandhi Road, Kalol Dist. Mehsana in terminating the services of Shri D. K. Parikh, Head Cashier, Kalol Branch of the Bank w.e.f. 1-4-77 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

[No. L-12012/120/77-D. II. A.]

S.O. 3254.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Bank of India and Shri H. P. Jain over back date confirmation, which was received by the Central Government on the 9-10-78.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I. D. No. 146 of 1977

In re:

The General Secretary, Central Bank of India Employees Union, Punjab, 28, Green Field Model Town, Ludhiana.

.. Petitioner

VERSUS

The Divisional Manager, Central Bank of India, Metro Motor Building,

Railway Road, Ambala Cantt.

.. Respondent.

PRESENT:

Shri R. C. Pathak with Shri S. M. Vikal, for the workman Shri H. L. Chhiber, for the Management.

AWARD

The Central Government as appropriate Government made a reference to Industrial Tribunal, Chandigarh u/s 10 of the I. D. Act, 1947 in the following terms:

- "Whether Shri H. P. Jain, Assistant Cashier-cum-Godown Keeper in the Jamuna Nagar Branch of the Central Bank of India is entitled to confirmation with effect from the 2nd March, 1965 and also to increment treating his date of continuous service as from the 2nd March, 1965.
- 2. Thereafter the reference was registered and usual notices were sent to the parties and issues were also framed by the Industrial Tribunal, Chandigarh. Thereafter the reference was transferred to Industrial Tribuanl, Delhi and finally the reference has been transferred to this Tribunal. This case was fixed for evidence and some evidence was in fact recorded but before evidence was completed, re-

presentatives of the parties appeared before me and stated that 'parties have arrived at a settlement and in view thereof a no dispute award may be passed in this case as per application Ex. A/1. I have perused the said application that the parties to above dispute have arrived at a amicable settlement of the above dispute have arrived at a amicable settlement of the parties on 22-23rd July, 1978 at Bombay; that in view of the mutual settlement of the dispute between the parties the dispute no longer survives and it is, therefore, prayed that the Hon'ble Tribunal may please make a no dispute award in the matter. The letter is signed by Shri S. M. Vikal, the General Secretary of the Union and the Assit. General Manager. In so far as the parties have mutually settled the matter under reference a no dispute award is hereby made in the reference. Parties are left to bear their own costs.

FURTHER AWARDED:

That the requisite number of copies of this award may be forwarded to the appropriate Government for necessary action.

Dated: the 23rd August, 1978

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer.

[No. L-12012/128/74-LR.III. D. I[A]

New Delhi, the 25th October, 1978

S.O. 3285.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Bikaner & Jaipur and their workmen over threat of strike from 31-3-1977 which was received by the Central Government on the 9-10-1978.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I. D. No. 205 of 1977

In re:

Shri Sunder Lal Sharma & Ors.

Petitioners

VERSUS

State Bank of Bikaner & Jaipur.

.. Respondents

PRESENT:

Shri R. L. Khandelwal, for the workman

Shri D. D. Parikh, for the Management.

AWARD:

The Central Government as appropriate Government vide its order No. L-12011/36/77-D. IIA dated the 5th December, 1977 referred an Industrial Dispute u/s 10 of the I. D. Act to this Tribunal in the following terms:

"Whether the action of the management of State Bank of Bikaner & Jaipur in discharging from service S/Shri Sunder Lal Sharma, G. C. Nibhani, R. D. uneja, M. R. Managani, P. M. L. Mathur, Mahesh Mishra, N. M. Patni, S. R. Aggarwal, I. U. Siddiqui and Baldeo Maghani, Clerks Head Officer and Shri G. K. Tandon, Cashier Johari Bazar Branch of State Bank of Bikaner and Jaipur. Jaipur vide its order dated 4th June, 1976, was justified? If not to what relief are they entitled?

2. After the reference was received it was ordered to be registered and notices were sent to the parties. Statement of claim was filed by the workman but thereafter before any written statement was filed the parties arrived at a settlement and the said settlement is Ex. S/1. I have persued Ex. S/1 and from the perusal thereof I find that the settlement is for the benefit of the parties and accordingly the settlement was ordered to be recorded. An award in terms of settlement Ex. S/1 is passed in the matter under reference. Settlement Ex. S/1 would form part as ammexure to the award. Parties would bear their own costs.

FURTHER AWARDED:

Requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal New Delhi

BEFORE THE C.G.I.T., NEW DELHI: CAMP--JAIPUR REFERENCE I.T. No. of 1978.

BTWEEN

S.L. Sharma and 10 others,

C/o. Rajasthan Bank Employees' Union, Punjab National Bank, BIKANER.

AND

State Bank of Bikaner & Jaipur,

JAIPUR.

IN THE MATTER OF REINSTATEMENT OF SHRI S. L. SHARMA AND 10 OTHERS

May it please the Hon'ble Tribunal.

- 1. The parties hereinabove have reached an amicable settlement in the matters scheduled in the above reference. The copy of the said settlement is attached hereto and marked Annexure 'A'.
- 2. In the result the parties hereinabove respectfully pray that the Hon'ble Tribunal pass a consent award in terms of the settlement and thereby dispose of the above reference.

Signed this 29th day of July, 1978 at Jaipur.

(Signatures)

1. S. L. Sharma

2. R. D. Juneja

3. P.M.L. Mathur

4. M.R. Nankani

4. M.K. Nankani

5. G.C. Nebhani

6. Mahesh Mishra

7. N.M. Patni

8. I.U. Siddiqui

S.R. Aggarwal
 Baldev Meghani

11. G.K. Tandon,

ANNEXURE 'A'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Whereas Shri S. L. Sharma and ten others were discharged from the services of the State Bank of Bikaner & Jaipur (the Bank) vide the respective letters dated 4th June 1976 and, whereas after discussions and serious consideration, it is felt desirable and expedient that a settlement is arrived at as hereinafter appearing, it is agreed between the parties as under:—

TERMS OF SETTLEMENT

I. Shni S. L. Sharma and the ten others viz., Sarvashri R. D. Juneja, P. M. L. Mathur, M. R. Nankani, G. C. Nebhani, Mahesh Mishra, N. M. Patni, I. U. Siddiqui, S. R. Aggarwal, Baldev Meghani and G. K. Tandon will be employed by the Bank without any regard to the past seniority except to the extent expressly mentioned anywhere herein with effect from the date of joining duty at the respective offices of the Bank at which the Bank will entertain their services.

II. On such employment they will be placed in the existing scale of pay relating to the clerical and cash department staff at the stage of pay indicated against their names below

- 1. R. D. Juneja-Rs. 515
- 2, S. L. Sharma-Rs, 370
- 3. P. M. L. Mathur-Rs. 420
- 4. M. R. Nankani-Rs. 395
- 5. G. C. Nebhani-Rs. 395
- 6. Mahesh Mishra-Rs. 240
- N. M. Patni—Rs. 255
- 8. I. U. Siddiqui-Rs. 240
- 9. S. R. Aggarwal-Rs. 213
- 10. Baldev Meghani-Rs. 213
- 11. G. K. Tandon-Rs. 270

They will be on probation for a period of six months.

The next increment for each of these eleven persons will fall due on the date of his joining duty.

III. None of the said elven persons shall be entitled to officiating chances and promotional opportunities for the first three years. Nor, will any of them draw any special allowances they draw before discharge.

IV. The balances to the credit of each of these persons in his respective account in the Provident Fund of the Bank will continue with the Fund and be the commencing balances in the member's and Bank's contributions accounts. The period they were in the service of the Bank before discharge will also count for gratuity.

V. Each of the eleven persons shall give a fetter individually undertaking not to give any cause for complaint about their conduct and behaviour.

Signed on this 29th day of July, 1978 at Jaipur

On behalf of Management

On behalf of the 11 employees

- 1, S. L. Sharma
- 2. R. D. Juneja
- 3. P. M. L. Mathur
- 4. M. R. Nankani
- 5. G. C. Nebhani
- 6. Mahesh Mishra
- 7. N. M. Patni
- 8. I. U. Siddiqui
- 9. S. R. Aggarwal
- 10. Baldev Meghani
- 11. G. K. Tandon

[No. L-12011/38/77-D-II. A]

S.O.3256.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the managemnt of State Bank of India and Shri Virendra Pratap Singh over discharge of service, which was received by the Central Government on the 9-10-78.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL

TRIBNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI
I.D. No. 82 of 1977

In re:

General Secretary, State Bank of Patiala Employees Union, 22-D, Chandigarh...Petitioner.

Versus

The General Manager, State Bank of Patiala, Dimal, Patiala—Respondent.

PRESENT:

Shri Maghar Sigh, the workman in person. Shri N. K. Kaushal, Law Officer of the Bank.

AWARD

The Central Govt, as appropriate Govt, vide its Order No. L. 12012/72/75-D.II/A dated the 11th August, 1975 made a reference uls 10 of the Industrial Dispute Act, 1947 in the following terms to the Industrial Tribunal, Chandigarh:

"Whether the Management of the State Bank of Patiala, Patiala is justified in terminating the services of Shri Maghar Singh, Armed Guard of the Meham Branch of the said Bank w.e.f. the 18th February, 1975? If not, to what relief is the said workman entitled?"

- 2. After the receipt of reference it was ordered to be registered and usual notices were sent to the respective parties and the parties had filed their statement of claim and the written statement as also replication. The following issues were struck by my Ld. Predecessor:
 - 1. Whether the services of Shri Maghar Singh, Armed Guard of the Meham Branch of State Bank of Patiala could not be terminated w.e.f. 18-2-75?
 - 2. If issue No. 1 is decided in favour of the workman and against the management, to what relief is the workman entitled?

The case was thereafter adjourned for evidence.

3. However before any evidence could be recorded this case was transferred to Central Govt, Industrial Tribunal, Delhi but no proceedings had taken place before that Tribunal until the case was transferred to this Tribunal in May, 1977. After the receipt of the case the workman sought permission to amend the claim which was allowed and the amended statement of claim was filed written statement also got filed Before any proceedings could take effect today an application has been filed by the workman in which it is stated that he was no longer interested to pursue the reference as he has settled the matter with the Bank and the same be filed as having been withdrawn. In pursuance of the said application statement of Shri Maghar Singh has been recorded;

"The matter has been settled. The Bank has agreed to pay me Rs. 403.20. In the reference a no dispute award be made."

Thereupon statement of Mr. N. K. Kaushal Law Officer of the Bank was recorded in which he has stated that he has read the above statement which was correct.

It is in these circumstances that this reference has come up for disposal before me. I have given my considered thought to the above settlement. Certainly the settlement is for the benefit of the workman and it would be appropriate to record it. Accordingly it is recorded.

In terms of the settlement recorded above, a no dispute award is made in this reference. Parties would be gone by their statements.

FURTHER AWARDED:

Requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Govt. for necessary action. Dated the 5th August, 1978.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer.
[No. L-12012/75/75|D. II. A.]

New Delhi, the 30th October, 1978

S.O. 3257.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes he following award of the Central Government Industrial Tribunal, Madras in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India, Madras and their workmen over retrenchment of staff, which was received by the Central Government on the 24-10-78.

BEFORE THIRU K. SELVARATNAM, B.A., B.L.,
PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL
MADRAS

(Constituted by the Central Government)

Wednesday, the 4th day of October, 1978

Industrial Dispute No. 11 of 1977

(In the matter of the dispute for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of State Bank of India, Madras.)

BETWEEN

The workmen represented by

The General Secretary, State Bank Staff Union, Madras Circle, No. 11, Philips Street, Madras-600001. (Substituted as per order dated 4-10-1978 in Misc. Appln. No. 128/78).

AND

The Chief General Manager, State Bank of India, Madras L.H.O., Post Box No. 187, 161, Moore Street. Madras-1.

REFERENCE:

Order No. F. No. L-12011/25/76-D. H. A, dated 29-1-1977 of the Ministry of Labour, Government of India.

This dispute coming on this day for hearing upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing of Thiruvalargal A. L. Somayaji and R. Armugham for Thiruvalargal Aiyar and Dolia, advocates for the Union and of Thiruvalargal Sanjay Mohan and N. K. Krishnakumar for Thiruvalargal King and Partridge, Advocates for the Management and the parties having filed an agreement and recording the same, this Tribunal made the following.

AWARD

This is an industrial dispute referred to this Tribunal tor adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Management of State Bank of India, Madras and their workmen in the matter of back wages, seniority in service, increments and stopping the employment of 768 temporary employees.

- (2) The following is the reference.
 - 1. Whether the action of the management of the State Bank of India in denying the benefits of back wages, seniority in service, increments and other benefits flowing from the reinstatement in service of 819, temporary employees who had been illegally retrenched from service is justified? If not to what relief are these 819 workmen entitled?
 - 2. Whether the action of the management of the State Bank of India, Madras Region in stopping the employment of 768 temporary employees who have not completed 240 days of attendance in a period of twelve months immediately preceding the termination of their service is justified? If not to what relief are these workmen entitled?
- (3) So far as the 1st issue is concerned, both parties filed a Settlement on 4-10-1978 and it was recorded. 757 GI/78—6

- (4) As regards 2nd issue is concerned, a joint endorsement was made on the claim statement stating that such of them who have not been re-employed out of total number of 768 persons will be offered employment by the Bank.
- (5) In the result an Award is passed in terms of the Settlement filed on the 1st Issue which will form part of the Award.
- (6) With regard to 2nd Issue, an Award is passed in terms of join; endorsement which runs as follows:
 - The parties agree that this Honourable Court may be pleased to pass an award on the following terms with regard to item (2) of the reference:—
 - "The list of 301 persons submitted by the Union as not having been offered employment yet out of the 768 persons referred as item (2) of the reference to this Honourable Court will be gone into by the parties and such of these as are agreed to have been covered by the number 766 shall be offered employment by the bank."

Dated, this 4th day of October, 1978.

K. SELVARATNAM, Presiding Officer [No. L-12011/75/76-D. II. A.]

S.O. 3258.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Hindustan Commercial Bank Ltd., Kanpur and S/Shri D. D. Bansal, Cashier and Y. K. Jain, Clerk of Kotal Branch over termination of services, which was received by the Central Government on the 26-10-78.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRI-BUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 20 of 1977

In re:

The Secretary, Rajasthan Bank Employees' Union, Rampura Bazar, Kota. . . Petitioner.

Versus

The Chairman, Hindustan Commercial Bank Ltd., 59/29 Kasturba Gandhi Marg, Kanpur.

... Respondent.

PRESENT:

Shri B. L. Khandelwal-for the workman.

Shri S. C. Tewari-for the Management.

AWARD

The Central Govt, as appropriate Govt, vide its Order No. L-12011/44/76-D. II. A. dated the 24th December, 1976 referred an Industrial Dispute u/s 10 of the I.D. Act in the following terms to this Tribunal:

Whether the action of the Agent of Hindustan Commercial Bank Limited Kota in terminating the services of S/Shri D. D. Bansal, Cashier and Y. K. Jain, Clerk w.e.f. 24th May, 1976 is legal and justified? If not, to what relief are the said workmen entitled?

2. After the reference was registered usual notices were sent to the parties and a statement of claim was filed on behalf of the workmen. A written statement was filed on behalf of the Bank and before any issue could be struck the parties arrived at a settlement and finding the settlement to be for the benefit of the workmen it was ordered to be recorded and it was recorded. In pursuance of the settlement, statement of Shri R. L. Khandelwal for the workman and Shri S. C. Tewari for the Bank was recorded. In the said statement they have stated, the parties have settled the dispute vide agreement dated 25th April, 1978. A no dis-

pute award be returned. In view of the statement recorded above a no dispute award is returned in the reference. Parties are left to bear their own costs.

FURTHER AWARDED

Requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Govt. for necessary action at their end.

Sd /-

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer

Dated, the 18th September 1978.

[No. L-12011/44/76-D. II. A.] R. P. NARULA, Under Secv.

यावेश

नई दिल्ली, 27 सिसम्बर, 1978

का॰ मा॰ 3259.--इससे उपावद अनुसूची में विनिर्दिष्ट मामणे अन न्याधालय (1) कानपुर के समक्ष लम्बित पड़े हैं।

भौर अप स्थापालम (1) कानपुर के पीठासीन प्रधिकारी केन्द्रीय सरकार, अस म्यायालय के पीठासीन प्रधिकारी के रूप में नियुक्ति के पाक्र नहीं है।

मतः सक, कैन्द्रीय सरकार भौद्योगिक विवाद अधिनियम, (1947 का 14) की, धारा 33 ख की उपधारा (1) द्वारा प्रवस शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्रम न्यायालय (1) कानपूर के समक्ष सम्बत उक्त मामलों से सम्बद्ध कार्यवाहियों को वापिस लेती है और उन्हें उक्त कार्यवाहियों के निपटान के लिए उक्त प्रधिनियम की धारा 7 के भधीन गठित केन्द्रीय सरकार श्रम स्यायालय, नई दिल्ली को स्यानान्तरित करती है और यह निदेश देती है कि केन्द्रीय सरकार श्रम न्यायालय, मई दिल्ली धागे कार्यवाही उसी प्रक्रम से करेगा, जिस पर वे उसे स्थानान्त-रित की गई थी और उसका निपटान विधि के धनुसार करेगा।

बन्स्वी

| त्रमांक सामसा संख्या | कर्मकार का नाम और पता | नियोजकका नाम और पता |
|-------------------------|---------------------------------|--|
| (1) (2) | (3) | (4) |
| | | मैसर्स सहायक महा प्रबन्धक इलाहबाद वैंक, हजरतगंत्र, शक्तकः। |
| | | प्रबन्धक, इलाहबाद बैंक प्रमीनाबाद लखनऊ। |

| (1) | (2) | (3) | (4) |
|-----|-----|-----|-----|
| | | | |

- 2. 46/75 श्री एस० एल० गुप्ता मार्फत उत्तर प्रदेश बैंक कर्मवारी परिसंघ. 26/194, बिरहाता रोड, कानपूर।
- मैसर्स प्रथ्यक्ष हिन्दुस्तान कम-शियल बैंक जिमिटेड, मुख्या-लय, बिराना रोड, कानपुर।
- 3. 1/76 श्री बी० एल० भगवाल मार्फत उत्तर प्रदेश वैंक कर्मेनारी परिसंघ, 26/ 104, बिरहाना कानपुर ।
 - मैसर्से धर्म्यका, हिन्दुस्तान कम-शियल बैंक लिमिटेड, मुख्या-लग, श्रिराना रोड, कानपुर।
- 4. 5/76 श्री धार० के० शर्मा सुपुत्र, क्षेत्रीय निवेशक, कर्मचारी श्री जयलाल शर्मामार्फत कर्मवारी राज्य स्रोमा संघ, निगम, कर्मचारी बी-2, कर्मचारी राज्य बीमा कालोनी, सर्वोदय-नगर, कानपूर ।
 - राज्य बीमा, उत्तर प्रदेश क्लेज, कर्मचारी राज्य बीमा भवत, सर्वोदय नगर, कानपुर । 2. क्षेत्रीय निवेशक, कर्मचारी
 - राज्य बीमा निगम, आश्रम रोड, इलाहाबाद-१।
 - महानिदेशक, कर्मवारी राज्य बीमा निगम, कोटला शेब, नद्वै विल्ली ।
 - 5. 8/76े श्रीबी० एम० सिंह सुपुत्र श्री मैसर्स महानिदेशक, कर्मचारी शिवचन्य सिंह, क्षेत्रीय कार्मालय कर्मचारी राज्य बीमा निगम, कर्मवारी राज्य बीमा भवन, सर्वी-बंध नगर, कानपुर।
 - राज्य बीमा निगम, कर्मेचारी राज्य बीमा बिंगलो, कोटला रोड़, नई दिल्ली ।
 - क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, कर्मचारी राज्य बीमा भवन, सर्वोदय नगर, कानपुर।
 - 6. 1/77 श्री दुर्गाचरण सुपुत्र श्री स्यामाचरण, वाहला कुवां भौक मार्फत श्री शिवचरण चान्दाचीक, दाहला कुकां लक्तनऊ ।
- भारत संघ मार्फत महा प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, बड़ौवा हाऊस, नई विल्ली ।
- 2. उप मुख्य विद्युत इजीनियर, उत्तर रेलवे, लोकोमोटिव वर्क्सोप, चारबार, लख-नऊ।
- सहायक कार्मिक प्रधिकारी, उत्तर रेलवे, सी और प्रब्ल्यु शापस घालम्बाग, लखनऊ।
- 7. 2/**7**7 श्री मोती लाल शुक्ला सुपुत्र श्री डी० पी० शुक्ला 105/477, श्रीनगर, भानपुर ।
 - मैसर्स महा प्रथम्धक, लघ् प्रायुध करिखाना, कानपुर, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार।
- 8. 3/77 श्री एच० एन० सिश्रा सुपुत जगवीश मिश्रा 1060/मार, धारमपुर एस्टेट, कानपुर ।

-ययोक्त-

| (1) (2) | (3) | (4) | (1) (2) | (3) | (4) |
|-----------|---|---|-------------------|---|--|
| 9. 4/77 | श्रो राधाकुष्ण मिश्रा | सर्से महा प्रबन्धक, लघु प्रायुध कारखाना, कानपुर, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार | ŕ | 7 श्री भार० सी० गुक्ल सुपुत श्री भ्यामनारायण गुक्ल. 35/172, बंगाली- मोह, कानपुर। | मैसर्स महा प्रबन्धक, लघु घायुध कारखाना, कानपुर, रक्षा मंद्रालय, भारत सरकार |
| 10. 5/77 | श्री सी० पी० पाठक, श्री एस० पी० पाठक, 346/12, शास्त्रीनगर, कानपुर। | -यथोक्त- | · | श्री एस० डी० शुक्ल सुपुत्र श्री गयासङ्घकर शृक्ल, 368/8, शास्त्री नगर, कानपुर। | -ययोक्त- |
| 11. 6/77 | श्री वाई ० एन० सिंह० भवोरिया सुपुत्रश्री बाब् सिंह, 471/5, शास्त्री | -धथोक्त∻ | | श्री पी० एन० मदूर, 118/564, कौशलपुरी, कानपुर। | -यथोक्त- |
| 12 7/77 | नगर, कानपुर श्री सतीश चन्च निगम एस०/ओ०-109/340, | -यथोक्स- | 26. 21/77 | श्री बी० के० पाण्डेय मुपूज श्री भरोसे पाण्डेय, 44/ 23, मिश्री बाजार, कानपुर। | -मधो व त- |
| 13. 8/77 | रामकृष्ण नगर, कानपुर। श्री गिज किशोर शर्मा सुपुत श्री मोती लाज शर्मा 109/23, नेहुरू नगर, कानपुर | -यथोक्त- | 27. 22 77 | श्री शोभा राम कनौजिया मुपुत श्री सरदार सिंह, कनौजिया, 23/12, विजय नगर, कानपुर । | -यथोक्त- |
| 14. 9/77 | श्री रामभल सुपुत्र श्री शिव कुमार प्रसाव, 144/2, विजय नगर, कानपुर। | -मबोक्त- | 28. 23/77 | श्री पवन कुमार सिंह सुपुत्र श्री मभिलाध सिंह, 324/6, जास्त्री नगर, कानपुर। | -गथोक्त- |
| | श्री समीयुलाह सुदुत भी बरकत पली, 109/1, शास्त्री नगर, कानपुर । | -यथोक्स- | 29. 24 /77 | भी धाई ० एम० सिंह सुपुत श्री एम० सिंह, 18/3, सीटे, किदवई नगर, | -ग्रयोक्त- |
| · | श्री गोविन्द सिंह सुपुत्र भी रामेप्परदीन, 110/80, रामफूष्णमगर, कानपुर। | -ययोक्त- | 30. 25/77 | कामपुर। भौ राजेन्द्र प्रसाद सुपुन्न श्री बाबूसाल शर्मा, 127 | -यथोक्त- |
| 17. 12/77 | भी साहेब सिंह सुपुत्र भी धाजय सिंह, 160/9, बिजय नगर, कानपुर। | -यथो गत - ः | 31. 26/77 | 189/, यू० बर्लाक, निराला नगर, कानपुर । भी भगवान वास, सुपुत | -यद्योक्स- |
| 18. 13/77 | श्री मार० डी० गुप्ता श्री जे० पी० गुप्ता, 181/9, | -यद्योक्त- | 32. 27/77 | भी डेवी लाल, 85/62, कोपर नंज, कानपुर। भी बी० के० मिश्रासुपुत | -यथोक्त- |
| 19. 14/77 | शास्त्री नगर, कानपुर । श्री के० एल० वास सुपुत्र श्री पी० के० वास, 127/ | -यथोक्त- | , | श्री सुन्दर मिश्रा, 5.3/3, स्यू नेवर कालोनी, बाबू पूर्वी, कानपुर । | |
| 20. 15/77 | 414, निराला नगर, कानपुर। श्री घार० के० साहुसुपुत | -यथोक्त- | 33. 28/77 | पी० एस० गुप्ता सुपुत्र भी महादेव गुप्ता, 119/ 336, रामनगर, कामपुर। | -यथोक्त- |
| £U. 15 // | श्री भारत कर साहु सुपुत्र श्री मदनशाल साहु, 103/293, जनरतगंज, कानपुर। | 4-11711 | 34. 29/77 | भी हरसरन सिंह, सुपुत भी गैंदा राम, 116/ 558, रावतपुर, कानपुर। | -यथोक्त- |
| 21 16/77 | भी एस० सी० शर्मा सुपुत्र भी गैवन लाल शर्मा, जी/539, घारमपुर, इस्- टेट, कानपुर। | -यथोक्त- | 35. 30/77 | श्री एम॰ प्रजमल सुपुत्र श्री प्रसगर पाली, 105/ 438, चमन गंज, कान- पुर। | -यचोक्त- |
| 22. 17/77 | श्री यू॰ पी॰ यादव सुपुत्र श्री एम॰ द्वार॰ यादव, 12/50, नवालटोली, कानपुर। | -प्रयोक्त- | 36. 31/77 | भी बी० एल० सेन सुपुत्र भी छोटे लाल सेन, 127/306, 4 ब्लाक, निराला नगर, कानपुर। | -यथोक्त- |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (1) | (2) | (3) | (4) |
|---------------|---------------|--|--|-------|----------------|---|---|
| 37. | 32/77 | श्री ए० घार० निगम सुपृत्त श्री घार० एस० निगम, 112/309, स्वरूप नगर, कानपुर। | मैसर्स महा प्रवस्थक, लघु प्रायुध कारखाना, कानपुर, रक्षा मन्नालय, भारत सरकार। | 49, | 44/77 | श्री बास किशन द्विवेदी सुपुत्र श्री श्रीराम द्विवेदी, 40/69, हास्पिटल रोड़. पैरीड, कानपुर। | खामा, कानपुर ५ का |
| | | श्रीः कें ० की० खान सुपुत्न श्री एम० श्राई० खान, 116/42, बी० रावतपुर, कानपुर। | -यय ोक्त - | 50. | 45/77 | श्री एस० सी० न्निपाठी सुपुत्र श्री बाबू राम न्निपाठी, 120/727, श्रोल्ड नारायणपुर, | -ययोक्त- |
| 39. | 34/77 | श्री पी० सी० दास सुपुत्र श्री जी० एम० दास, 110/66, जबाहर नगर, कानपुर। | -यथोक्त- | 5 1. | 46/77 | कानपुर। श्री ज्योतिभूषणसिंह सुपृष्ट श्री भीला सिंह, | -स थोश त- |
| 40. | 35/77 | श्री राम द्यासरे मिश्रा सुपुत्र श्री धातूलाल मिश्रा, | -यथो व त- | | | 85/287 लक्ष्मीपुरवा कानपुर । | |
| | | 122/130, सरोजिनी नगर, कानपुर। | | 5 2. | 47/ 7 7 | श्री राजकुमार, काटीयार सुपुत्र श्री रामनारागण काटीयार, टी० एन० | - य यो थ त- |
| 41. | 36 77 | श्री सीता राम मुपुत्र श्री सोने राम, ब्लॉक न० 3, क्लाटर न० 27/4, गोकिन्व नगर, कानपुर। | -यथीक्त-् | | | 329, सैन्शन एस० सी० एम०/सी० स्माल भार्मस फैन्धरी, कानपुर | |
| 42. | 37 /77 | श्री भ्रार० ही० सिंह सुपुत श्री सम्ब् सिंह, 11/4, लेबर कालोनी, जूही, कानपुर। | -मथ ोग्त ः, | 53. | 48/77 | श्री ग्रार० एन० मिश्रा सुपुत्र श्री एस० एन० मिश्रा, 119/301,राम- नगर,कानपुर | -यथोक्त- |
| 43. | 38/77 | श्री सुरेन्द्र सिंह नेगी सुपुत्र श्री केणर सिंह, टी० एन० 382, सैक्णन एस० सी० एम०/सी० सी० स्माल भार्मस फैक्टरी, कानपूर। | -ग्रथोक्त- | | , | श्री प्यारे लाल सुपुत श्री सतीश राम, 116/444, रावतपुर, कानपुर। | -स्थोकस- |
| 44. : | 39/77 | श्री सुरेन्द्र कुमार मिश्रा सुपुत्र श्री धार० डीं० मिश्रा, मकान न० 464, सी० ब्लाक, पानाकी, | -यथोक्त- | | | श्री सी० बी० मिश्रासुपुत्रः श्री प्रमीवाल प्रसाव मिश्रा, 74/131, धान- कुटटी, कानपुर | -यथी कत - |
| | | कानपुर । | | 56. | 52/77 | धनुसंधान सहायक (रसा- | महानिदेशक, भ्रार० डी० एस ० ्श्री० मामक नगर, लखनऊ। |
| 45. 4 | 40/77 | श्री पी० सी० क(टीयार सुपुत्र श्री राम घत्रतार काटीयार, 145/1,विजय नगर; मामपुर। | -यथो थ स- | | | यन) (ग्रार० डी०एस० ग्रो०) (एम० ग्रौर सी०) मानक नगर,लखनऊ | |
| 4 6. 4 | 1/77 | श्री एस० सी० गंगवर सुपुत्र श्री एस० एन० सिंह गंगवर, 45/5, विजय नगर,कानपुर। | -य योक् त- | 57- (| 53/77 | श्री राधा क्षण्ण सुपुत स्वर्गीय श्री मानसराम, 559/पार्ट-3, श्रीनगर प्रालमबाग, पी० एस० | लोको, जब्स्यू/शाप, चारबाग |
| 47- 4 | 12/77 | श्री राम बयाल सुपुत्र श्री श्री दोरे लाल, 124/ 1870, गोबिन्द नगर, कानपुर। | -यथोक्त- | | | कृष्णानगर, ग्रालमवाग, लखनऊ | लखनऊ । 3 भारत संघ मार्फत महा प्रबन्धक, उत्तर रेलचें,बड़ौबा हाऊस, नई दिल्ली । |
| 48. 4 | 13,177 | श्री एस० पी० वर्मा, सुपुत्र श्री एन० के० वर्मा, 204/7, णास्त्री नंगर, कानपुर। | -यथोक्त- | 58. 5 | 54/77 1 | श्री गुरमुख सिंह भुपुत्र श्री हरनाम सिंह, 555, जी० 58, जाफरखेरा, पी० एस० कृष्णानगर, झालम- बाग,लखनऊ। | -प्यमेक्स- उप मुख्य मैकिनिकल इंजी- नियर, उत्तर रेलवे, सी० शीर बब्स्य/शाप, शालमबाय, लखनऊ। |

| 1) (2 | 2) (3) | (4) | (1) (2) | (3) | (4) |
|----------------|---|---|------------|--|--|
| 59. 58, | /77 श्री श्रीनाथ यादय, पंजाब नेणनल बैंक, बी० घो० श्रमरौदा, सार्फत श्री घो० पी० निगम, राज्यकार | क्षेत्रीय प्रबन्धक, पंजाब नेशनल वैक, हजरतगंज, लखनऊ । | <u>-</u> - | श्री रामकृपाल चाती भाई० श्री० डब्ल्यू० (भालमबाग),उत्तर रेलवे, लखनऊ। | क्षेत्रीय श्रमायुक्त, (सी), 7/201, स्वरूप मगर, कानपुर। |
| | प्रध्यक्ष, पंजाब नेमानल बैक कर्मचारी, यूनियन उत्तर प्रदेश, 295/387, दीनदयाल रोड, प्राप्तरफ- बाग, लखनऊ। | | 66. 49/78 | श्री भजहर भली खान सुपुत्र श्री साकूबभली खान, टी० एन० 5/83, खी० ढब्स्यू, भाविनेन्स क्लोथिंग कारखाना, गाहजहांपुर। | महाप्रबन्धक घ्राडिनेंस क्लोधिंग कारखाना, शाहजहांपुरे । |
| o. 57 <i>)</i> | /17 श्री गोपी नाथ कोटे सुपुत्र स्वर्गीय श्री सुन्दरलास मार्फत भारतीय स्टेट बैंक, कानपुर। | भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय मुख्यालय, कानपुर की भीर से लेख 121 के क्षेत्रीय प्रबन्धक भारतीय स्टेट बेंक, | 67. 50/78 | श्री महमूद खान, सुपुत्र श्री रज्जब प्रली खान, धार्डि- नेन्स मलोभिंग कारखाना, गाहजहांपुर। | -यथो पत - |
| :1 50/ | /77 श्री राधा कियान सुपुत्र | स्थानीय मुख्यालय, माल, कानपुर। 1. महा कार्मिक प्रधिकारी | 68. 51/78 | श्री बलवरत सिंह सुपुत्र श्री प्रताप सिंह, भाकिनेत्स क्लोथिंग, कारखाना, | -य योक्त - |
| 11. 30 | श्री मनसा राम, 559 वी/3 श्रीनगर, भ्रालसवाग, पी० ऐस कृष्ण- नगर,भ्रालसबाग,ल प्य नऊ। | उत्तरी रेलचे, लखनऊ । 2. भारत संघ मार्णंत महा- प्रश्नन्थक, उत्तरी रेलचे, चहीद हाऊस नई विल्ली । 3. उप मुख्य विद्युत इंजीनियर, | 69. 52/78 | शाहजाहीपुर। अभे इजाज श्रहमद, सुपुत्र श्री शम्मी श्रहमद, शाःडि- नेन्स क्लोपिंग कारखाना, शाहजहांपुर। | -य थोक्त - |
| | | रेसवे ज्ञाप, चारबाग,लखनऊ | 70. 53/78 | अभी मुहम्मव टक्की, सुपुत्त श्री मुहम्मव प्रशी खान, धार्जिनेस्स क्लोचिंग कार- | -यथो क्त - |
| 2. 60/ | (77 श्री यू० एम० निगम सुपुत्र श्री एस० एस० मिगम, गुक्स क्लकं, उसरी रेलके, लखनऊ 45, बुपरापुर, उन्नाब । | अंबीय कामिक मिक्षकारी, उत्तरी रेलवे, सख्यमऊ । अंबीय मिक्षक उत्तरी रेलवे भव्यमऊ । अंबीय मैक्षिकल प्रधिकारी, उत्तरी रेलवे, लव्यमऊ । महा प्रवस्थक, उत्तरी रेलवे, विस्ली । | | खाना, जाहजहांपुर अर्थे कृष्ण कुमार मुपुत्र श्री भटकू लाल, भाविनेत्स क्सोधिंग कारखामा, जाह- जहांपुर। श्री इजसिहार भ्रली खान, भाविनेत्स क्लोधिंग कार- खाना, गाहजहांपुर। | -स् योक्त - -यथोक्स- |
| 3. 62/ | 77 श्री रामराज उपाध्याय मार्फत सस्टी सर्विस एजेस्सी, बड़ौदा बैंक, पोस्ट बाबस नं० 71, बिरहाना रोड,कानपुर। | मैससे एजेन्ट, मस्टी सर्विस, एजेन्सी, बड़ौदा बैंक, बिर- हाना रोड, कानपुर । | | सुपुत भी सुरजदेश प्रसाद श्रीभास्ता मार्फत श्रीभो० पी० माथुर, 117/के-36, सर्वोदयनगर,कानपुर । | विन्ड से यैंक लिमिटेड, 16 महात्मा गांधी रोड़ का पुर |
| 4. 63/ | 77 श्री राम कृपाल खालारी, वस्सं निरीक्षक (ए० एम० बी०),उत्तरीरेलवे, लखनऊ। | उत्तरी रेलवे, हजरतगंज, लखनऊ,। 2. क्षेत्रीय श्रमायुक्त (सी), | | श्री मायू राम मार्फत श्री स्रो० पी० मायुर, 117/ कै-36, सर्वोदय नगर, कामपुर। | उत्तर पूर्वी रेखबे, मार्फंट महाप्रवत्यक, गोरखपुर । उत्तर पूर्वी रेखबे, मार्फंट महाप्रवन्धक, कार्मिक अधि कारी, हजरतगंज, लखनऊ |
| | श्री घार० के० मलिक, संयोजक, उत्तरी रेलवे कर्मकार समन्वय समिति, मानक नगर, लखनऊ। घम्य। | 7/201, स्वरूप मगर, कामपुर। | 7.5. 58/78 | श्री गौरी शंकर सुपुत्र श्री मनसाराम भाफत उत्तर प्रदेश, राष्ट्रीय इंजीनिय- रिंग धीर जनरत श्रमिक संघ, 105/73.2, गांधी चौक, कानपुर। | मैससं सबु घायुध कारखामा कारपी रोड़, कानपुर 2 महानिषेशक, धायुध कार खाना भारत सरकार, रक्ष महालय, 6, ऐमपसाने ईस्ट कलकता-1 (परिचा |
| 5. 64/ | 77 श्री धार० के० मलिक, संयोजक, उत्तर रेलवे, कर्मकार समस्वय समिति, | क्षेत्रीय भ्रभियन्ता, उत्तर रेलवे, हुजरतगंज, लखनऊ । | · | [ri . III . 1000 | र्थगास)। (3)/78-की 1(ए)/की-4 (की) |

General Manager, N.

Engineer, N. Railway, Locomotive Workshop

Charbagh, Lucknow.

3. A.P.O. N. Railway, C

and W/shops Alam-

House, New Delhi.

Baroda

Railway,

3

Dahla Kuan Chowk

C/o Shri Shivcharan

Kuan, Lucknow.

Shyamacharan,

Sh. Durgacharan S/o 1. Union of India to

Chanda Chowk, Dahal 2. Dy. Chief Electrical

1 2

6. 1/77

Sh.

ORDER

New Delhi, the 27th September, 1978

S.O.3259.—Whereas the cases specified in the Schedule hereto annexed are pending before the Labour Court (I) Kanpur;

And whereas the Presiding Officer of the Labour Court (I) Kanpur is not eligible for appointment as the Central Government Labour Court;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the Sub-section (I) of Section 33 B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby withdraws the proceedings in

| relation to said cases pending before the and transfers the same to the Cen | | | | bagh, Lucknow. |
|---|--|-----------|--|--|
| Court, New Delhi, constituted under for the disposal of the said proceeding ral Government Labour Court, New the said proceedings from the stage ferred to it and dispose of the same | Section 7 of the said Act, and directs that the Cent- Delhi shall proceed with at which they are trans- | 7. 2/77 | Sh. Moti Lal Shukla S/o Sh. D.P. Shukla 105/ 477, Shrinagar, Kanpur | M/s. General Manager, Small Arms Factory, Kanpur Ministry of Defence Govt. of India |
| SCHEDULE | | 8. 3/77 | Sh. H.N. Mishra S/o | -do- |
| S. Case Name & Address of the No. No. the workman | Name & Address of the employers | | Sh. Jagdish Mishra 1060/&, Armapur Es- tate, Kanpur. | |
| 1. 44/75 Shri Jagat Narayan Kap- oor, 87, New Ganesh- ganj, Lucknow. | M/s. The Assistant General Manager, Allahabad Bank, | 9. 4/77 | Sh. J.N. Mishra S/o Sh. Radhakrishna Mishra, 112/307, Swarup Na- gar, Kanpur. | -do- |
| | Hazratganj, Lucknow. 2. The Manager, Allaha- bad Bank Aminabad, | 10. 5/77 | Sh. C.P. Pathak, Sh. S.P. Pathak, 346/12, Shastrinagar, Kanpur. | -do- |
| 2. 46/75 Sh. S.L. Gupta C/o U.P. Bank Employees Fede- | Lucknow. | 11. 6/67 | Sh. Y.N. Singh Bhado- riya S/o Sh. Babu Singh 471/5, Shastri- nagar, Kanpur. | -do- |
| ration, 26/104, Birhana Road, Kanpur. | cial Bank Ltd. Hd. Office Birana Road, Kanpur. | 12. 7/77 | Sh. Shatish Chand Nigam S./O. 109/340, Ram- krishnagar, Kanpur. | -do- |
| 3. 1/76 Sh. B.L. Aggarwal C/c U.P. Bank Employees Federation, 26/104 | M/s. The Chairman, Hindustan Commer- | 13. 8/77 | Sh. Gij Kishor Sharma S/o Sh. Motilal Sharma 109/23, Nehru Nagar, Kanpur. | -do- |
| Birhana Road, Kanpur 4. 5/76 Sh. R.K. Sharma, S/o Sh. | Office Birana Road, Kanpur. The Regional Director, | 14. 9/77 | Sh. Rambhal S/o Sh. Shiv Kumar Prasad, 144/2, Vijay Nagar, Kanpur. | -do- |
| Jailal Sharma C/o E.S. I.C. Employees Union, D-11 ESI Colony, | ESI, U.P. Region, ESI Bhawan, Sarvodaya- nagar, Kanpur. | 15. 10/77 | Sh. Samiullah S/o Sh. Barkat Ali, 109/I, Shastri Nagar, Kanpur. | -do- |
| Sarvođayanagar, Kan- pur. | | 16. 11/77 | Sh. Gobind Singh S/o Sh. Rameshwarddin, 110/80, Ramkrishna- nagar, Kanpur. | -do- |
| | ESI Corporation, Ashram Road, Allaha- | 17. 12/77 | Sh. Saheb Singh, S/o Sh. Ajay Singh, 160/9, Vijay Nagar, Kanpur. | -do- |
| | bad-9. 3. The Director General, ESI Corporation, Ka- | 18. 13/77 | Sh. R.D. Gupta Sh. J.P. Gupta, 181/9, Shastri Nagar, Kanpur. | -do- |
| 5. 6/76 B.M. Singh S/o Shri | | 19. 14/77 | Sh. K.L. Das S/o Shri P.K. Das, 127/414, Nirala Nagar, Kanpur. | -do- |
| Shivchand Singh, Regional Office ESI Corporation, ESI Bha- wan Sarvodaynagar, | neral, ESI Corporation, ESI Bangalow, Kotala Road, New Delhi. 2: Regional Director, ISI | 20. 15/77 | Sh. R.K. Sahu S/o Shri Madanlal Sahu, 103/ 293, General Ganj, Kanpur. | -do- |
| Kanpur. | Corporation, ESI Bhawan, Sarvodaya- nagar, Kanpur. | 21. 16/77 | Sh. S.C. Sharma S/o Sh. Gedanlal Sharma, G/539, Armapur Estate, Kanpur. | -do- |

| 1 | 2 | 3 | 4 | | 1 2 | . 3 | 4 |
|-----|----------------------|--|--|------------|-------------------|---|--|
| | 17/77 | Sh. U.P. Yadav S/o Sh. M.R. Yadav, 12/50, Gwaltoli, Kanpur. | M/s. The General Ma- nager, Small Arms Factory, Kanpur, Mi- nistry of Defence Go- | 40. | 35/77 | Sh. Rnm Asre Mishta S/o Sh. Dhatoolal Mishra, 122/130, Sarojini Nagar, Kanpur. | The General Manager, Small Arms Factory, Kanpur, Ministry of Defence, Government of India. |
| 23. | 18/77 | Sh. R.C. Shukla S/o Sh. Shyamnarayan Shukla, 35/172, Banglimohal, Kanpur. | vernment of India. | 41. | 36/77 | Sh. Sita Ram S/o Sh. Sone Ram, Block No. 3, Quarter No. 27/4, Gobindnagar, Kanpur. | -do- |
| 24. | 19/77 | Sh. S.D. Shukla S/o Shri Gayas-hukar Shukla, 368/8, Shastri Nagar, Kanpur. | -do- | 42. | 37/77 | Sh. R.D. Singh S/o Sh. Jhabbu Singh, 11/4, Labour Colony, Juhi, Kanpur. | -do- |
| | 20/77 | Kaushalpuri, Kanpur. | -do- | 43. | 38/77 | Sh. Surendra Singh Negi S/o Shri Keshar Singh, T.N. 382, Section S.C. | -do- |
| 26. | 21/77 | Sh. B.K. Pandey S/o Sh. Bharoshe Pandey, 44/23, Mishri Bazar, Kanpur. | -do- | 44. | 39/77 | M./C.C. Small Arms Factory, Kanpur. Sh. Surendra Kumar Mi- | -do- |
| 27. | 22/77 | | -do- | | | shra S/o Sh. R.D. Mishra, H.N. 464, C Block, Panakee, Kan- pur. | |
| 28. | 23/77 | Nagar, Kanpur. Sh. Pavan Kumar Singh S/o Sh. Abhiladh Singh | -do- | 45 | . 4 0/77 | Sh. P.C. Katiyaar S/o Sh. Ram Auvtar Kati- yaar, 145/1, Vijay Nagar, Kanpur. | -do- |
| 29. | 24/77 | 324/6, Shastrinagar, Kanpur. Sh. I.M. Singh S/o Sh. | -do- | 4 6 | . 41/77 | Sh. S.C. Gangwar S/o Sh. M.N. Singh Gang- war, 45/5, Vijay Na- gar, Kanpur. | -do- |
| 20 | 06/77 | M. Singh, 16/3, Seete, Kidwai Nagar, Kan- pur. | | 47 | . 42/77 | | -do- |
| 30 | . 25/11 | Sh. Rajendra Prasad S/o Sh. Babulal Sharma, 127/189, U. Block, Nirala Nagar, Kan- pur. | -do- | 48 | 3 . 4 3/77 | pur. | -do- |
| 31 | . 26/77 | Sh. Bhagwan Das S/o Sh. Chhedilal, 85/62, Koper Ganj, Kanpur. | -do- | 49 | 0, 44/77 | Sh. Bal Kishan Dwivedi S/o Sh. Sriram Dwivedi, 40/69, Hospital Road, Pareld, Kanpur. | -do- |
| 32 | . 27/77 | Sh. B.K. Mishra S/o Sh. Sunder Mishra, 53/3, New Labour Colony, Babu Purva, Kanpur. | -do- | 50 |), 45/7 | | -do- |
| 33 | . 28/77 | Sh. P.L. Gupta S/o Sh. Mahadeb Gupta, 119/336, Ramnagar, Kanpur. | | 5 | 1 , 4 6/7 | 7 Sh. Jyotibhushan Singh S/o Sh. Bhola Singh, 85/287, Lakshmipurva Kanpur. | -do- |
| | | Sh. Harsaran Singh, S/o Sh. Genda Ram, 116/ 556, Rawatpur, Kan- pur. | | 5 | 2. 4 7/7 | 7 Sh. Raj Kumar Katiyar S/o Sh. Ramnarayan Katiyar, T.N. 329, Section S.C.M./C.C. Small Arms Factory, | -do- |
| 35 | 5. 30/77 | 7 Sh. M. Ajamal S/o Sh. Asgar Ali, 105/438, Chaman Ganj, Kanpur, | | 5 | 3. 48/7 | Kanpur. 7 Sh. R.N. Mishra S/o | -do- |
| 36 | 5. 31/77 | Sh. B.L. Sen, S/o Sh. Chhote Lal Sen, 127/ 306, 4 Block, Nirala | • | 4 | A 40/3 | Sh. S.N. Mishra, 119/ 301, Ramnagar, Kan- pur. | do |
| 37 | 7. 32/7 ⁻ | Nagar, Kanpur. 7 Sh. A.R. Nigam S/o Sh. R.S Ni gam, 112/309, | | J | 4. 49/7 | 77 Sh. Pyare Lal S/o Sh. Satish Ram, 116/444, Rawatpur, Kanpur. | -do- |
| 38 | 8. 33/7 | Swarup Nagar, Kan- pur. 7 Sh. K.B. Khan S/o Sh M.I. Khan, 116/42, B | do- | | 55. 50/1 | 77 Sh. C.B. Mishra S/o Sh. Amibal Prasad Mishra, 74/131, Dhankutti, Kanpur. | -do- |
| 39 | 9. 34/7 | Rawatpur, Kanpur. 7 Sh. P.C. Das S/o Sh. G M. Das, 110/66, Jawahar Nagar, Kanpur. | - -d o- | : | 56, 52 /7 | | R.D.SO. Manak Naga |

| 1 2 | • | 4 | 1 2 | 1 | [1 AK1 11—36C. 3(11)] |
|-------------------------|---|--|-----------|--|---|
| $\frac{1}{57. \ 53/77}$ | 3 Sh. Radhakishan S/o | 1. Divisional Superinten- | -1 2 | Railway, Casual Wor- | 7/201, Swarup Nagar, |
| | 559/Part-3, Srinagar, way, Luc Alambagh, P.S. Krish- 2. Dy. Chie nanagar, Alambagh, Engineer, | | | kers Co-ordination Committee, Manak Nagar, Lucknow. 3. Others. | Kanpur. |
| | | 3. Union of India, To General Manager, Northern Railway, Baroda House, New Delhi. | 65. 64/77 | Sh. R.K. Malik, Conve- nor, Northern Railway, Casual Workers, Co- ordination Committee, Manak Nagar, Luck- now. | The Divisional Engineer, Northern Railway, Hazratganj, Lucknow. |
| 58. 54/77 | Sh. Gurmukh Singh S/o Sh. Harnam Singh, 555 G/58, Jafarkhera, P.S. Krishnanagar, Alam- bagh, Lucknow. | 1do- 2. Dy. Chief Mechanical Engineer, Northern Railway, C & W/ Shop, Alambagh, Lucknow. | 46 40/79 | Sh. Ram Kripal Khat- tri J.O.W. (Alambagh), N. Railway, Lucknow. | Commissioner (C), 7/201, Swarup Nagar, Kanpur. |
| 59. 56/77 | jab National Bank, B. O. Amroda, C/o Sh. O.P. Nigam, Statewise | | 66. 49/78 | Sh. Ajhar Ali Khan S/o Sh. Yakoob Ali Khan, T.N. 5/83, D.W. Ord- nance Clothing Fac- tory, Shahjahanpur. | The General Manager, Ordnance Clothing Factory Shahjahan- pur. |
| | President, P.N.B.E. Union, U.P., 295/387, deendayal Road, Asarafbagh, Lucknow. | | 67. 50/78 | Sh. Mahmood Khan S/o Sh. Rajjab Ali Khan, Ordnance Clothing Factory, Shahjahanpur. | do |
| 60. 57/77 | Sh. Gopi Nath Kote S/o Late Sh. Sunderlal, C/o State Bank of India, Kanpur. | The State Bank of India, Local Head Office, Kanpur to—The Regi- onal Manager of Re- gion 121, S.B.I., L.O. | 68. 51/78 | Sh. Balwant Singh S/o Sh. Pratap Singh, Ord- nance Clothing Fac- tory, Shahjahanpur. | do |
| 61. 59/77 | Sh. Radha Kishan S/o Sh. Mansaram, 559/B/ 3, Shrinagar, Alambagh P.S. Krishnanagar, | • | 69. 52/78 | Sh. Aijaj Ahamad S/o Sh. Sammi Ahamad, Ordnance Clothing Factory, Shahjahan- pur. | do |
| | Alambagh, Lucknow. | General Manager, Northern Railway, Baroda House, New Delhi. 3. Dy. Chief Electrical | 70. 53/78 | Sh. Muhammed Takki S/o Sh. Muhammed Ali Khan, Ordnance Fac- tory, Shahjahanpur. | ~-do |
| | | Engineer, Railway Shop Charbagh, Lucknow. | 71. 54/78 | Sh. Krishna Kumar S/o Sh. Natdu Lal, Ordnan- ce Clothing Factory, Shahlahanpur. | do |
| 62. 60/77 | Sh. U.N. Nigam S/o Sh. S.S. Nigam, Goods Clerk, Northern Rail- way, Lucknow, 45, Dupardpur, Unnao. | Divisional Personnel Officer, N.R. Lucknow. Divisional Superitendent, N.R., Lucknow. | 72. 55/78 | Shri Iktihar Ali Khan, Ordnance Clothing Factory, Shahjahan- pur. | do |
| | | Divisional Mechanical Officer, N.R., Lucknow. General Manager, N.R., New Delhi. | 73. 56/78 | Sh. Ramesh Chandra Srivastava S/o Sh. Surajdev Prasad Srivastava C/o Sh. O.P. Mathur, 117/K-36, Sarvoday- | Grindlays Bank Limi- ted, 16, Mahatma Gandhi Road, Kan- pur. |
| 63. 62/77 | Sh. Ramraj Upadhyay C/o Multi Service Agency, Bank of Baro- da, P.B. No. 71, Birhana Raod, Kanpur. | M/s Agent, Multi Service Agency, Bank of Baroda, Birhana Road, Kanpur. | 74. 57/78 | Nagar, Kanpur. Sh. Gobind Prasad S/o Sh. Nathu Ram C/o Sh. O.P. Mathur, 117/ | 1 North Eastern Railways, C/o Goneral Manager, Gorakhpur. |
| 64. 63/77 | Sh. Ram Kripal Khalari, Inspector of Works (A.M.B.), Northern Railway, Lucknow. 2. Shri R.K. Malik, V Convenor, Northern | M/s. Divisional Engineer, Northern Railway, Hajratganj, Lucknow. 2. Regional Labour Commissioner (C), | | K-36, Sarvoday Nagar, Kanpur. | 2. North Eastern Railways, C/o General Manager, Personnel Officer, Hazratganj, Lucknow. |

3 4 75. 58/78 Sh. Gouri Shankar S/o M/s Small Arms Factory, Sh. Mansaram, C/o Kalpi U.P. National Engi-Kanpur. ncering and General 2. D.G.O.F., Government of India, Mini-Workers Union, 105/ 732, Gandhi Chowk, stry of Desence, 6, Kanpur. Esplanade East, Calcutta-1. (West Bengal).

[No. S-11020(3)78-DI (A)/D IV(B)]

प्रावेश

मई विस्ली, 9 प्रक्तवर, 1978

का॰ आ॰ 3260.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाध्य अनुसूची में विनिर्विष्ट विषयों के बारे में सिंगरैनी कोयलरीज कम्पनी लिमिटेड, गोदावरी खानी, रामागुन्डम डिवीजन-I, जिला करीम नगर, धान्ध्र प्रदेश के प्रबन्धसल से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औधो-गिक विषय विद्यान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाध को न्यायनिर्णयन के लिए निर्वेशित करना चाछनीय समझती है;

प्रतः, श्रम, औद्योगिक विवाद प्रधितियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रथस शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक औद्योगिक प्रधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीम प्रधिकारी श्री सी० एल० नरसिम्ह राज होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त ध्रधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

ग्रम्स्ची

क्या सिंगरेनी कोलियरीज कस्पनी लिमिटेंड, रामागुन्डम डिघीजन न० 1, गोदावरी खानी के प्रबन्धतंत्र की, श्री सुदुला येन्कटी, कीयला फिलर को, 16-8-76 से सेवा से हटाने की कार्यवाही न्यायोचित हैं ? यदि नहीं, तो सम्बन्धित कर्मकार किस श्रनुतीय का हकदार है ?

[फा॰सं॰ एल-21012(12)/78-की-4(बी)]

ORDER

New Delhi, the 9th October, 1978

S.O. 3260.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Singareni Collieries Company Limited, Godavari Khani, Ramagundam Division-I, Karimnagur District, Andhra Pradesh and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereta annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri C. L. Narasimha Rao shall be the Presiding Officer with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Singareni Collicries Company Limited, Ramagundam Division No. 1, Godavari Khani in removing Shri Sudula Venkati, Coal Filler from service with effect from 16-8-76 is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?

[F. No. L-21012(12)/78-D-IV(B)]

द्यावेश

नई दिल्ली, 19 अन्तुबर, 1978

का० ग्रा० 3261.—यतः केन्त्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायक ग्रानुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैससे सिगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, गोदायरी खानी न० 5 इन्कलाइन, रामागुन्डम डिवीजन-2 गोदावरी खानी (पो० ग्रा०) ग्रान्ध्र प्रदेश के प्रवन्ततंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कमंकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यंतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयम के लिए निर्देशित करना योछनीय समझती है ;

श्रतः श्रवः, औद्योगिक विवाद श्रविनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा श्रवत्त गर्भितयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक औद्योगिक श्रविकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री सी०एल० नरिसम्ह राव होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त श्रविकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

ग्रनुसूची

क्या मैसर्स सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड के प्रबन्धसल की श्री कसरला नरसाय्या, भूतपूर्व नैमित्तिक कर्मकार गोदावरी खानी न० 5 इन्कलाइन, गोदावरी खानी, की सेवा 7-9-76 से समाप्त करने की कार्य-वाही न्यायोचित है? यदि नहीं, तो सम्बन्धित कर्मकार किस प्रनृतोष का हकदार है ?

[फा॰सं॰ एल-21012(15)/78-डी-4(बी)]

ORDER

New Delhi, the 19th October, 1978

S.O. 3261.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of M/s. Singareni Coilieries company Limited, Godavari Khani No. 5 Incline, Ramagundam Division-II, Godavari, Khani (PO) Andra Pradesh and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri C. L. Narasimha Rao shall be the Presiding Officer with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of M/s. Singareni Collieries Company Limited, in terminating the services of Shri Kasarla Narsaiah, Ex-Casual Worker, Godavari Khani No. 5 Incline, Godavari Khani with effect from 7-9-76 is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?

[F. No. L-21012(15)/78-D-IV(B)]

स्र)देश

नई दिल्ली, 20 अम्तूबर, 1978

का० ग्रा० 3262.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स सिगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमि-टेड, येलन्दु कोलियरी, खमाम जिला, येलन्दु, ग्रान्ध्र प्रदेश के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उपत विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना बोळनीय समझती है ; भ्रतः, श्रवः, औद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की द्यारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त भिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक औद्योगिक भ्रधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन श्रधिकारी श्री सी० एल० नरसिम्ह राख होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त श्रधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशिस करती है।

बनुसुची

क्या सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, येलन्तु डिवीजन के प्रबन्ध-तंत्र की भूतपूर्व कौकीदार, श्री पी० सत्यनारायण, को 1-2-77 से सेवा से बर्खास्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं, तो सबन्धित कर्म-कार किस श्रनतीय का हकदार है ?

[फा॰ सं॰ एल-21012(17) 78-डी॰-4(बी)]

ORDER

New Delhi, the 20th October, 1978

S.O. 3262.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of M/s. Singareni Collieries Company Limited, Yellandu Colliery, Khammam District, Yellandu, Andhra Pradesh and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri C. I.. Narasimha Rao shalf be the Presiding Officer with headquarters at Hyderabad and refers the said disput for adjudication to the said Triebunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Singarent Collieries Company Limited, Yellandu Division in dismissing Sri P. Satyanarayana ex. Watchman from service from 1-2-77 is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?

[F. No. L-21012(17)/78-D-IV(B)]

आवेश

कारुबार 3263.— यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमि-टेंड, गान्ति खानी, वेल्लमपस्ली डिवीजन-II बेल्लमपल्ली, जिला प्रदिसा-बाद, भान्ध्रप्रदेश के प्रवन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना बांछनीय समझती है ;

भतः, भवः, औद्योगिक विवाद प्रशिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (व) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक औद्योगिक श्रधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन श्रधिकारी श्री सी०एन० नरिसम्ह राव होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विश्राद को उक्त श्रधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

श्रनसूची

क्या प्रभागीय श्रधीक्षक, बेस्लमपरली, डिबीजन-II, मैंसर्स सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, बेस्लमपरली, जिला श्रदिसाबाद (श्रान्ध्र प्रवेश) की श्री बाडे रामास्थामी को 31-7-77 से सेवा से बर्खास्त करने की कार्यवाही न्यायोजित हैं? यदि नहीं, तो सम्बन्धित कर्मकार किस श्रनु-सोज का हकदार है?

[फा० सं० एल-21012(16)/78-डी० 4-(बी)] भूपेन्द्र नाथ, डस्क अधिकारी

ORDER

S.O. 3263.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of M/s. Singareni Collieries Company Limited, Shanti Khani, Bellampalli Division II, Bellampalli, Adilabad District, Andhra Pradesh and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri C. L. Narsimha Rao shall be the Presiding Officer with readquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the Divisional SuperIntendent, Bellampalli Division-II, Messrs Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli, Adilabad District (Andhra Pradesh) in dismissing Shri Bade Ramaswamy from service with effect from 31-7-77 is justified ? If not, to what relief is the concerned workman entitled ?

[F. No. L-21012(16)/78-D-IV(B)] BHUPENDRA NATH, Desk Officer

द्यावेश

नई दिल्ली, 9 धनतुबर, 1978

कां ज़्रा॰ 3264.---यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपावस अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में न्यू इंडिया एशोरेन्स कम्पनी लिमिटेड, मद्रास के प्रबन्धनंद्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाब विद्यमान है;

और यत: केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को त्यायनिर्णयन के लिए निर्वेशित करना वांछनीय समझती है ;

श्रतः, श्रवः, औश्रोगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रवत्त ग्राक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक औद्योगिक श्रिधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन श्रिधकारी श्री के० सेल्यरतनम होंगे, जिनका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त विवाद को उक्त श्रिक्ष करण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्वेशित करती है।

धनुसूची

क्या श्री बी० कृष्णस्थामी, श्रस्थायी चौकीवार (वाचमैन) नियमित श्राधार पर नियुक्ति और कम्पनी के श्रन्य नियमित कर्मचारियों को धनु-मेय वेतनमान एवं भक्तों तथा सभी श्रन्य फायवों का हकदार है? यदि हो, तो किस तारीख से ?

> [एस-17012(7)/78-डी०-4(ए)] नन्द साल, डेस्क ग्रधिकारी

ORDER

New Delhi, the 9th October, 1978

S.O. 3264.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of New India Assurance Company Limited, Madras, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri K. Selvaratnam shall be the Presiding Officer with headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether Shri B. Krishnaswamy, temporary Watchman, is entitled to appointment on a regular basis and scale of pay and allowances and all other benefits as admissible to other regular employees of the Company? If so, from what date?

[No. L-17012(7)/78-D-IV(A)]

NAND LAL, Desk Officer

New Delhi, the 2nd November, 1978

S.O. 3265.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Arbitrators in the industrial dispute between the employers in relation to the management of North Karaupura Area of Central Coalfields Limited, Dakra, and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th October, 1978.

AWARD

ARBITRATION VIDE MINISTRY OF LABOUR GOVERN-MENT OF INDIA, NEW DELHI'S NOTIFICATION NO. L-20013/4/78-D. III(A) DATED 27TH IULY, 1978 AND PUBLISHED IN PART II SECTION 3 SUB-SECTION (ii) OF THE GAZETTE OF INDIA

In the matter of:

Employer's in relation to North Karanpura Area of Central Coalfields Limited, Dakra;

Versus

Their workmen represented by United Coal Workers Union, North Karampura Area.

Specific matter in dispute.

"Whether the dismissal of S/Shri Sant Ram, Quarry Loader, Firat Lal Satnami, Quarry Loader, Krishna Mohan, Electrician and Ram Prit Ram, Driver of Dakra Colliery in the situation prevailing in the colliery on 28th April 1975 is justified? If not to what relief they are entitled."

Reference above; Arbitration proceedings were held after due notice to the Parties concerned at Dakra Colliery on 30-8-1978 and at Central Coalfields Limited's Rest House at Ranchi on 22-9-1978.

PRESENT:

 Sri M. L. Gulati, Addl. Chief Personnel Officer, Central Coalfields Limited

-Aribitrator

 Sri Shaffique Khan, General Secretary United Coal Workers Union

— Arbitrator

3. Sri P L. Ralhan, Dy. Chief Mining Engineer, CCL, Dakra

- Representing Management

4 Sri N. K. Gupta, Dy. Chief Personnel Officer CCL, Dakra — -do5. Sri Ramendra Kumar, Secretary, United Coal Workers'

Representing workmen

6. Sri T. N. Jha, Secretary, United Coal Workers Union Dakra

-do-

The parties have submitted their written statements to the Arbitrators vide their Memos dated 5th August, 1978 and 4th August, 1978 respectively and they had also endorsed copies to the Opposite Party.

During the hearing at Dakra on 30th August, 1978, the parties made further depositions and statements of S/Shri N. K. Gupta, Dy. Chief Personnel Officer (NK), Dakra and Ramendra Kumar, Secretary, United Coal Workers Union were recorded. During the sitting at Ranchi on 22nd September, 1978 both the purties were requested to submit further statements, evidence or any material they would like to adduce before the Arbitrators. Shri N. K. Gupta, Dy. CPO(NK), Dakra replied that the Management had already submitted their statements including written statement and the Enquiry proceedings as well as the Enquiry Officer's Report and they have nothing more to add.

Shri Ramendra Kumar on behalf of the workmen, however, stated that while they have submitted their statements and evidence in the earlier sliting they want to draw attention of the Arbitrators to the Enquiry Officer's report into the case of alleged assault on Shri B. R. Sharma, Assistant Security Officer, Dakra wherein on page 23, the Enquiry Officer has stated "I hold him (Shri Ram Prit Ram) guilty of charge of abusing superior (S.O. 18(i)(r), preaching and inciting to violence (S.O. 18(t). Other charges alleged are not conclusively proved". On page 35, the same enquiry Officer in his findings has stated, "I hold Shri Ram Prit Ram guilty of charges Nos. (a) Threatening, abusing or assaulting the Superior; (b) Preaching and inciting to violence; (c) Abetment or attempt to abetment". Shri Ramendra Kumar further prayed that the Arbitrators may take into consideration the exact reference before them i.e. whether the dismissal of S/Shri Sant Ram, Quarry Loader, Firat Lal Satnami, Quarry Loader, Krishna Mohan, Electrician and Ram Prit Ram, Driver of Dakra Colliery in the situation prevailing at the Colliery on 28th April, 1975 is justified? If not to what relief they are entitled?

We have carefully gone through the written statements of the Parties and statements of S/Shri N. K. Gupta Dy. CPO (NK) and Ramendra Kumar, Secretary, United Coal Workers Union and also the Enquiry Officer's Report into the alleged assault on Shri B. R. Sharma, Asstt. Security Officer on 28th April, 1975 and others and the enquiry proceedings thereof. We have also examined all other papers and documents submitted before us by the Parties. We have further examined item No. 12 of the minutes of the meeting held on 12th June, 1978 at Ranchi between the Management of Central Coalfields Limited and the representatives of United Coal Workers Union which is crucial for this Arbitration and it reads as under:—

"Case of 4 dismissed workers of Dakra Colliery. The matter was discussed at length in the light of the previous discussions and the difficulties faced by the Management in carrying out blasting in Dakra Quarry and the consequent loss of production. The Management was ultimately compelled to shift the shovel to the other side of the quarry. As a result of the discussions it was agreed that the union would extend all cooperation to the Management in regard to resumption of blasting at the place where mining operations were being previously carried out at Dakra quarry requiring the workers residing in the miners quarters and hutments adjoining the quarry, taking shelter at the time of blasting. It was also agreed that the union would extend every cooperation in shifting the workers residing in the miners quarters in question to the new quarters which are expected to be ready within next two months, and also to shift the temporary hutments to another site. Subject to these conditions it was decided that the demand

of the union for reinstatement of the four dismissed workers of Dakra colliery would be referred to the Arbitration under Section 10-A of the Industrial Disputes Act. There would be two Arbitrators—one by the Management and other by the union. They will be S/Shri M. L. Gulati, Additional Chief Personnel Officer and Shaffique Khan, General Secretary United Coal Workers Union respectively. Any person/agency interested in the cases of these dismissed workers would appear before these Arbitrators and present their case. It was also agreed that the Arbitrators could commence proceedings pending publication of the notification by the Labour Ministry, as required under the Industrial Disputes Act."

CASE OF THE MANAGEMENT:

The Management in their FIR to the officer Incharge Khalari Police Station on 29th April, 1975 submitted that the Chhajja of the quarter where a four year old child of Shri Inder Ram, Driver met with the fatal accident, was already cracked and parted under which the child was standing. The Chhajja came down probably due to vibration caused by blasting in the nearby quarry. Immediately after the incident, Shri S. R. Dev, Executive Engineer (Excavation) of Dakra Bukbuka Colliery rushed to the spot of the incident and tried to help. Some of the workers who gathered there did not allow him to help and behaved in a belligerent manner. Some persons from the gathering were getting agitated. They have also stated that Shri Sharma rushed to the Area General Manager who was coming from his bungalow on his way to the office and informed him about the mood of the people around there. On advice of Shri Sharma, the Area General Manager reversed his car and went back to his residence. S/Shri M. Pramanik, Overman, K. D. Colliery, T. N. Jha, Secretary, United Coal Workers Union, Dakra were among the mob who wanted to assault the Area General Manager. Since the AGM's car had returned, the persons named in their FIR rushed to the quarter of Shri Bala Singh where the Asstt. Security Officer Shri B. R. Sharma had locked himself along with S/Shri Bala Singh and Bal Swaroop Singh, Security Guards to take shelter from the crowd. It is stated in the FIR that the mob led by S/Sri Pramanik and others attacked the quarter broke open the doors and windows and assaulted S/Shri B. R. Sharma, Bala Singh and Bal Swaroop Singh.

The Management in their written statement have also stated that the child died probably because of vibration caused by blasting whereby the Chhajja came down on 28th April, 1975 while the child was standing there and she was not hit by any splinter from the quarry, therefore, the punishment of dismissal awarded to S/Sri Sant Ram, Quarry Loader, Firat Lal Satnami, Quarry Loader, Krishna Mohan, Electrician and Ram Prif Ram, Driver, who were earlier charge-sheeted and suspended was justified and in accordance with the certified Standing Order, because they had led the mob and had assaulted S/Shri B. R. Sharma, Bala Singh and Bal Swaroop Singh.

During the deposition of Shri N. K. Gupta Dy. Chief Personnel Officer (NK), he was asked by the Arbitrators as to why only these 4 persons were picked up for dismissal and others were let off with light punishment to which he had replied that the others had incited the mob but these people had actually taken part not only in inciting the mob but also in assulting the employees named.

CASE OF THE WORKMEN:

The workmen have mainly relied on inconsistencies in the Enquiry Officer's Report referred to above and they feel that as these four persons belong to their union they were dismissed whereas the others who were equally guilty were let off with light punishments. They have also repeatedly drawn the attention of the Arbitrators to the situation then prevailing after the child met with the fatal accident and the anger and resentment of the crowd and they feel that under the circumstances, the situation then prevailing was quite natural and for that these four persons alone should not have been dismissed from service. They have also drawn attention of the Arbitrators to the Management's statements in the FIR referred to above, where the Management had admitted that the mood and temper of the employees was getting abnormal, and that even the Executive Engineer (Excavation) Shri S. R. Dev who immediately went to the spot was not molested and he was advised to leave the spot and that when they observed

that Shri B. R. Sharma, Assistant Security Officer who was with them went out to stop the Area General Manager from coming to that side on his way to the Office, they resented and they thought that he was the person responsible for stopping the AGM from seeing the incident and meeting the workmen.

While going through Shri B. R. Sharma's statement on page 6 and 7 of the Enquiry Officers' Report, it is observed that Shri Sharma when he came to know that a 6 years old daughter of Shri Inder Ram died on the spot due to the accident, the situation was tense. Shri Pramanik was exhorting and working up the workers saying "Blood will be revenged by blood", "Kill AGM etc.". He has also stated in the meantime when he noticed AGM's car approaching the office, assessing and realising the situation he (Shri Sharma) ran and stopped his car at about 200 yards from the spot and explained the situation and advised him (AGM) to return. Soon after when he was returning towards the place of occurrence, he saw Shri Pramanik shouting on high pitch to the crowd and moving the workers saying that this Security Officer has managed the AGM to flee back otherwise the AGM's dead body could also have been taken along with the girl's and that he (Shri Sharma) is Management's man and he addressed the crowd, "Kill this man first". Even when Shri Sharma and two other Security Guards had locked themselves in a house to take shelter from the crowd, Shri Shrama has stated, "As the door broke open, Shri Parmanik hit me with a Bhala......".

Under these circumstances, Shri Pramanik according to our opinion also deserves the same punishment as awarded to the four persons whose cases are before us but he was awarded only stoppage of his three increments. This substantiates the case of the union that there was discrimination against persons dismissed as they were their union's members. There were in all nine persons who were charge-sheeted by the Colliery Manager on 2nd May 1975, 12th May, 1975 and 16th June, 1975 and it is alleged by the union that the past records of the four dismissed persons were not taken into consideration because earlier they have never been guilty of any such or other misconduct and that it was in the heat of the moment when they happened to be in the crowd they had overacted along with some others.

AWARD

Although we do not approve indiscipline or assault on co-workers or superiors and we do not dispute the right of the Management to enforce discipline as per Standing Orders and to award severe punishments in the case of assaults, however, in view of the above facts and circumstances of the case and backgraund of this Arbitration referred to adve, we feel the punishment awarded to S/Shri Sant Ram, Quarry Loader, Firat Lal Satnami, Quarry Loader, Krishna Mohan, Electrician and Ram Prit Ram, Driver appears to be on the higher side. Ends of justice could be met even with light punishment as in the case of other delinquent employees particularly when Shri Pramanik who appears to have not only incited the crowd but also was the first to assauit Shri Sharma has been let off with very light punishment. We feel that the punishment already suffered by these four employees S/Shri Sant Ram, Quarry Loader, Firat Lal Satnami, Quarry Loader Krishna Mohan, Electrician and Ram Prit Ram, Driver during the period of their dismissal is sufficient and the Management should consider reappointing them in their then existing designations with a clear stipulation that if in future threy are found guilty of any misconduct, severe action will be taken against them.

Sd/-

M. L. GULATI, Addl. Chief Personnel Officer, Central Coalfields Limited & Arbitrator

Sd/-

SHAFFIQUE KHAN, General Secretary, United Coal Workers Union & Arbitrator

Place: Ranchi

Dated, the 22nd September, 1978.

[No. L-20013/4/78-D.III(A)] S. H. S. IYER, Desk Officer

नई विरुली, 24 प्रक्तूबर, 1978

काः ग्रा॰ 3266. — मैसर्स महाराष्ट्र कभोडिटी ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई (जिसे इसमें इसके पम्चास् उक्त स्थापित कहा गया है) ने कमंबारी भविष्य निश्चि भीर प्रकीण उपबंध ग्राशिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के प्रधीन छूट देने के लिए ग्रावेदन किया है;

श्रीर केन्द्रीय सरकारकी राय में श्रीभवाय की वरों की बाबत उकत स्थापन के भविष्य निधि नियम उन नियमों से कम अनुकूल नहीं हैं जो उक्त श्रीधिनयम की धारा 6 में विनिदिष्ट हैं, श्रीर कर्मचारी, अन्य भविष्य निधि प्रसुविधाश्रों के भी उपयोग कर रहे हैं जा कर्मचारियों के लिए उन प्रसुविधाश्रों से कम अनुकूल नहीं है, जो, उसी प्रकार के धिसी अन्य स्थापन के कर्मचारियों के संबंध में, उक्त श्रीधिनियम के अधीन अध्या कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 (जिसे इसमें इसके पण्चाष् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उप-बंधिन हैं;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ख्रीर इससे उपावस खनुसूची में विनिर्दिण्ट फर्ती के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रयस्त से छुट देती है।

ग्रनुसूची

- 1. उक्त स्थापन से संबद्ध नियोजक, निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रधान करेगा और ऐसे निरीक्षण प्रभार का, प्रत्येक मास के अंत के 15 दिन के भीनर, संबाय करेगा जो के बीय सरकार, ममय-समय पर, कर्मचारी भित्रष्य निधि और प्रकीर्ण उपवंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा (3) के खण्ड (क) के प्रधीन निर्दिष्ट करें।
 - 2. उपत स्थापन से सम्बद्ध नियोजक :~~
 - (1) उक्त स्थापन की भविष्य निधि में क्रिभिवायों के विनिधान की बाबत उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3) के खण्ड (क) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए निर्वेशों का पालन करेगा;
 - (2) यह देखने के लिए सम्यक् सावधानी बरतेगा कि उकत स्थापन की बाबत गठित त्यासी बांडे, भविष्य निधि अभिदायों को केन्द्रीय सरकार हारा समय समय पर जारी किए गए निदेशों के अनुसार विनिहत करता है और उक्त त्यासी बोडें द्वारा भविष्य निधि प्रशिवायों के ऐसे विनिधान के लिए उत्तरवायी होगा;
- तियोजक, प्रावेणिक भविष्य निधि स्रायुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा जिल्हें केन्द्रीय सरकार समय समय पर निविष्ट करे।
- 4. नियोजक, प्रत्येक कमचारी को वार्षिक लेखा विवरण या पास बुक केसा ।
- 5. भविष्य निधि के प्रशासन, जिसमें लेखाओं का बनाए रखना, लेखाओं प्रीर विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, संख्यों का प्रन्तरण, निरीक्षण प्रभारों, प्रावि का संवाय सम्मिलित है, में होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक द्वारा किया जाएगा।
- 6. नियोजक प्रतिवर्ष हर एक सबस्य के खाने में ऐसी वर से, जो न्यासी बोई प्रवधारित करे, क्यांज जमा करेगा और ऐसो वर उस वर से कम नहीं होंगी जो केन्द्रीय सरकार समय ममय पर श्रवधारित करे।
- 7. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा स्ननुमीदित रूप में, भविष्य निधि के नियमों की एक प्रति स्रीर जब कभी कभी उनमें संगीधन किया जाए, तब उन संगोधनों की एक प्रति, उसकी मुख्य बासों का कर्मेचारियों की बहुसंख्या की भाषा में अनुवाद सहित, स्थापन के सुभना पट्ट पर प्रदिणित करेगा।

- 8. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि (कानूनी निधि) या छूट प्राप्त किसी अन्य स्थापन की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है जी, नियोजिक स्थापन की निधि के सदस्य के रूप में उसका नाम सुरन्त दर्ज करेगा और ऐसे कर्मचारी की बाबत उसके पिछले संक्यों को स्वीकार करके उन्हें उसके खाते में जमा करेगा।
- 9. यदि ऐसे धर्ग के स्थापनों के लिए, जिसमें नियोजन का स्थापन धाता है, भविष्य निधि के अभिवायों की घर कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के अधीन वकायी जाती है तो, नियोजन, भविष्य निधि के अभिदायों की वर समुचित रूप से बढ़ा देगा ताकि स्थापन को भविष्य निधि स्कीम के अधीन की प्रसुविधाएं उन प्रसुविधाओं से कम अनुकूल न हो जाएं जिनका उपबंध उक्त अधिनियम के अधीन है।
- 10. स्थापन, भविष्य निधि का लेखा परीक्षित सुलनपत्र हर वर्ष प्रादेशिक भविष्य निधि ग्रायुक्त महाराष्ट्र को, वर्ष के ग्रन्त केतीन मास के भीतर भेजेगा।
- 11 स्थापन के भविष्य निधि नियमों में कोई भी संगोधन प्रादेशिक भविष्य निधि श्रायुक्त के पूर्व धनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा श्रीर जहां किसी संगोधन से कर्मचारियों के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो यहां, प्रावेशिक भविष्य निधि श्रायुक्त, महाराष्ट्र, उसे धनुमांवित करने से पूर्व, कर्मचारियों की श्रपना दृष्टिकीण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर वेगा।

[सं॰ 35014/59/78-पी॰ एफ॰ 11]

New Delhi, the 24th October, 1978

S.O. 3266.—Whereas Messrs Maharashtra Commodity Trading Company Private Limited, Bombay (hereinafter referred to as the said establishment) has applied for exemption under clause (a) of sub-section (1) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952);

And whereas in the opinion of the Central Government, the rules of the provident fund of the said establishment with respect to the rates of contribution are not less favourable than those specified in section 6 of the said Act, and the employees are also in enjoyment of other provident fund benefits which on the whole are not less favourable to the employees than the benefits provided under the said Act or under the Employees' Provident Funds Scheme 1952 (hereinaster referred to as the said Scheme) in relation to the employees in any other establishment of a similar character;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 17 of the said Act, and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

The employer, in relation to the said establishment, shall provide for such facilities for inspection and pay such inspection charges as the Central Government may from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provision Act, 1952 (19 of 1952), within 15 days from the close of every month.

- 2. The employer in relation to the said establishment,
 - (i) shall comply with the directions issued by the Central Government, from time to time, under clause
 (a) of sub-section (3) of section 17 of the said
 Act in regard to the investment of contributions to the provident fund of the said establishment (hereinafter referred to as provident fund);
- (ii) shall take due care to seek that the Board of Trustees constituted in respect of that establishment invest the provident fund contributions in accordance with the directions issued by the Central Government, from time to time, and shall be responsible for such investment of the provident fund contributions by the said Board of Trustees.
- 3. The employer shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner as the Central Government may, from time to time, direct.

- 4. The employer shall furnish to each employee an annual statement of account or Pass Book.
- 5. All expenses involved in the administration of the provident fund including the maintenance of accounts, submissions of accounts and returns, transfer of accumulations, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.
- 6. The employer shall credit, every year to the account of each member interest at such rates as may be determined by the Board of Trustees and such rate shall not be less than the one determined by the Central Government from time to time.
- 7. The employer shall display on the notice board of the establishment a copy of the rules of the provident fund as approved by the Central Government and, as when amended, the amendments thereto, along with a translation of the salient points thereof, in the language of the majority of the employees.
- 8. Where an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund (Statutory Fund) or the provident fund of another exempted establishment is employed in his establishment the employer shall immediately enrol him as a member of the fund of the establishment, and accept the past accumulations in respect of such employee and credit the same to his accounts.
- 9. The employers shall enhance the rate of provident fund contribution appropriately if the rate of provident fund contributions for the class of establishments in which his establishment falls is enhanced under the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) so that the benefits under the provident fund scheme of the establishment shall not become less favourable than the benefit provided under the said Act.
- 10. The establishment shall submit an audited balance sheet of the provident fund every year to the Regional Provident Fund Commissioner; Maharashtra within three months of the close of the year.
- 11. No amendment of the rules of the provident fund of the establishment shall be made without the previous approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra, and where any amendment is likely to affect adversely the interests of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra shall, before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

[No. S. 35014/60/78-PF. II]

कार आं 3267. — मैंसर्स एपियन डिस्ट्रब्यूटर्स लिमिटेड, मुम्बई (जिसे इसमें इसके पश्चात् उपन स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी शविष्य निधि और प्रकीर्ण उपवंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अधीन छूट देने के लिए धावेदन किया है;

श्रीर केन्द्रीय सरकार की राथ में भिषाय की दरों की ग्रावत उकत स्थापन के भिष्टिय निधि नियम उन नियमों से कम अनुकूल नहीं हैं जो उकत भ्राधिनियम की धारा 6 में विनिर्दिष्ट हैं, भ्रीर कर्मचारी, भ्रत्य भिष्टिय निधि प्रसुविधाओं का भी उपभोग कर रहे हैं जो कर्मचारियों के लिए उन प्रसुविधाओं से कम अनुकूल नहीं हैं, जा, उसी प्रकार के किसी भ्रम्य स्थापन के कर्मचारियों के संबंध में, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन भ्रष्टा कर्मचारि भ्रविष्य निधि स्कीम, 1952 (जिसे इसमें इसके प्रचाल उक्त स्कीम कहा गया है) के मधीन उपविध्य हिंदि हों।

मतः, शवः, केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध मनुसूची में विनिदिष्ट शर्ती के प्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

 उक्त स्थापन से संबद्ध नियोजक, निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रवान करेगा और ऐसे निरीक्षण प्रभार का, प्रयोक मास के श्रंत क 15 विन के भीतर, संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा (3) के खण्ड (क) के स्मधीन निर्दिष्ट करें।

- 2. उस्त स्थापन से सम्बद्ध नियोजक :---
- (1) उक्त स्थापन की भविष्य निश्चिमें प्रभिवायों के विनिधान की ब्रावत उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3) के खण्ड (क) के प्रधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए निदेशों का पालन करेगा;
- (2) यह देखने के लिए सम्यक् सावधानी बरतेना कि उक्त स्थापन की बाबत गठित न्यासी बोर्ड, भविष्य निधि प्रभिदायों को केन्द्रीय सरकार द्वारा समन समन पर जारी किए गए निदेशों के प्रनुसार बिनिहित करता है ग्रीर उक्त न्यासी बोर्ड द्वारा भविष्य निधि ग्रिभवायों के ऐसे बिनिधान के लिए उत्तरदायी होगा;
- नियोजक, प्रादेशिक भविष्य निश्चित्रायुक्त को ऐसी विवर्षणयां भेजेगा जिन्हें केन्द्रीय सरकार समय समय पर निर्विष्ट करे।
- 4. नियोजक, प्रत्येक कर्मचारी को वार्षिक लेखा विवरण यापास बुक वेगा।
- 5. भविष्य निधि के प्रणासन, जिसमें लेखाओं का बनए रखना, लेखाओं शौर विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, संचयों का घन्तरण, निरीक्षण प्रभारों, श्रादि का संदाय सम्मिलत हैं, में होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक हारा किया आएगा।
- 6. नियोजक प्रति वर्ष हर एक सदस्य के खाते में ऐसी दर से, जो न्यासी बोर्ड भवधारित करे, ब्याज जमा करेगा और ऐसी दर उस दर से कम नहीं होगी जो केन्द्रीय सरकार समय समय पर अवधारित करे।
- 7. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रनृशीदित रूप में, भविष्य निधि के नियमों की एक प्रति ग्रीर ज्ञा कभी कभी उनमें संशोधन किया जाए तब उन संशोधनों की एक प्रति, उसका मुख्य बातों का कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में ग्रमुबाद सहित, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रविधित करेगा।
- 8. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि (कानूनी निधि) या छूट प्राप्त किसी अन्य स्थापन की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजिक स्थापन की निधि के सदस्य के रूप में उसका नाम सुरन्त वर्ज करेगा और ऐसे कमचारी की बाबत उसके पिछले संचयों की स्वीकार करके उन्हें उसके खाते में जमा करेगा।
- 9. यदि ऐसे वर्ग के स्थापनों के लिए, जिसमें नियोजक का स्थापन आता है, भविष्य निधि के प्रभिदायों की दर कर्मेचारी भविष्य निधि भ्रीर प्रकीर्ण उपबंध भ्रीतियम, 1952 (1952 का 19) के अधीन अकायी जाती है तो, नियोजक, भविष्य निधि के अभिवायों की कर समुचित रूप से बका देशा ताकि स्थापन को भविष्य निधि स्कीम के भ्रधीन की प्रसुविधाएं उन प्रसुविधाओं से कम भ्रमुकूल न हो जाएं जिनका उपबंध उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन है।
- 10. स्थापन, भिवष्य निधि का लेखा परीक्षित तुलनपत्र हर वर्ष प्राविणिक भिवष्य निधि प्रायुक्त महाराष्ट्र की, वर्ष के प्रन्त के तीन मास के भीतर भेजेगा।
- 11. स्थापन के भविष्य निधि निथमों में कोई भी संशोधन प्रावेशिक भविष्य निधि श्रायुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्म चारियों के हिसों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रावेशिक भविष्य निधि श्रायुक्त, महाराष्ट्र, उसे अनुमोदित करने से पूर्व, कर्मचारियों का श्रपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त श्रयसर वेगा ।

S.O. 3267.—Whereas Messrs Asian Distributors Limited, Bombay (hereinafter referred to as the said establishment) has applied for exemption under clause (a) of sub-section (1) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952):

And whereas in the opinion of the Central Government the rules of the provident fund of the said establishment with respect to the rates of constribution are not less favourable than those specified in section 6 of the said Act and the employees are also in enjoyment of other provident fund benefits which on the whole are not less favourable to the employees than the benefits provided under the said Act or under the Employees's Provident Funds Scheme 1952 (hereinafter referred to as the said scheme) in relation to the employees in any other establishment of a similar character;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 17 of the said Act, and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment, shall provide for such facilities for inspection and pay such inspection charges as the Central Government may from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), within 15 days from the close of every month.
 - 2. The employer in relation to the said establishment,
 - (i) shall comply with the directions issued by the Central Government, from time to time under clause

 (a) of sub-section (3) of section 17 of the said Act in regard to the investment of contributions to the provident fund of the said establishment (hereinafter referred to as provident fund);
 - (ii) shall take due care to see that the Board of Trustees constituted in respect of that establishment invest the provident fund contributions in accordance with the directions issued by the Central Government, from time to time, and shall be responsible for such investment of the provident fund contributions by the said Board of Trustees.
- 3. The employer shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner as the Central Government may, from time to time, direct.
- 4. The employers shall furnish to each employee an annual statement of account or Pass Book.
- 5. All expenses involved in the administration of the provident fund including the maintenance of accounts, submission of accounts and returns transfer of accumulations, payment of inspection charges, etc., shall be borne by the employer.
- 6. The employer shall credit, every year to the account of each member interest at such rates as may be determined by the Board of Trustees and such rate shall not be less than the one determined by the Central Government from time to time.
- 7. The employer shall display on the notice board of the establishment a copy of the rules of the provident fund as approved by the Central Government and, as and when amended, the amendments thereto along with a translation of the salient points thereof, in the language of the majority of the employees.
- 8. Where an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund (Statutory Fund) or the provident fund of another exempted establishment is employed in his establishment the employer shall immediately enrol his as a member of the fund of the establishment, and accept the past accumulations in respect of such employee and credit the same to his account.
- 9. The employer shall enhance the rate of provident fund contribution appropriately if the rate of provident fund contributions for the class of establishments in which his establishment falls is enhanced under the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952)

- so that the benefits under the provident fund scheme of the establishment shall not become less favourable than the benefits provided under the said Act.
- 10. The establishment shall submit an audited balance sheet of the provident fund every year to the Regional Provident Fund Commissioner Maharashtra, within three months of the close of the year.
- 11. No amendment of the rules of the provident fund of the establishment shall be made without the previous approval of the Regional Provident Fund Commissioner and where any amendment is likely to affect adversely the interests of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra shall, before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

[No. S. 35014/59/78-PF. JI]

नई विरुली, 27 प्रश्तुबर, 1978

का॰ आ॰ 3268.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्सं कोरोमंडेल नैदर (प्राइवेट) लिमिटेड, वेपरी हाई रोड, पेरियामेट, मद्रास-3, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध प्रक्षिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

श्रतः, श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रश्चिमुचना 1 फरवरी, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं॰ एस॰ 35019(147)/78- पी॰ एफ॰-II]

New Delhi, the 27th October, 1978

S.O. 3268.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Coromandel Leather (Private) Limited, Vepery High Road, Periamet, Madras-3, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of February, 1976.

[No. S-35019(147/78-PF-П)]

का० भा० 3269.— यतः केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता ह कि मैसर्स शाह इण्टरप्राइजेज, उद्योग नगर, गली नं० 4 भीर 9, प्लाट नं० 9 गीरेगीव (पिश्वम) मुम्बई-62 नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक भीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रकीर्ण उपबंध भिधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन की लागू किए जाने चाहिए;

भ्रतः, भ्रव, उक्त ग्रीधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त भ्रीधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 1 श्रप्रैल, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [सं० एस० 35018 (92)/78-पो० एफ०II]

S.O. 3269.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shah Enterprises, Udyog Nagar, Gali No. 4 and 9 Plot No. 9 Gore-

gaon (West) Bombay-62, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1978.

[No. S. 35018(92)/78-PF. III

का॰ गा॰ 3270.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स एमफोरा मैरीन कंसल्टेंट्स (प्राइवेट) लिमिटेंड, 46 बी, रफी ध्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता—16, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक धौर कमें- जारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि धौर प्रकीण उपबंध ध्रिधिनयम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने नाहिएं;

भ्रतः, श्रमः, उक्तः श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है।

यह मधिसूचना 1 भगस्त, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [सं० एस० 35017 (53)/78-पी० एफ०II]

S.O. 3270.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Amphora Marine Consultants, (Private) Limited, 46-B, Rafi Ahmed Kidwi Road, Calcutta-16 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1977.

[No. S. 35017(53) /78-PF. III

कार्य आर 3271.— यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससं श्री थांडवा लक्ष्मी इंजीनियरिंग वक्सं, लानकला पलेम, झंकापलेले तालुक जिला विशाखापत्तनम, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक श्रीर कर्मवारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निष्ठि श्रीर प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, प्रवः, उक्त मधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त मधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिस्चना 1 सितम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [सं० एस० 35019(203)/78-पी० एफ० II]

S.O. 3271.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sree Thandava Lakshmi Engineering Works, Lankala Palem, Aukapalle Taluk District Visakhapatnam, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1976.

[No. S. 35019(203)/78-PF-II]

का० आ० 3272.—यतः केन्द्रीय ५ रकार को — तीत होता है कि मैंसर्से निजामाबाद एग्रिकस्करल एजेंसिज तीलक रोड, हैदराबाद-1 (मान्ध्र प्रवेग) नामक स्थापन से संबंद नियोजक भीर कर्मजारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मजारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीर्ण उपबंध भिधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने काहिएं;

मतः, स्रवं, उक्त धिधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त धिधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है।

यह प्रधिसूचना 1 धप्रैल, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [सं० एस० 35019 (204)/78--पी० एफ० II]

S.O. 3272.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Nizamabad Agricultural Agencies, Tilak Road, Hyderabad-1 (Andhra Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April 1974.

[No. S. 35019(204)/78-PF-II]

का० आ० 3273.—यतः केन्ग्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नारीपत्ता फाइबर इण्डस्ट्रीअ, डाकघर चिक्कुन्नायम्मल वक्काट्टील, नारी-पत्ता ग्राम, बड़ाग्ररा तालुक, कोजीकोडे जिला, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मकारियों की बहुरांख्या इस बास पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी मिवष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग किए जाने चाहिए;

म्रतः, भ्रम, उक्त भ्रिधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) हारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते द्वुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रिधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन की लागू करती है।

यह मधिसूचना 1 श्रगस्त, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [सं० एस० 35019 (197)/78-पी० एफ० II]

S.O. 3273.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Naripatta Pibre Industries, Post Office Cheekkunnaummaf Kakkattl, Narippatta Village, Badagrara Taluk, Kozhikode District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1978.

[No. S. 35019(197)/78-PF-II]

का० ग्रा० 3274.—यतः केन्द्रीय, सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ए० के० एण्टरप्राइजेज, 16ए, चौलपट्टी रोड, कलकत्ता—10, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक ग्रीर कमंचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कमंचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीणं उपबंध ग्रीधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग किए जाने चाहिए;

मतः, मन, उक्त भिधिनयम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त भिधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रशिस्चना 31 विसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [सं० एस० 35017 (55) /78-पी० एफ० II]

S.O. 3274.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment know as M/s. A. K. Enterprises, 16A, Chaulpatty Road, Calcutta-10 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government heeby applies the poovisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of Deember, 1976.

[No. 3, 35017(55)/78-PF-II]

का गा॰ 3275.—यतः, केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंससं ने गंभल जूट कार्परिशन, 3, कोस्सीपोरे रोज, कलकत्ता—2, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक भीर कर्मवारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रकीर्ण उपबंध धिंसियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

श्रतः, श्रवः, उक्त श्रिधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रिधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 फरवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [सं० एस० 35017 (35) /76-पी० एफ० II]

S.O. 3275.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs National Jute Corporation, ,3 Cossipore Road Calcutta-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into torce on the first day of February, 1977.

[No. S. 35017(35)/78-P.F.II]

का० आ० 3276.—धतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससें ए० के० बनर्जी एण्ड बदर्स, 14/2, ग्रोस्ड बाइना बाजार स्ट्रीट, कलकत्ता—1, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक भीर कर्मबारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो यह है कि कर्मबारी भविष्य निश्चि ग्रीर प्रकीण उपबंध ग्रीधनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने बाहिए;

मतः, भ्रम, उक्त प्रधिनियम की घारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह भ्रष्ठिस्चना 1 जुलाई, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [सं० एस० 35017 (50)/78-पी० एफ० II]

S.O. 3276.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs A. K. Banerjee and Brothers, 14/2, Old China Bazar Street, Calcutta-1 have agreed that the provisions of Employees' Provident Funds and 757 GI/78--8

Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1977.

[No. S. 35017(50)/78-P.F.II]

का॰ मा॰ 3277.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीतहोता है कि निसं ए० एस॰ सी॰ इंजीनियसं एण्ड कंसल्टेंट्स लिमिटेड, 2/2ए, हो-ची-मिह सारणी, कलकता—71, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक भीर कर्मचीरियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत ने गई है कि कर्मचारी भविषय निधि भीर प्रकीर्ण उपबंध आधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

भतः, भव, उक्त भिधिनयम की धारा 1 की उपधारा (4) क्षारा प्रवक्त गक्तियों का प्रयोग करते क्षुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपजन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह मधिसूर्णना 1 मगस्त, 1977 को प्रवृक्त हुई समझी जाएगी। [सं० एस० 35017(52)/78-पी० एफ० II(i)]

S.O. 3277.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs ASC Engineers and Consultants Limited, 2/2A Ho-Chi-Minh Sarami, Calcutta-71 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into froce on the first day of August, 1977.

[No. S. 35017(52)/78-P.F. $\Pi(i)$]

का० आ० 3278.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि घौर प्रकीर्ण उपबंध घिधिनयम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में घावश्यक जाँच करने के पश्चात्, 1 ग्रगस्त, 1977 से मैसर्स ए० एस० सी० इंजीनियर्स एण्ड कंसल्टेंट्स लिमिटेड, 2/2ए, हो-ची-मिह सारनी, कलकत्ता-71, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्विष्ट करती है।

[सं० एस० 35017 (52)/78-पो० एफ० II(ii)]

S.O. 3278.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of August, 1977 the establishment known as Messrs A.S.C. Engineers and Consultants limited, 2/2A, Ho-chi-Minh Sarani, Calcutta-71, for the purposes of the said proviso.

[No. S-35017(52)/78-PF-II (ii)]

का॰ धा॰ 3279.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मार॰ दी॰ बी॰ दंजीनियरिंग वक्सं, 64/ए, टालीगंज रोड, कलकत्ता-33 जिसके धन्तर्गत 83/ई, जेता रोड, कलकत्ता-27 स्थित उसकी शाखा भी है, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक घौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी धविष्य निधि धौर प्रकीण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग किए जाने चाहिए;

भतः, भव, उक्त मिधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त मिधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह घिष्मुचना 1 अप्रैल, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं॰ एस॰ 35017(48)/78-पी॰ एफ॰II]

S.O. 3279.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messers R. D. B. Engineering, Works, 64/A, Tollygunge Road, Calcutta-33 including its branch at 83/E, Chetta Road, Calcutta-27, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into froce on the first day of April, 1977.

[No. S. 35017(48)/78-P.F.II]

का०कार० 3280:— यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंससं बॉलगटन्स भाफ कलकत्ता, 43, पाकं मैंनशन, पाकं स्ट्रीट, कलकत्ता— 16, मामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य गिधि भीर प्रकीणं उपबन्ध मिशिनयम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उकत स्थापन को लागू किए आने चाहिएं;

भत, भव, जनत भवित्यम की धारा 1 की उप धारा (4) बारा प्रवस कवितयों का प्रयोग भरते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त भिधिनयम के उपवन्ध जनत स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 1 प्रप्रैश, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35017(51) 78-पी०एफ० H]

5.0. 3280.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Burlington's of Calcutta, 43, Park Manslon, Park Street, Calcutta-16, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the sald Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1974.

[No. S. 35017(61)/78-P.F.II]

का॰ आ॰ 3281:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हासमियां लेमिनेटर्स 3, कोस्सीपोरे रोब, कलकत्ता-2, जिसके घन्तर्गस 130 काउम स्ट्रीट कलकत्ता-7 स्थित उसकी शाखा मी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मकारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि प्रविच्य निधि और प्रकीण उपबंध प्रक्रिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थामपन को लागू होने चाहिए;

श्रातः, ग्रावः, उनत प्राधिनियम की धारा 1 की उप धारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उनत प्रधिनियम के समबंद्ध उनत स्थापन की लागू करती है।

वह ब्रिधिसूचना 31 जनवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं• एस• 35017(34)/78-पी॰ एफ॰ II]

S.O. 3281.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messers Dalmia Laminators, 3, Cossipore Road, Calcutta-2, including its branch at 130, Cotton Street, Calcutta-7 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shalf be deemed to have come into force on the thirty-first day of January, 1977.

[No. S. 35017(34)/78-P.F.-II]

का०भा० 3282:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंससे एक ए भी इन्टेरियसं, 122 यूनिक इण्डस्ट्रियस एस्टेट, मुभ्बई, जाईग कम्पाउण्ड प्रभादेशी, मुम्बई—25, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भीर कमेंचारियों की बहुसंख्या इस सात पर सहमत हो गई है कि कमेंचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उस्त स्थापन को लागु किए आने चाहिए;

भतः, भव, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) दारा प्रदक्त क्रिक्सियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रिव्रनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह श्रक्षिसूचना 28 फरवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [सं• एस॰ 35018/(91)/78पी॰एफ॰ II]

S.O. 3282.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as M/s. F.A.B. Interiors, 122, Unique Industrial Estate, Bombay Dyeing Compound, Prabhadevi, Bombay-400025, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellanous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-eight day of February, 1977.

[No. S. 35018(91)/78-P.F.II]

का० आ० 3283.—यस: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससे सुदर्शन वृद्ध वन्सें, रोक नं० 27, किसन नगर, नं० 4, वागले इण्ड-ट्रियल एस्टेट, ढाणे—04, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कमै-चारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कमैचारी भविष्य निश्चि और प्रकीण उपवस्थ प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवस्थ उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

श्रतः श्रवः, जनतः श्रधिनियमः की धारा । की उपधारा (४) द्वारा प्रवतः शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय संस्कार उक्तः श्रधिनियमं के उपबन्धः उक्तः स्थापन को लाग करती है।

यह अधिसूचना 1 मार्च, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जायगी।

[सं० एस० 350 18 (90) / 78पी ० एफ ० II]

S.O. 3283.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sudarshan Wood Works, Road, No. 27, Kisan Nagar, No. 4, Wagle Industrial Estate, Thane-04 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1978.

[No. S. 35018(90)/78-P.F.II]

का०आ० 3284:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स जलगांव जिला सहकारी दूध विकास फेडेरेशन लिमिटेड, धुलिया रोध, जलगांव, जिसके प्रन्तर्गत, (1) फेजपुर चीलिंग सेन्टर, फेजपुर जिला जलगांव श्रीर (2) पेरोल चीलिंग सेन्टर, पेरोल जिला जलगांव स्थित उसकी शाखाएं भी हैं, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उप-बन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

भतः, भवः, उक्त घिधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त घिधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

> यह पश्चिम् चना 1 जनवरी 1977 की प्रवृत्त हुई समझी जायगी। [सं० एस० 35018(84)/77-पी०एफ०2]

S.O. 3284.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relations to the establishment known as Messrs Jalgaon Zilha Sahakari Dudh Vikas Federation Limited, Dhulia Road, Jalgaon including its branches at (1) Faizpur Chilling Centre, Faizpur District Jalgaon and (2) Parola Chilling Centre Parola District Jalgaon, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1977.

[No. S. 35018(84)/77-PF-II]

कार्ण्याः 3285:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससं किंग मेटास्लिका, 46, ए बी गवनंमेंट इण्डस्ट्रियल एस्टेट, कार्श्वाक्ती, मुम्बई-67, जिसके प्रंतर्गत (1) 334, इबाहीम रहीमातुल्ला रोड, सुम्बई-3 प्रौर (2) 46 सीर्ज्ञाल्पाई रुपन्य स्टेट कांडीवली, मुम्बई, मुम्बई-3 प्रौर (2) 46 सीर्ज्ञाल्पाई रुपन्य स्टेट कांडीवली, मुम्बई, मुम्बई-विपाल से सम्बद्ध नियोजक भीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निश्चि प्रौर प्रकीर्ण उपबन्ध प्राथिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये;

भतः, भवः, उक्त प्रधितियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गर्थितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह भिधमूचना 31 जनवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [सं० एस० 35018(57)/78- पी०एफ०2]

S.O. 3285.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis King Metallica, 46, A/B, Government Industrial Estate, Kandivli, Bombay-67, including its branches at (1) 334, Ibrahim Rahimatullah Road, Bombay-3 (2) 46, C-D INS, State Kandivil, Bombay, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act, to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of January 1977.

[No. S-35018(57)/78-PF-II]

का॰ धा॰ 3286:—मतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स वि सेण्ट्रल कोम्रापरेटिक होलसेल स्टोर्स लिमिटेड, करवार, भामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध ध्रधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपधन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने भाहिए;

भतः, भव, उक्त भिधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त भधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 जुलाई, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [सं॰ एस॰ 35019(211)/78-पी॰एफ॰ 2]

S.O. 3286.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Central Cooperative Wholesale Stores Limited, Karwar, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of July, 1978.

[No. S-35019(211)/78-PF-II]

का॰ भा॰ 3287—-यतः केन्बीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंससं धपोलो बार, सी॰ बी॰ स्टैंड के सामने, बेलगाम, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक धौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रकीण उपबन्ध स्थिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उकत स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

भतः, प्रव, उक्त भविनियम की घारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवस शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त भविनियम के उपवन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है।

यह प्रशिक्ष्चना 1 जुलाई, 1978 को प्रथ्न हुई समझी जायगी। [सं०एस० 35019(174)/78-पी०एफ० 2]

S.O. 3287.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Appolo Bar, opposite C.B. Stand, Belgaum, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1978.

[No. S-35019(201)/78-PF-II]

कां आं 3288--यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससं वैनस पिक्चर पैलेम, तेनाली, गृंटूर, जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक स्नौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत्त हो गई है कि कर्मचारी मिविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध श्रीक्षिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए; मतः, श्रव, उन त ग्रीधनियम की धारा 1 की उपधारा (4) हारा प्रवत्त मिन्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त ग्रीधिन्यम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है।

यह अधिसूचना 5 मार्च, 1977 को प्रयुक्त हुई समझी जायगी। [सं० एस॰ 35019(207) 78-पी एफ-II]

S.O. 3288.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Venus Picture Place, Tenali, Guntur District have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made a applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the fifth day of March, 1977.

[No. S-35019(207):/78-PF-II.]

का०भा० 3289 — पतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससँ हाई फेड एजेंसिज, हैवराबाव, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्म-वारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध बिधिनियम, 1952 (1952का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

श्रतः, श्रवः, उक्त प्रक्षिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवतः प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन की लागू करती है।

यह प्रधिस्चना, 1 प्रप्रैंल, 1974 को प्रवृक्त हुई समझी जायगी। [सं० एस० 35019 (200)/78-पी॰एफ० 2]

New Delhi, the 27th October, 1978

S.O. 3289.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hy-Fed Agencies, Hyderabad, has agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1974.

[No. S-35019(200)//78-PF-II]

का०ग्रा० 3290.—यतः केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीस होता है कि मैसर्स विजय पेपर प्राडक्ट्स, गोवेबनरपेट, विजयवाडा~2, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी मिलव्य निश्चि और प्रकीण उपवन्ध प्रविनियम, 1962 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग किए जाने चाहिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त ग्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह श्रक्षिलूचना, 1 धप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जायगी। [सं० एस० 35019(176)/78-पी०एफ० 2]

S.O. 3290.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vijaya Paper Products, Governerpet, Vijayawada—2, have agreed that the provision of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1976.

[No. S-35019(176)/78-PF-II]

कार आर 3291,— मतः केन्द्रीय सरकार को मह प्रतीत होता है कि मैससे नंदी प्रोबेंदर मिल्स, 33, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली, 15, नामक स्पापन से सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकोण उपबन्ध प्रधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

सतः, सब, उक्त सिंधिनियम की घारा 1 की उपधारा (4) है।रा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उनकृत्य उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रश्चित्त्वना 1 नवम्बर, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जायगी। [सं०एस० 35019 (133) 78-पी०एफ० 2]

S.O. 3291.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messra Nandi Provender Mills, 33 Najafgarh Road, New Delhi—15, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952(19) of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Cntral Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into lorce on the first day of November 1974.

[No. S-35019(133):/78-PF.H]

का० मा० 3292,—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेससे श्री वेंकटेश्वर सिनेमा टाकीज, तिरुपती, चित्त्र, जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मनारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मनारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीण उपबंध ग्रिशियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए:

श्रतः, श्रवः, उक्त श्रधिनियम की घारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवस शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन की लागू करती है।

> यह मधिसूचना 1 नवम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [सं॰ एस॰ 35019(212)/78-पी॰एफ०-2]

S.O. 3292.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sri Venkateswara Cinema Talkies, Tirupati, Chittoor District, have agreed that the provisions of the Employees, Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the sald establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1976.

[No. S. 35019(212)/78-PF-II]

का॰ आ॰ 3293—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीस होता है कि मैंसर्स नेमानल सेल्स कारपोरेमान, हिमायतनगर, हैपराबाद 29, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कमचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

श्रतः, श्रव, उनत मिनियम की धारा 1 की उपधारा(4) द्वारा प्रवत्त शक्तिमों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन की लागु करती है।

S.O. 3293.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs National Sales Corporation, Himyatnagar, Hyderabad-29, have agreed that the provisions of the Employees, Provident Funds and Miscellaneous Provision Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemend to come have into force on the first day of August, 1974.

[No. S. 35019 (202)/78-PF-II(i)]

का० आ० 3294.—यतः केन्त्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सैसर्स धि कोआपरेटिय एप्रिकल्चरल ख्यलपमेंट बैंक लिमिटेड, हजुराबाद, करीमनगर जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक धौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत ही गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्स स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

श्रतः, श्रवः, उक्त श्रधिनियमं की धारा 1 की उपधारा(4) द्वारा प्रवक्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपवक्षा उक्त स्थापन को लागु करती है।

यह अधिसूचना 31 विसम्बर, 1976को प्रयुक्त हुई समझी जाएगी।

[संष्प्रस॰ 35019(206)/78-पी॰एफ॰ II]

S.O. 3294.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as The Cooperative Agricultural Development Bank Limited, Hazurabad, Karimnagar District, have agreed that the provisions of the Employees, Provident Funds and Miscellaneous provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1976.

[No. S. 35019 (206)/78-PF.II)]

का॰ आ॰ 3295.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससं पी॰ बेंकटस्वामी एण्ड मन्स, स्टेशनसं एण्ड पेपर मर्चेन्ट, धाबीद रोड, हैदराबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारिधों की बह्संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भिक्य मिधि और प्रकीर्ण उपबंध प्रकितियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने काहिएं;

श्रतः, श्रव, उन्त प्रश्नितियम की धारा 1 की उपधारा (4) क्वारा श्रवतः गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उन्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन लागु करती है।

> यह अधिमूचना 1 धगस्स, 1976 को प्रवृक्त हुई समझी आएगी। [सं॰ एस ॰ 35019(205)/78-पी॰एफ॰ II]

S.O. 3295.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs P. Venkatswamy and Sons, Stationers and Paper Merchant, Abid Road, Hyderabad, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of Augst, 1976.

[No. S. 35019 (205)/78-PF.II)]

का० आ० 3296,—पतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीस होता है कि मैससे थी नर्रासह प्रायरन वन्सं, 7, मिनिस्टर रोड, नास्लागुता सिकन्वराबाद-3 (प्रान्ध्र प्रवेश), नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी, भिष्ठिय निधि और प्रकीर्ण उपबंध प्रक्षिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन की लागु किए जाने चाहिए;

भतः, श्रवः, उक्त अधिनियमं की धारा 1 की उपधारा (4) हारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन लागु करती है।

यह प्रशिक्षम्बना 1 जनवरी, 1977 को प्रवृत्त धुई समझी जाएगी। [सं०एम० 35019(201)/88-पी०एफ-II]

S.O. 3296.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sri Narasimha Iron Works, 7 Minister Road, Nallagutta, Secunderabad-3 Andhra Pradesh. have agreed that the provisions of the Employees, Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act, to the said establishment;

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1977.

(No. S-35019(201)]78-PF.II)

का० आ० 3097 — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससं बेदेश्वर कॉटन एण्ड बूल प्रेसिंग कम्पनी, खेदेश्वर, जिला जामनगर, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मवारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहसत हो गई है कि कर्मवारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीर्ण उपबंध ग्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने वाहिएं:

श्रतः, सन्, उक्त मिमियम की धारा 1 की उपन्नारा (4) द्वार[ा] प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपनन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना । सितम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं॰ एस॰ 35019(2)/76-पी॰एफ॰ II]

S.O. 3297.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bedeshwar Cotton and Wool Pressing Company Bedeshwar, District, Jamnagar, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1975.

[No. S-35019(2)/76-PF.JT]

कारकार 3298 — मतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेससे इमलसन, प्रोडक्टस, प्राजाद भवन, 4ई/14, मंडेबाजान एक्सटेंगन, नई विल्ली, जिसके प्रंतगत (1) 30, नवजयान सोसाइटी, 12म फ्लोर, बिल्डिंग नं० 3 ग्रेट रोड, मुम्बई-8(2) 14/1, माइल स्टोन विल्ली सबुरा रोड, फरीवाबाव (हरियाणा) ग्रीर (3) 147-बी, प्रकाण इण्डस्ट्रीज एस्टेट गियानी बार्डर साहिबाबाद, गाजियाबाद (उ०प्र०) स्थित उसकी शाखाएं भी हैं, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कैमचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई हैं कि कैमचारी भविष्य निष्में ग्रीर प्रकीण उपबंध ग्राधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध जमत स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं:

धतः, प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा ! की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन की लागू करती है।

यह मधिसूचना 1 जनवरी, 1978 की प्रवृक्त हुई समझी जाएगी। [सं० एस० 35019(175)78-पी०एफ० II]

S.O. 3298.—Whereas it appears to the Central Government ment that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Emulsion Products, Azad Bhavan, 4E/14, Jhandewalan Extension, New Delhi, including its branches at (1) 30, Navjavan Society, 12th Floor Building No. 3 Grant Road, Bombay-8, (2) 14/1 Mile Stone Delhi Mathura Road, Faridabad (Haryana) and (3) 147-B, Prakash Industrial Estate, Giani Border Sahibabad, Ghaziabad (Uttar Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1978.

[No. S-35019(175)/78-PF.II]

नई दिल्ली, 30 अन्तुबर, 1978

का०का० 3299. — केन्द्रीय सरकार, कर्मैचारी भविष्य निधि और प्रक्षीणं उपवन्ध श्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में धावश्यक जांच करने के पण्यात् 1 धगस्त, 1974 से मैसर्स नेशनस सेहस कारपोर्रेशन, हिमायत नगर, हैदराबाद-29, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए बिनिविष्ट करती है।

[सं॰ एस॰ 35019(202)/78-पी॰एफ॰ II(ii)]

New Delhi, the 30th October, 1978

S.O. 3299.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employee's Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of August, 1974, the establishment known as Messrs. National Sales Corporation, Himayatnagar, Hyderabad-29, for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019/202/78-PF-II(il)]

का० आ० 3300 — यतः के प्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैं स्ति एस० ज्ञानतसाउन्ह्री किलिकः एंड नागम्मे मैंडिकल सेंटर 18, जी०ए० रोड, मद्रास-21, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मवारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मवारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने वाहिये;

श्रतः, श्रवः, उक्तः श्रधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्तः स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1976 को प्रवृत्त हुई समक्षी जाएगी।

[सं॰ एस॰ 35019(210)/78-पी॰एफ॰-II]

S.O. 3300.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. S. Gnanasoundary Clinic and Nagammai Medical Centre, 18, G.A. Road, Madras-21 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-seition (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1976.

[No. S-35019(210)/78-PF, III

का॰ घा॰ 3301.— यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि वंसमें मैं शिंतिक (प्राइवेट) लिमिटेड, प्लाट नं॰ 8 बी॰, एम॰ धाई॰ डॉ॰ से॰ इण्डस्ट्रोयल एरिया, कल्याण भिवण्डी रोड, डाकघर, कोन, भिवंडी िक थाना, जिनके प्रान्थें न्यू इण्डिया सेंटर, 12वां प्लोर, 17, कीआपरेज रोड, मुन्वई-39, स्थित उसकी णाखा भी है, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारो अविषय निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध मधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपधन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये,

न्नानः, प्रायः, उक्त अधिनियम को धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपवन्ध्र उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह प्रधिस्चना । जनवरी, 1976 को प्रवृक्त हुई समानी जायगी। [सं० एस०-35018(88)/78-पी०एफ०-II] S.O. 3301.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Metazinc (Private) Limited, Plot No. 8-B, NIDC Industrial Area, Kalyan Bhilwandi Road, Post Office Bhiwandi, District Thana including its branch at New Delhi Centre, 12th Floor, 17 Coperage District Thana Road, Bombay-39 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1976.

[No. S. 35018(88)/78-PF.II]

कारणारं 3302. — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि शिवर्ष क्लोरिया इण्डरनेणनल (प्राइवेट) लिमिटेड, 16ए, क्राबोर्ने रोड, कलकता-1 नामक स्वापन से सम्बद्ध नियोजक घौर कर्मचारियों के बहु-संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि घौर प्रकीर्ण उपवन्त्र प्रशिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवन्त्र उक्त स्थापन की लागू किये जाने चाहिये;

भतः, श्रवः, उत्तर अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त विकितमों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम क उपबन्ध उक्त स्थापन की लागू करती है ।

यह भिक्षत्वन। 1 भगस्त, 1977 को प्रभृत हुई समझी जायेगी । [सं० एफ०-35017(39)/78 वी०एफ०-II(i)]

S.O. 3302.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment knows as Messrs Kanoria International (Private) Limited, 16A Brabourne Road, Calcutta-1 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), shall be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act, to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1977.

[S. 35017(39)/78-PF, II(i)]

का ज्या 3303. कि नीय सरकार, कर्म बारी भविष्य निधि भीर प्रकीण उपबन्त प्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) की झारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में मावश्यक जांच करने के पश्चात् 1 दिसम्बर, 1977 से मैसर्स एम० एस० जे० (दंजीनियर्स) एण्ड कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड, 17, डा० सुम्बरी मोहन एवेन्यू, कलकत्ता-14, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट करती हैं।

[सं ० एम ०-35017(43)/78-पी ०एफ ०-H(ii)]

S.O. 3303.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary inquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of December, 1977 the establishment known as Messrs, M. S. J. (Engineers) and Company (Private) Limited, 17 Dr. Sundari Mohan Avenue, Calcutta-14 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017(43)]/78-PF. II(ii)]

का अवा अ 3304. --- यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जलाननगर साउथ एस्टेट्स लिमिटेड 62, बेस्लीगूंओ सर्कुलर रोड, कलकत्ता-19, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि

धौर प्रक्रीण उपबन्ध धिवित्यम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

श्रतः, श्रवः, उपत अधिनियम की धारा । की उपधारः (४) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार २१८ आधिनियम के उपवन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

S.O. 3304.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jalannagar South Estates Limited, 62 Ballygunge Circular Road, Calcutta-19, have agreed that the provisions of the Employees, Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise or the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act the Central Government hereby applies, the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1977.

[No. S. 35017(45)/78-PF, II(i)]

का ब्या 3305.—के तीय सरकार, कमें चारी भविष्य निधि भौर प्रकीण उपवन्त्र अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में श्रावश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जुलाई, 1977 से मैसर्स जलाननगर माउथ एस्टेट्स लिमिटेड, 62, बैस्लीगूंजे सकुंसर रोड, कलकत्ता-19, नामक स्थापन को उकत परन्तुक के प्रयोजमों के लिये विनिर्विष्ट करती है।

[सं० एक 0-35017 (45)/78-पी ०एक ०-11(i)]

S.O. 3305.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifics with effect from the first day of July, 1977 the establishment known as Messrs, Jalannagar South Estates Limited, 62, Ballygunge Circular Road, Calcutta-19, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017(45)/78-PF. II(ii)]

ना श्रा 3306.—के ब्रीय सरकार, कर्स चारी भविष्य निधि श्रीर प्रक्तीण उपबन्ध श्रीधनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रमांग करते हुए, सम्बद्ध विषय में भावण्यक जांच करने के पण्चात् 1 जुलाई, 1977 से मैंसर्स जलान इंडस्ट्रीज (प्राइवेट) लिमिटेड, 62, बैल्लीगूंज सर्कुलर रोड, कलकत्ता-19 मामक स्थापन को उपन परन्तुक के प्रयोजनों के लिए जिनिचिट्ट करती है।

[सं॰ एफ ॰-35017(46)/78-पी ॰एफ ॰-II(ii]

S.O. 3306.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of July, 1977, the establishment known as Messra Jalan Industries (Private) Limited, 62, Ballygunge Circular Road Calcutta-19, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017(46) /78-PF. II(ii)]

कां कां 3307 स्थार के जीय सरकार को यह प्रतीस होता है कि मैसर्स जलान इण्डस्ट्रीज (प्राइवेट) लिमिटेड, 62, बैस्सीम्ंजे सर्कुलर रोड, कलकत्ता-19, तरमक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निश्चि भीर की उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1962 का 19) के उपबन्ध उस्त स्थापन को लागू किये जामे बाहिये;

भतः, सम्ब, उक्त भिक्तियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपगम्भ उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह भिधिसूचना 1 जुलाई, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी। $\left[\vec{\mathbf{H}} \circ \nabla \mathbf{H} \circ - 35017 (46) / 78 - \vec{\mathbf{H}} \circ \nabla \mathbf{H} \circ - \mathbf{H} (\mathbf{I}) \right]$

8.0. 3307.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees' in relation to the establishment known as Messis Jalan Industries (Private) Limited, 62, Ballygunge Circular Road, Calcutta-19, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1977.

[No. S. 35017(46) /78-PF. II(1)]

भाजमा 3308. — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मार्स डिजाइन (प्राइवेट) लिमिटेड, पी०-139, लेक रोड, कलकत्ता-29, जिसके अन्तर्गत 81, ए० के० मुखर्जी रोड, कलकत्ता-50 स्थित उसका कारखामा भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मवारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मवारी भविष्य निक्कि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्स स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

म्नतः, म्रब, उक्त मिधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त मिधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह मधिसुचना 1 जुलाई, 1977 को प्रयुत्त हुई समझी जायेगी।

[सं॰ एस॰-35017(49)/78-पी॰एफ॰-II(i)]

8.0. 3308.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees' in relation to the establishment known as M/s. Mars Design (Private) Limited, P-139, Lake Road, Calcutta-29 including its factory at 81. A. K.Mukherjee Road, Calcutta-50 have agreed that the provisions of the Employees Provident Fnds and Miscellaneous Provision Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1977,

[No. 35017(49)]/78-PF, II(1)]

का०भार 3309. — केंन्सीय सरकार, कर्मनारी भविष्य मिधि श्रीर प्रकीण जपबन्ध श्रीक्षित्यम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रयक्त भिक्तियों का प्रथम करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जुलाई, 1977 से मैससं मासं क्रिजाइन (प्राइवेट) लिमिटेड, पी०-139, लेक रोड, कलकता, जिसके भन्तांग 81, ए०के० मुखर्जी, रोड, कलकता-50 स्थित उसका कारखाना भी है, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिदिष्ट करती है।

[सं • एस o-35017(49)/78-पी oएफ o-II(ii)]

S.O. 3309.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary inquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of July, 1977, the establishment known as Messrs. Mars Design (Private) Limited, P-139, Lake Road, Calcutta including its factory at 81, A. K. Mukherjee Road, Calcutta-50, for the purpose of the said proviso.

[No. S-35017(49)/78-PF, II(ii)]

का॰ शा० 3310 — केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि धौर प्रकीणं उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रधम परन्तुक द्वारा प्रदत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में प्रावस्थक जांच करने के पश्चात्, 1 ध्रगस्त, 1977 से मैसर्स कनोरिया इण्टरनेशनल (प्राइवेट) लिमिटेड, 16-ए०, ब्राबोनें रोड, कलकत्ता-1, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट करती है।

[सं • एस •- 35017 (39) / 78-पी एफ •- II (ii)]

S.O. 3310.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of August, 1977, the establishment known as Messrs Kanoria International (Private) Limited, 16A, Barabourne Road, Calcutta-1, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017(39)/78-PF. II(ii)]

का॰ आ॰ 3311—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमें खोचियडे मिन्छमार विविध कार्यकारी सहकारी संस्था लिमिटेड, खोचियडे, ताल पोस्ट बसई, जिला थाना, पश्चिमी रेलये, मामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक धौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य मिधि धौर प्रकीणें उपबन्ध धिधनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने वाहिये;

भतः, प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपवारा (4) दारा प्रवत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है ?

यह ग्रिप्तिचुना 31 भगस्त, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं ० एस ०-35018(87)/78-पो ०एफ ०-II]

S.O. 3311.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees' in relation to the establishment known as Messrs Khochivade Machhimar Vividh Karyakari Sahkari Sanstha Limited, Khochivade Tal-Post—Bassein, District Thana, Western Railway have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of August, 1977.

[No. S. 35018(87)/78-PF-II]

का बा 3312. — यतः केन्द्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सिक्युरिटी सिवसेज (मद्रास), 406-र्ता०, अंज्याम नगर, थिरवोट्टियुर, मद्रास-19, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्म-चारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी मिथिष्य निधि और प्रकार्ण उपबच्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

श्रतः, ग्रबं, उक्त श्रविनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रविनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है।

यह भिधिसूचना 1 श्रस्तूबर, 1977 की प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस०-35019(209)/78-पी०एफ०-II] एस० एस० सहस्रानामन, उप-संचिव S.O. 3312.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Security Service (Madras), 406-C, Anjugam Nagar, Thiruvotiyur, Madras-19, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1977.

[No. S. 35019(209)/78-PF. II] S. S. SAHASRANAMAN, Dy. Secy.